3 राजधानी
सैनिटाइज किया जा रहा पूरा निजामुद्दीन इलाका

6 अभिमत
कोरोना के कारण पलायन के निहितार्थ

10 स्पोर्ट्स
विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप टली

11 विदेश
भारत के साथ समन्वय कर रहा अमेरिका

RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 147
नई दिल्ली, बुधवार, 1 अप्रैल, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

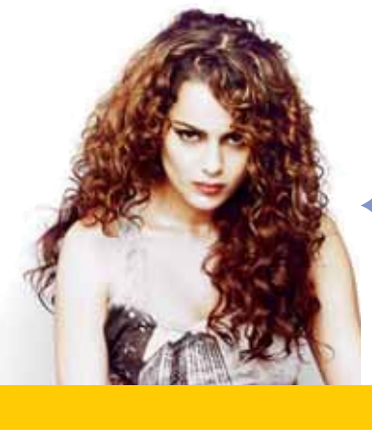

मधुबाला का किरदार निभाना चाहती हैं कंगना

विविध-12

कोरोना का नया हॉट स्पॉट मरकज-10 की मौत

● लॉकडाउन के बावजूद तबलीगी जमात के मुख्यालय में हजारों का जमावड़ा, दिल्ली प्रमुख मौलाना साद पर एफआईआर, क्राइम ब्रांच करेगी जांच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस की महामारी के बढ़ते प्रकोप और इसकी रोकथाम के लिए देश भर में लागू लॉकडाउन के बीच तबलीगी जमात समूह के दिल्ली स्थित मुख्यालय मरकज निजामुद्दीन में हजारों लोगों के जमावड़े, सैकड़ों में पाए गए कोविड 19 के लक्षण और तमाम राज्यों में उनके फैलाए संक्रमण से अब तक 10 लोगों की मौत ने केंद्र व प्रदेश सरकारों को हिलाकर रख दिया है। कोरोना का एक और हॉट स्पॉट बना मरकज तबलीगी जमात का अंतरराष्ट्रीय केंद्र है जहां पाबंदियों के बावजूद जुटे करीब 2100 ऐसे लोगों की पहचान की जा चुकी है। स्थिति की भयावहता को भांपकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को तबलीगी के उन सदस्यों की तलाश करने के निर्देश दिए हैं जो 8 और 10 मार्च के दो दिनी आयोजन में शामिल होकर लौटे हैं।

इस बीच, नियमों का उल्लंघन करने के लिए जमत के दिल्ली प्रमुख मोहम्मद मौलाना साद के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। साथ ही दिल्ली सरकार ने यह मामला दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के सुपुर्द कर दिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सिफारिश पर एलजी अनिल बैजल ने पुलिस से कहा है कि वह संबंधित कानून के तहत इसकी जांच करे।

मरकज से निकले लोगों की जांच के दौरान दिल्ली में जहां 24 लोग कोविड 19 पॉजिटिव पाए गए वहीं तेलंगाना में 6, अंडमान में 1, कश्मीर में एक, तमिलनाडु में 50 लोग। गृह मंत्रालय के मुताबिक, यहां से लौटकर 824 विदेशियों ने भी विभिन्न राज्यों की यात्रा की जिनका ब्योरा पुलिस प्रमुखों को दे दिया गया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने मरकज में हुए जमावड़े को गैरजिम्मेदाराना करार देते हुए इसका दोष दिल्ली पुलिस पर डाला है जिस पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नसीहत दी कि यह समय गलतियां ढूंढने या दोषारोपण करने का नहीं है। संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जहां भी कोरोना संक्रमण के मामले सामने आएं वहां उनके प्रसार को रोकने की हर संभव कोशिश की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से बार-बार की जा रही (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में बस में बैठकर अस्पताल जाने के लिए निकलते तबलीगी जमात के लोग।

मरकज में टिके थे 216 विदेशी-कई संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जनवरी से देश में तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए और उनमें से सभी ने पहले दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित उसके मुख्यालय में आमद दर्ज कराई। निजामुद्दीन स्थित तबलीगी मुख्यालय से कोरोना वायरस के कई मामले सामने आए हैं। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि 21 मार्च तक उनमें से लगभग 824 देश के विभिन्न हिस्सों में चले (शेष पेज 9)

मरकज प्रबंधन ने दी सफाई

अल्लाह की नेक बातों का दुनिया भर में प्रचार करने के मकसद से वर्ष 1926 में तबलीगी जमात आंदोलन की शुरुआत भारत में ही की गई थी। देश विदेश में इसके सदस्य हैं और दिल्ली का मरकज निजामुद्दीन जमात का मुख्यालय है। देश भर में मचे हड़कंप पर सफाई देते (शेष पेज 9)

निकाले गए 1,548 लोग 441 में कोरोना के लक्षण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● मरकज से कुल 1107 जमाती क्वारेंटीन में भेजे गए

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच जहां एक ओर पूरे देश में सोशल डिस्टेंसिंग का तरीका अपनाया जा रहा है, वहीं दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित तबलीगी जमात के मरकज की लापरवाही से इस महामारी का खतरा और बढ़ गया है। दिल्ली और केंद्र सरकार कोरोना से बचाव के लिए दिशा-निर्देश जारी करती रही लेकिन यहां सैकड़ों लोगों का जमावड़ा रहा।

मंगलवार तक मरकज से करीब 1548 लोगों को बाहर निकाला गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अनुसार इनमें 441 में कोरोना के लक्षण मिले हैं जबकि 24 लोगों में महामारी की पुष्टि हो गई है। राजधानी दिल्ली में अब तक कोरोना के 97 केस पॉजिटिव हो गए हैं। पांच मरीज ठीक हो गए हैं और दो लोगों की मौत हुई है। तबलीगी जमात इस्लामिक मिशनरी आंदोलन है, जिसकी स्थापना 1926 में की गई थी। इसका मुख्यालय निजामुद्दीन स्थित छह मंजिला इमारत में है। इसके सदस्य सारी दुनिया में फैले हैं। बीते 13 से 15 मार्च तक यहां तबलीगी जमात का दो-दिवसीय कार्यक्रम हुआ था। इसमें लगभग 5000 लोगों के शामिल होने की बात कही जा रही है। इनमें करीब 800 विदेशी भी थे लेकिन 18 मार्च को लॉकडाउन के ऐलान के बाद यहां से लोगों को निकाला जाने लगा और 24 मार्च को संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा तक यहां 1800 से 2000 लोग रह गए थे।

मरकज के कर्ताधर्ताओं का कहना है कि रेल और बसें बंद होने के कारण वे इन्हें मंजिल की ओर रवाना नहीं कर सके। एक मरीज की दिल्ली के अस्पताल में मौत के बाद मामला उजागर हुआ। पुलिस-प्रशासन ने आनन-फानन में बसों में भकर लोगों को विभिन्न अस्पतालों और क्वारेंटीन सेंटरों में भेजा। यह काम मंगलवार (शेष पेज 9)

गांव लौटने वालों में से एक तिहाई हो सकते हैं संक्रमित

● केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

● वायरस से कहीं ज्यादा जिंदगियां बर्बाद कर देगी दहशतः उच्चतम न्यायालय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि शहरों से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जा रहे 10 में से तीन व्यक्तियों के साथ यह वायरस जाने की संभावना है। शीर्ष अदालत में दी गई स्थिति रिपोर्ट में सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर उठाए गए व्यापक कदमों की जानकारी देते हुए कहा कि जांच क्षमता बढ़ाई जा रही है और 40 हजार जीवन रक्षक प्रणाली की खरीद के लिए आदेश दिए गए हैं जिससे किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। केन्द्र की ओर से सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस समय लोगों को दूसरे स्थान पर जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती क्योंकि इससे कोरोना वायरस को फैलने का अवसर मिलेगा। मेहता ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि कामगारों का पलायन नहीं हो। ऐसा करना उनके लिए और गांव की आबादी के लिए भी जोखिम भरा होगा। जहां तक ग्रामीण भारत का सवाल है तो यह अभी तक कोरोनावायरस के प्रकोप से बचा हुआ है लेकिन शहरों से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जा रहे 10 में से तीन व्यक्तियों के साथ यह वायरस जाने की संभावना है। मेहता ने कहा कि करीब 4.14 करोड़ कामगार काम के लिए दूसरे स्थानों पर गए थे लेकिन अब कोरोनावायरस की दहशत से लोग वापस लौट रहे हैं। सालिसीटर जनरल ने कहा कि इस महामारी से बचाव और इसके फैलाव को रोकने के लिए समूचे देश को लॉकडाउन करने की आवश्यकता हो गई है ताकि लोग दूसरों के साथ घुले मिलें नहीं और सामाजिक दूरी बनाने के सूत्र का पालन करते हुए एक दूसरे से मिल नहीं सकें। उन्होंने कहा कि अंतरराज्यीय पलायन पूरी तरह प्रतिबंधित करने के बारे में राज्यों को आवश्यक परामर्श जारी किए गए हैं और केन्द्रीय नियंत्रण कक्ष के अनुसार करीब 6,63,000 व्यक्तियों को अभी तक आश्रय प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 22,88,000 से ज्यादा व्यक्तियों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है क्योंकि ए सभी जरूरतमंद, एक स्थान से दूसरे स्थान जा रहे कामगार और दिहाड़ी मजदूर हैं जो कहीं न कहीं पहुंच गए हैं और उन्हें रोककर आश्रय गृहों में (शेष पेज 9)

अष्टम महागौरी

समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिरू।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोदया।।

आदिशक्ति श्री दुर्गा का अष्टम रूप श्री महागौरी देवी का है। मां के इस महागौरी रूप की पूजा नवरात्र के आठवें दिन की जाती है। मां महागौरी का रंग अत्यंत गोरा है इसलिए इन्हें महागौरी के नाम से जाना जाता है। श्री महागौरी की आराधना से उनके भक्त शक्तिशाली होते हैं। महागौरी को प्रसन्न कर लेने पर भक्तों को सभी सुख स्वत: ही प्राप्त हो जाते हैं। इसके अलावा मन को शांति भी मिलती है।

लघु बचत योजनाओं पर ब्याज में की गयी कटौती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र और लोक भविष्य निधि समेत लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें 2020-21 की पहली तिमाही के लिए 1.4 प्रतिशत तक घटा दीं। बैंक जमा दरों में कटौती के बीच यह कदम उठाया गया है। लघु बचत योजनाओं पर ब्याज तिमाही आधार पर अधिसूचित किया जाता है। वित्त मंत्री ने एक अधिसूचना में कहा, विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को वित्त वर्ष 2020-21 की अप्रैल-जून तिमाही के लिए संशोधित किया गया है। इस कटौती के बाद एक से तीन साल की मियादी जमा राशि पर ब्याज अब 5.5 प्रतिशत मिलेगा जो अबतक 6.9 प्रतिशत था। यानी इस पर ब्याज में 1.4 प्रतिशत की कटौती की गई है। इन मियादी जमाओं पर ब्याज तिमाही आधार पर दी जाती है।

जेईई-मुख्य परीक्षा स्थगित मई में हो सकती है आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के खतरे के चलते आईआईटी एवं एनआईटी में प्रवेश के लिए अप्रैल में होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य 2020 को स्थगित कर दिया गया है और अब इसे मई महीने के अंतिम सप्ताह में आयोजित करने का प्रस्ताव किया गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मुख्य 2020 परीक्षा स्थगित करने की घोषणा की थी जो 5, 7, 9, 11 अप्रैल 2020 को आयोजित होनी थी। एनटीए ने अधिसूचित किया है कि अब यह परीक्षा मई महीने के अंतिम सप्ताह में आयोजित किए जाने का प्रस्ताव किया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि आने वाले सप्ताहों में स्थिति की समीक्षा करने के बाद तिथि की घोषणा की जाएगी। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उम्मीद व्यक्त की है कि जल्द ही स्थिति सामान्य होगी लेकिन अभी के में एनटीए स्थिति की करीबी समीक्षा कर रही है।

इसी के अनुरूप तब की स्थिति को देखते हुए 15 अप्रैल के बाद परीक्षा का प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, एनटीए छात्रों को ताजा स्थिति से अवगत कराता रहेगा और उन्हें बदलाव एवं परीक्षा तिथियों के बारे में भी अग्रिम जानकारी देता रहेगा। गौरतलब है कि सरकार ने कोरोना वायरस के फैलने को रोकने के लिए 21 दिनों के देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के चलते देश भर के शिक्षण संस्थान बंद हैं। ऐसे में सभी परीक्षाएं टाल दी गयी हैं। परीक्षाओं की नई तिथियां बाद में घोषित की जाएंगी।

तबलीग में शामिल 281 विदेशियों को काली सूची में डालेगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निजामुद्दीन मरकज मामले के बाद केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि तबलीगी जमात में शामिल होने के लिए इस साल एक जनवरी से मार्च तक 2100 विदेशी लोग भारत आए हैं। अब सरकार मरकज में मिले 281 विदेशी लोगों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई कर रही है।

इन पर वीजा नियमों के उल्लंघन का आरोप है। बहुत से विदेशी धार्मिक उपदेशक जो टूरिस्ट वीजा पर आते हैं, वे यहां मिशनरी गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं, यह वीजा नियमों का सीधा उल्लंघन हैं। एक अधिकारी के अनुसार भारतीय वीजा नियमों के दिशा-निर्देशों के अनुसार यहां धार्मिक विचारधारा के उपदेश देना, धार्मिक स्थलों में भाषण देना, किसी भी धर्म से संबंधित ऑडियो, वीडियो, पम्फ्लेट आदि बांटने पर पूरी तरह प्रतिबंध है। तबलीगी जमात में कोरोना केस सामने आने के बाद इस मुद्दे पर मंत्री स्तरीय समूह में चर्चा भी हुई है। निजामुद्दीन मरकज में जमा हुए 1830 लोगों में सबसे ज्यादा 501 तमिलनाडु से आए थे।

इसके बाद असम के 216, उत्तर प्रदेश के 156, महाराष्ट्र के 109, मध्य प्रदेश के 107 लोग थे। क्वारेंटीन के लिए इन सभी का पता लगाया जा रहा है। गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार लगभग इनमें से 824 देश के विभिन्न हिस्सों में जमात में निकल गए थे जबकि 216 यहीं निजामुद्दीन मरकज में रुके थे। इनमें से कई के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। तबलीगी जमात में देश और विदेश से आने वाले लोग देशभर में घूम-घूम कर पूरे साल कोई 40 दिन (चिल्ला) के लिए तो कोई चार महीने के लिए मस्जिदों में जाते हैं और लोगों को इस्लाम से संबंधित बातें बताते हैं। यहां ज्यादातर इंडोनेशिया, मलेशिया, थाइलैंड, नेपाल, म्यांमार, बंगलादेश, श्रीलंका, किरगिस्तान समेत यूरोप के कई देशों से भी लोग आते हैं। ये सभी सबसे पहले सामान्य तौर पर निजामुद्दीन मरकज में बंगले वाली मस्जिद में रिपोर्ट करते हैं।

इसके बाद उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में भेजा जाता है। चिल्ला गतिविधियां जिला को-ऑर्डिनेशन द्वारा संचालित की जाती हैं। बीते 21 मार्च को 1746 लोग हजरत निजामुद्दीन मरकज में ठहरे हुए थे। इनमें 216 विदेशी और 1530 भारतीय थे। इसके अलावा 824 विदेशी नागरिक देशभर में चिल्ला गतिविधियों में भेजे गए थे। गृहमंत्रालय का कहना है कि सभी को ढूंढकर जरूरत (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री मोदी की मां ने भी दिए 25 हजार रुपये

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के खिलाफनिर्णायक जंग में अब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन भी शामिल हो गई हैं। प्रधानमंत्री की मां ने संकट से जूझ रहे देश को 25,000 रुपये की आर्थिक मदद की है। यह रकम उन्होंने कोरोना संकट से निपटने में मदद देने वालों के लिए बनाए गए पीएम केयर्स फंड में जमा कराई है। उन्होंने अपनी (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	29,468	1,028
निफ्टी	8,597	316
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

बैंकों का मेगा- विलय आज से हो जाएगा लागू

नई दिल्ली। देश में विश्व स्तर के बड़े बैंक बनाने की दिशा में सरकार की तरफ से की गई पहले के तहत एक अप्रैल से सार्वजनिक क्षेत्र के छह बैंकों का अलग अलग चार बैंकों में विलय हो जाएगा। यह विलय ऐसे समय में हो रहा है जब पूरी दुनिया खतरनाक कोरोना वायरस महामारी के जाल में फंसी हुई है। महामारी की रोकथाम के लिए 21 दिन की की पाबंदियां लगाई गई है। जो 14 अप्रैल को समाप्त होगी। हालांकि ऐसे बेहद नाजुक समय में बैंकों का विलय बहुत सहज नहीं हो सकता है।

यूपी के 19 जिलों में पुलिस कर रही जमातियों की तलाश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात में शामिल हुए यूपी के 157 लोगों में से 95 फीसदी लोगों की पहचान हो गई है। जल्द ही बाकी की पहचान कर उन्हें कोरंटाइन किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया है कि दिल्ली के निजामुद्दीन क्षेत्र में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शामिल प्रदेश के लोगों कि विस्तृत जांच की जाए। इस कार्यक्रम में प्रदेश के 19 जिलों के लोग शामिल हुए थे। उन जिलों के डीएम व पुलिस कप्तानों को निर्देश दिए गए हैं कि शामिल होने वालों को ढूंढें। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली की घटना को गम्भीरता से लेते हुये कहा है कि लॉकडाउन को शत-प्रतिशत सख्ती से लागू करें। लॉक डाउन को लेकर और सख्ती बढ़ायी जाए। पैदल यात्रा करने वालों को राउण्ड अप करके जिले के शेल्टर हाउस में भेजकर निर्धारित प्राविधानों का अनुपालन करते हुये उनकी स्क्रीनिंग करायी जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि बिना सूचना दिये कहीं भी, किसी रूप में लोग इकट्ठा निवास न करें। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक इस कार्य के लिये प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री के यह निर्देश कि प्रदेश में कोई भूखा न रहे के क्रम में सभी जनपदों में अनिवार्य रूप से कम्युनिटी किचन खुलवाने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में कम्युनिटी किचन के माध्यम से प्रतिदिन फूड पैकेट्स तैयार कराकर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

लोगों का सहयोग न मिलने से बढ़े कोरोना केस, 35 मौतें

● स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 227 नए मामलों की पुष्टि होने और तीन मरीजों की मौत होने की जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया कि संक्रमण को रोकने के लिए लागू किए गए देशव्यापी लॉकडाउन का पालन सुनिश्चित करने में जनता का कुछ इलाकों में पर्याप्त सहयोग नहीं होने, संदिग्ध मामलों की जानकारी अधिकारियों को समय पर उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण संक्रमण के खतरे वाले इलाके (हॉटस्पॉट) बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र में अब तक सबसे ज्यादा मौत (9) हुई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के कुल 1,397 मामले हो गए हैं जबकि इससे मौत का आंकड़ा 35 तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे में पश्चिम बंगाल, गुजरात और मध्य प्रदेश में एक एक संक्रमित मरीज की मौत हुई है। उन्होंने संक्रमण के मामलों में इजाफा नहीं रुकने के पीछे संक्रमण के (शेष पेज 9)

नवी मुंबई में मंगलवार को एक ट्रक में सवार होकर जाने वाले अप्रवासियों को रोकती स्थानीय पुलिस। ऐसे लोग कोरोना वायरस से खुद भी संक्रमित हो सकते हैं और दूसरों को भी कर सकते हैं।

मोहल्ला क्लीनिक का एक और डॉक्टर कोरोना की चपेट में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के वेलकम जनता कॉलोनी स्थित मोहल्ला क्लीनिक में तैनात एक महिला डॉक्टर कोरोना वायरस पॉजीटिव पाई गई है। यह महिला उन्हीं डॉक्टर की पत्नी हैं जिन्होंने सऊदी अरब से लौटी दिलशाद गार्डन की महिला का इलाज किया था। जिन मरीजों ने 12 से 20 मार्च के बीच उस डॉक्टर से मुलाकात की थी या डॉक्टरी परामर्श लिया था। उनके लिए एक नोटिस जारी किया गया है कि वे अपने आप (शेष पेज 9)

लॉकडाउन के बीच 40 लोगों के एक जगह जमा होने पर हड़कंप

आनन-फानन में पहुंची पुलिस ने 26 लोगों को भेजा जांच कराने

बॉर्डर सील होने के बाद भी बाहरी लोगों का पहुंचना कैसे संभव हुआ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पटौदी के हेलीमंडी में एक घर में जमा 40 लोगों की सूचना मिलने के बाद उन्हें कोरोना जांच के लिए अस्पताल भेजती पुलिस।

दुनियाभर में कोरोना वायरस को लेकर मचे हाहाकार मचा है। एक दिन पूर्व दिल्ली के निजामुद्दीन मस्जिद में लोगों के इकट्ठे होने की घटना अभी विवादों में थी कि इसी बीच गुरुग्राम के हेलीमंडी क्षेत्र में उसी तरह की एक और वाकया हो गया। यहां एक जगह पर 40 मुस्लिमों की मौजूदगी ने प्रशासन के हाथ-पांव फुला दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने 26 लोगों को जांच के लिए भेजा।

जानकारी के मुताबिक हेलीमंडी वार्ड-2 के निवासी गुलजार के यहां पर बीते 36 घंटों के दौरान कथित रूप से देश के विभिन्न राज्यों से करीब 40 मुस्लिम पहुंचे। यह अपने आप में बहुत ही बड़ा और गंभीर सवाल है कि चारों ओर से सील किया गया जिला और पुलिस की नाकेबंदी के बीच इतनी संख्या में लोग कैसे सब जगह पार करके यहां पहुंचे। साथ ही गुलजार और उसके परिवार के द्वारा इसकी जानकारी प्रशासन से छिपाई। इतनी अधिक संख्या में एक जगह पर मुस्लिमों के एकत्रित होने को लेकर हड़कंप मच गया।

बात यह नहीं है कि वे मुस्लिम हैं, सवाल यह है कि कोरोना वायरस को लेकर जहां देश में सरकार ने लॉकडाउन कर रखा है। लोगों को घरों में रहने की नसीहत दी जा रही है। खुद प्रधानमंत्री सीधे जनता से जुड़कर यह अनुरोध कर रहे हैं। इसी बीच इतनी अधिक संख्या में एक जगह पर लोगों का एकत्रित होना कोरोना के खतरे को बढ़ा देता है। लोगों के मुताबिक बीती रात को ही गुलजार के घर पर पहुंचे लोगों की सुविधा के लिए किराये पर रजाई-गद्दे आदि भी लाए गए, लेकिन साक्ष्य मिटाने के लिए मंगलवार को इन्हें कहीं फेंक दिया गया।

महेंद्रगढ़, फतेहपुर और इलाहाबाद से पहुंचे थे लोग

मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों के मुताबिक गुलजार के यहां पर तीन परिवार जो कि स्वयं को उसका रिश्तेदार बता रहे हैं। वे हरियाणा के महेंद्रगढ़, यूपी के फतेहपुर और इलाहाबाद से आए बताए जा रहे हैं। इनका कहना है कि वे बीमार चल रहे गुलजार को देखने के लिए ही आए हैं।

कुल 26 लोगों को भेजा जांच के लिए

पटौदी एसडीएम राजेश कुमार प्रजापति और एसीपी बीर सिंह के मुताबिक गुलजार के यहां रहने वालों में से कुल ऐसे 26 लोगों को आइसोलेशन सहित आरंभिक जांच के लिए भेजा गया है, जो कि हाल ही में अन्य स्थानों से चलकर आए हैं। इनमें बच्चे, महिला और पुरूष को मिलाकर कुल संख्या 26 है। मौके पर एंबुलेंस बुलाकर सबसे पहले नागरिक अस्पताल पटौदी लाया गया और इसके बाद में कोरोना-कोविड 19 के किसी भी प्रकार के लक्षण अथवा संक्रमण की संभावना की जांच के लिए गुरूग्राम के सेक्टर-10 अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। साथ ही उस घर के बाहर पालिका प्रशासन के द्वारा 15 अप्रैल तक के लिए क्वारेंटाइन को नोटिस चस्पा दिया है।

कोरोना संक्रमित गांव में घूमता रहा और मां घर-घर करती रही सर्वे

अलवर के बहरोड़ क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव मिलने से लोगों में डर का माहौल

अशोक कुमार कौशिक। बहरोड़

गांव का मुख्य बस अड्डा, पीड़ित के घर के बाहर बैठा निगरानी दल।

अलवर जिले के बहरोड़ क्षेत्र में कोरोना पॉजिटिव मिलने से जिले में डर का माहौल पैदा हो गया है। उसके पॉजिटिव होने की पुष्टि सोमवार रात को हुई। बहरोड़ के मिलकपुर गांव में कोरोना पॉजिटिव मिले छात्र की मां एएनएम हैं और उसका भाई बहरोड़ में एयू बैंक में कार्यरत है। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए एएनएम की सर्वे के कार्य में ड्यूटी है। जो 18 मार्च के बाद भी सर्वे में लगी रही हैं।

भाई बराबर बैंक में ड्यूटी जाता रहा है। यही नहीं ग्रामीणों ने बताया कि खुद फिलिपिंस से आया छात्र स्कूटी पर खूब घूमता रहा है। गांव में परचूनी की डेयरी की दुकान पर वह खूब आता-जाता रहा है। सबसे अधिक लोगों से मुलाकात भी इसी जगह हुई है। फिलिपिंस से आने के बाद इसके घर पर न नोटिस चस्पा किया गया। न इसे होम आइसोलेशन के लिए पाबंद किया।

मां नर्सिंगकर्मी होने के बावजूद उसने विदेश से आए बेटे को होम आइसोलेशन में नहीं रखा। जिसका खमियाजा पता नहीं कितने जनों को भुगतना पड़ सकता है। अब यह खतरा आसपास के कई गांवों के सैकड़ों लोगों पर मंडराने लगा है। असल में संक्रमित युवक परिवार में सामान्य दिनों की तरह रह रहा था। परिवार के अन्य सदस्य पहले की तरह दूसरे कार्यों में लगे रहे।

12 दिन बाद संक्रमण की रिपोर्ट

संक्रमित युवक 18 मार्च को ही गांव आ गया था। उसके साथ उसका झूंझंनू का मित्र भी साथ आया था, जो उसी रात उसके घर पर रात्रि को रुका था। उसके बाद उसके शरीर में किसी तरह के लक्षण नजर नहीं आए। सिर्फ इस आधार पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया कि वह फिलिपिंस से झुंझुनूं के विद्यार्थी के साथा आया था और उसे कोरोना संक्रमण मिला है। झुंझुनूं के विद्यार्थी की ट्रेवल हिस्ट्री के आधार पर मिलकपुर गांव के निवासी विद्यार्थी को अलर्ट किया गया। उसे 29 मार्च को ही सामान्य अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया है।

चिकित्सकों ने बताया कि युवक अधिक बीमार नहीं था। अगले दिन 30 मार्च को उसके पिता व भाई को अस्पताल में भर्ती किया गया। परिवार के इन सदस्यों में अभी भी किसी तरह के लक्षण नहीं हैं।

बैंक व इन गांवों में भी संक्रमण का डर

कोरोना संक्रमित मिले छत्र की मां एएनएम को मिलकपुर, भीटेडा व खातनपुर गांव में सर्वे की जिम्मेदारी थी। जो 18 मार्च के बाद भी सर्वे करती रही है। इसी तरह उसका भाई एयू बैंक में कार्य करता रहा है। इसके अलावा खुद छात्र भी गांव में घूमता रहा है। जिसके कारण आसपास के कई गांवों में कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है।

गांव को किया सील

गांव में पांच चिकित्सकों का दल उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. छबील कुमार, डॉ. तरुण, डॉ. बबीता, डॉ. अंकित सहित चिकित्सा दल, उप जिला कलेक्टर, तहसीलदार व पुलिस क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में एक दल पहुंच गया है। गांव को तीन किलोमीटर परिधि के क्षेत्र को सील कर दिया है। परिवार के सदस्यों सहित गांव के कुछ लोगों को आइसोलेशन किया है और कइयों को ले जाने की तैयारी है।

अहीरवाल में कोरोना की सुगबुगाहट

पायनियर समाचार सेवा। नारनौल

करोना वायरस से जुड़े होने की आशंका के चलते जिला महेंद्रगढ़ में पहली बार सोमवार को दो संदिग्ध मिले थे जिनकी रिपोर्ट नैगेटिव आई है। पड़ोसी बहरोड़ राजस्थान से एक पॉजिटिव मरीज सामने आए है। जिला महेंद्रगढ़ के दोनों मरीजों ने स्वयं पहल करके कोरोना वायरस सैंपल लेने का स्वास्थ्य विभाग से आग्रह किया। इसके बाद दोनों के नागरिक अस्पताल नारनौल में सैंपल लेकर एक विशेष एंबुलेंस से सोमवार देर शाम रोहतक भेजा गया। मंगलवार को रोहतक से आई रिपोर्ट में नेगेटिव होने की जानकारी सीएमओ डाक्टर अशोक कुमार ने दी है।

इन मरीजों के नैगेटिव होने से प्रशासन और जिले के लोगों ने राहत की सांस ली है। प्रशासन ने 14 दिन घर पर क्वारंटाइन की हिदायत के साथ अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है।

अलवर, बहरोड़ में कोरोना पॉजिटिव मामला

पीड़ित के घर से एक किलोमीटर में कर्फ्यू लगा दिया है। अभी एहतियात बरती जा रही है और लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। पीड़ित के परिजनों को भी आइसोलेट किया है। अब पिता और बहन को अलवर राजीव गांधी अस्पताल में लाया गया है। बुधवार तक इनकी रिपोर्ट आयेगी। हितेश यादव (गांव मिलकपुर, तहसील बहरोड़, जिला अलवर)। फिलीपींस से एमबीबीएस कर रहा था। दोस्त भी झुंझुनूं में पॉजिटिव पाया गया।

दोनों साथ आये थे फिलीपींस से। अब उसे सामान्य चिकित्सालय अलवर से अब जयपुर सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती किया है। अब पूरा परिवार आइसोलेशन में है। पीड़ित की मां एएनएम है पास के ही गांव भिटेड़ा में है। एएनएम की ड्यूटी, लगातार डोर टू डोर सर्वे कर रही थीं, लेकिन घर में बेटे को नहीं रख पाए आइसोलेशन में। मरीज को लगातार गांव में घूमते देखा गया था। यहां प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। जब उसकी नजर में यह मामला था तो उसने सावधानी क्यों नहीं बरती। ऐसे में अवसर प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी कि वह गांव में यह पहचान करे कि वह किस-किस के सम्पर्क आया। उसे अनेक लोगों की स्क्रीनिंग करनी होगी।

कोरोना को हराने के लिए घर में रहना जरूरी : अजराना

कुरुक्षेत्र। गुरुद्वारा श्री बैकुंठ धाम सेवा ट्रस्ट के संरक्षक कवलजीत सिंह अजराना ने कहा कि कोरोना को पराजित करने के लिए हमें एकता का परिचय देना होगा। इस समय सामाजिक अंतराल बना कर आमजन को कोरोना वायरस हराने में सरकार का भरपूर साथ देना होगा।

वे गुरुद्वारा श्री बैकुंठ धाम सेवा ट्रस्ट द्वारा अन्य संस्थाओं के साथ मिल कर जरूरतमंद तक पहुंचाए जा रहे लंगर वितरण से पहले सेवादारों का मार्गदर्शन कर रहे थे। लंगर वितरण में सेवा करने वाले युवकों को उन्होंने प्रशासन द्वारा जारी हिदायतों की अनुपालना करने के लिए भी प्रेरित किया। अजराना ने कहा कि इस समय देश भर भयंकर महामारी का संकट छाया है, जिससे निजात पाने के लिए हर व्यक्ति को अपने-अपने ईष्ट को याद कर प्रार्थना करनी चाहिए, क्योंकि भक्ति और अरदास में जो शक्ति है, उससे ईश्वर को सरलता से प्रसन्न किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से ट्रस्ट द्वारा शहर की विभिन्न कालोनियों और जरूरतमंद लोगों में लंगर पहुंचाया जा रहा है।

चेयरमैन लखविंदर सिंह संधू ने बताया कि यह सेवा प्रकल्प कार्यकारी प्रधान परमजीत सिंह मक्कड़, शिअद शहरी प्रधान तजिंदर सिंह मक्कड़, भाजपा नेता रामपाल पाली, रमेश सम्राट, हरजीत सिंह सिद्धू, सतनाम सिंह, सुखविंदर सिंह, हरजीत सिंह खालसा, गुरदेव सिंह, बाबा गुलजार सिंह, कुलबीर सिंह ढिल्लो, आदित्य सिंह, हरि सिंह सहयोग किया जा रहा है।

हरियाणा के सभी गुरुद्वारा साहिबान लंगर का कर रहे हैं व्यापक प्रबंध

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

जानकारी देते एसजीपीसी कार्यकारिणी मैंबर जत्थेदार भूपिंदर सिंह व जत्थेदार जगसीर सिंह।

कोरोना को हराने के लिए देश भर में छेड़े गए अभियान में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पंजाब व हरियाणा सहित अन्य राज्यों में भी सरकार का पूरा सहयोग कर रही है। राज्य सरकारों का पूर्ण सहयोग करते हुए लंगर वितरण के लिए एसजीपीसी पदाधिकारियों की अलग-अलग टीमें मैदान में उतरी हैं।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के मानयोग प्रधान भाई गोबिंद सिंह लौंगोवाल द्वारा लंगर वितरण के लिए अलग-अलग जॉन बना कर पदाधिकारी नियुक्त किए हैं, जिनकी जिम्मेदारी जिला प्रशासनों का सहयोग कर अलग-अलग स्थानों पर लंगर वितरण की व्यवस्था करनी है। हरियाणा में भी गुरुद्वारा साहिबान द्वारा लंगर वितरण में पूर्ण सहयोग एवं व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए एसजीपीसी कार्यकारिणी मैंबर जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध और जत्थेदार जगसीर सिंह मांगेआना (डबवाली) और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सब-ऑफिस कुरुक्षेत्र प्रभारी परमजीत सिंह दुनियामाजरा को जिम्मेदारी सौंपी हैं। जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध और जगसीर सिंह मांगेआना से मिले दिशा-निर्देशों पर प्रभारी परमजीत सिंह दुनियामाजरा ने सभी गुरुद्वारा साहिबान के मैनेजर से संपर्क कर लंगर वितरण में जिला प्रशासन का सहयोग करने को कहा है। एसजीपीसी कार्यकारिणी मैंबर जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध ने बताया कि मानयोग प्रधान भाई गोबिंद सिंह लौंगोवाल द्वारा दिए दिशा-निर्देश पर हरियाणा में भी लंगर विरतण के व्याप्क प्रबंध किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब में संस्था के वरिष्ठ उपप्रधान रजिंदर सिंह मैहता, चीफ सैक्रेटरी डा.रूप सिंह, एडिशनल सचिव सुखदेव सिंह भूरा, महासचिव हरजिंदर सिंह धामी, एडिशनल सैक्रेटरी सुखमिंदर सिंह, उप सचिव सुखविंदर सिंह ग्रेवाल और एसजीपीसी प्रधान के पीए दर्शन सिंह अलग-अलग एरिया में यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। जत्थेदार जगसीर सिंह मांगेआना ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब पातशाही दसवी नाडा साहिब पंचकूला, गुरुद्वारा साहिब पातशाही आठवीं पंजोखरा साहिब अंबाला लोगों तक लंगर पहुंचा रहा है।

डिपो होल्डर पर डकार रहे गरीबों का निवाला, मामला दर्ज

हथीन। एक तरफ जहां कोरोना महामारी के चलते सरकार व आम लोग गरीब मजदूरों की मदद के लिए आकर राशन बांट रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भीमसीका गांव के डिपो होल्डर पर गरीबों का राशन डकारने का आरोप है। इस मामले की शिकायत पर सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी सुरेश कुमार ने गांव में जांच की। जांच में मामला सही पाए जाने पर पुलिस ने डिपो होल्डर समेत एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। विभाग की तरफ से डिपो होल्डर की सप्लाई को भी बंद कर दी है।

खाद्य विभाग के अधिकारी सुरेश कुमार को भीमसीका गांव के लोगों की तरफ से शिकायत मिली थी कि गांव का डिपो होल्डर मार्च माह के राशन का वितरण नहीं कर रहा है। आरोप है कि डिपो होल्डर ने मात्र कुछ लोगों ही राशन बांटा है। इस मामले की शिकायत गांव के सरपंच ने भी विभाग से की थी।

ईसुजू मोटर्स इंडिया ने बीएस 6 वाहनों के लॉन्च की योजना बदली

मौजूदा वाहनों के लिए सर्विस शेड्यूल को आगे बढ़ाया

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

मौजूदा कोविड-19 महामारी और इससे लोगों को हो रही असुविधा के चलते, जापानी यूटिलिटी व्हीकल निर्माता ईसुजू मोटर्स इंडिया ने मंगलवार को घोषणा की कि कंपनी ने अपने बीएस 6 मॉडलों को पेश करने की अपनी योजनाओं को बदल दिया है। इन मॉडलों को साल 2020-21 की दूसरी तिमाही के दौरान लॉन्च करने की योजना है। लॉन्च का समय नजदीक आने पर एक निश्चित तारीख की घोषणा की जाएगी। इस बीच, ईसुजू मोटर्स इंडिया ने देशभर के अपने ग्राहकों को मौजूदा सर्विस शेड्यूल और पात्रता के बारे में सूचित किया है। सभी वाहन जिसकी वारंटी 15 मार्च 2020-15 अप्रैल 2020 के बीच खत्म हो रही है, उनके लिए अब वारंटी मई 2020 के अंत तक बढ़ा दी गई है। इसी तरह, उन सभी वाहनों के लिए जिनकी निश्चित अंतराल के बाद रखरखाव सेवा की सुविधा 15 मार्च 2020-15 अप्रैल 2020 के बीच की जानी थी, उनके लिए यह सुविधा मई 2020 के अंत तक उपलब्ध रहेगी।

उपरोक्त कदम वर्तमान में बनी हुई स्थिति के अनुरूप हैं और उभरते परिदृश्य के चलते यदि आगे और भी बदलाव करने की जरूरत पड़े तो इस तरह के बदलाव के बारे में अलग से घोषणा की जाएगी। हम सभी लोगों और हमारे ग्राहकों को उनके घरों में सुरक्षित रहने के लिए शुभकामनाएं देते हैं और सभी से आग्रह करते हैं कि वे महामारी को दूर भगाने के लिए सभी सुरक्षात्मक कदम उठाएं।

- बीएस 6 वाहनों को 2020-21 की दूसरी तिमाही के दौरान लॉन्च किया जाएगा
- सभी मौजूदा वाहनों के लिए जिसकी वॉरंटी या सर्विस की वैधता मार्च और अप्रैल 2020 के बीच है उसे मई 2020 के अंत तक विस्तारित किया जाएगा।

नगर पालिका ने तीन किरयाना दुकानों को किया सील

इंद्री। पूरे देश में कोरेाना वायरस को लेकर लाकडाउन घोषित किया गया है। कुछ जरूरी वस्तुओं को छोउकर बाकि सारी दुकानें बंद है। खुली हुई दुकानों के मालिक सरकारी नियमों की उल्लघंना न करें इसके लिये प्रशासन स त है। इसी के चलते इन्द्री में आज तीन किरयाणा दुकानों को नियमों के विरूद्ध काम करने के आरोप में सील किया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए नगरपालिका सचिव रविन्द्र कुमार ने बताया कि लाकडाउन के चलते इन्द्री में कुल 39 दुकानों को किरयाणा डिलीवरी करने के लिये अलाट किया गया है।

नारनौल में देश का पहला ऑनलाइन पशु उपचार केंद्र चालू

पशु टेलीमेडिसिन सुविधा से पशु पालकों को मिलेगी पशु उपचार की सुविधा

अब पशु चिकित्सा के मामले में मानचित्र में उभरेगा नारनौल

पायनियर समाचार सेवा। नारनौल

देश की पहली ई-पशु चिकित्सा का ऑन लाइन बटन दबाकर शुभारंभ करते मंत्री ओमप्रकाश यादव।

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव ने मंगलवार को अपने कार्यालय से उप निदेशक कार्यालय पशुपालन विभाग नारनौल में स्थापित देश की पहली पशु टेलीमेडिसिन सुविधा (ई-पशु चिकित्सा) का ऑन लाइन बटन दबाकर शुभारंभ किया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लैब का उद्घाटन करते हुए मंत्री यादव ने उल्लेख किया कि इस तरह की यह देश की व प्रदेश की नारनौल जैसे क्षेत्र में पहली लैब होगी। जिसमें पशु पालक अपने पशुओं की बीमारियों से संबंधित जानकारियां व अन्य बातें नारनौल उप स्वास्थ्य केन्द्र में आकर या मोबाइल से लिंक पर जाकर लाला लाजपतराय यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ चिकित्सकों व अन्य चिकित्सकों से जानकारी ले सकते हैं। किसी भी तरह की पशुओं में बीमारी हो उसकी रोकथाम, दवाई व अन्य जानकारी इस सुविधा से ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह की ई-पशु चिकित्सा का केन्द्र नारनौल में खुल जाने से नारनौल देश के मानचित्र पर पशुओं के चिकित्सा सुविधा व अन्य जानकारियां उपलब्ध कराने के मामले में उन्नत देश का पहला शहर होगा। उन्होंने कहा कि 3 लाख से अधिक सीएससी ने सरकार की डिजिटल इंडिया पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर का ई-पशु चिकित्सा केन्द्र के लिए नारनौल शहर को चुनने के लिए आभार व्यक्त किया।

मौके पर हरियाणा सरकार के पशु पालन विभाग के प्रधान सचिव वी राजा शेखर वुंदरू, निदेशक डॉ. ओपी छिक्कारा ने सीएससी वीएलई के प्रयासों की सराहना की और हरियाणा में इस सेवा को शुरू करने के लिए विभाग को बधाई दी। मौके पर विभाग के डाक्टर नसीब सिंह, देवेंद्र सिंह, मंत्री कैम्प ऑफिस नारनौल से प्रदीप यादव, रमेश कटारिया, मेजर ईश्वर सिंह, निजी सचिव गजेन्द्र यादव भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रवासी मजदूरों को सतनाली और सीहमा में पहुंचाया भोजन

नारनौल। गांव सतनाली व सीहमा में मजदूरों तक युवाओं ने खाने के पैकेट नारनौल से पहुंचाए। सतनाली में लखदातार ग्रुप द्वारा गरीब और प्रवासी मजदूरों के लिये नि:शुल्क भोजन वितरित किया जा रहा है। ब्रजभान कौशिक, होशियार सिंह उर्फ ढिल्लू सरपंच प्रतिनिधि, राजेश कुमार, अमित कुमार, दिलीप प्रजापत, सतीश प्रजापत, महेंद्र शेखावत, दिलीप शेखावत और पंकज शेखावत अपने साथियों सहित इस पुनीत कार्य में लगे हुये है। लाकडाउन के बाद से ही उनकी सेवा जारी है। फसल कटाई के लिए दूसरे प्रदेश से मजदूरी करने के लिए गांव सीहमा पहुंचे मजदूर खाने के अभाव के चलते अपने प्रदेश न लौटें इसलिए गांव के युवा योगेश, विकास, सतपाल, नीरज, नरेंद्र, सूर्य प्रकाश, मंदीप ने रेडक्रॉस नारनौल से प्रवासी मजदूरों को खाना अपने वाहन द्वारा उन तक सीहमा पहुंचाया। गांव के सरपंच हरनाम सिंह, पंच हेमंत भारद्वाज, पंच प्रमोद, पूर्व पंच अशोक शर्मा, देवेंद्र यादव ने युवाओं के सेवा कार्य की सराहना की और ग्रामीण किसानों से अपील की कि प्रवासी मजदूरों को फसल कटाई के कार्य में लगाने में प्राथमिकता दें।

जिला प्रशासन ने एक और हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किया

नारनौल। कोरोनावायरस के चलते हुए लॉकडाउन के दौरान जिले में लोगों की सहायता के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक और हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किया गया है। यह हेल्पलाइन नंबर पहले चुनाव के दौरान कार्यरत होता था। टूरिज्म विभाग के एमडी विकास यादव और उपायुक्त जगदीश शर्मा ने लघु सचिवालय के पुराने भवन में बने इस हेल्पलाइन सेंटर का दौरा किया तथा यहां पर नियुक्त ऑपरेटर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। स्वस्थ्य से संबंधित जानकारी के लिए स्वास्थ्य विभाग का कंट्रोल नंबर 01282-250391 है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से टोल फ्री नंबर 1075 तथा 108 व हेल्प लाइन नंबर नंबर 011-23978046 पर संपर्क कर सकते हैं। इसी प्रकार 9306754767 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

फसल कटाई के सीजन में खुली रहेंगी स्पेयर पार्ट की दुकानें

नारनौल। कोरोनावायरस के चलते हुए लोक डाउन के दौरान कृषि से संबंधित उपकरण, ट्रकों के स्पेयर पार्ट की दुकानें और कार्यशालाएं खुली रहेंगी ताकि कटाई के सीजन में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उपायुक्त जगदीश शर्मा ने बताया कि कटाई के सीजन को देखते हुए यह फैसला लिया गया है कि ट्रक कंबाइन ट्रैक्टर और कृषि से संबंधित अन्य उपकरण की दुकानें खुली रहेंगी। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि इन सभी दुकानों के मालिकों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन का पालन करेंगे। उसी प्रकार साफ सफाई रखेंगे। सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ख्याल रखेंगे। अगर किसी दुकान पर सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल नहीं रखा गया तो उस दुकान मालिक के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी बनीं मुख्य प्रशासक

कुरुक्षेत्र। राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी को दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक संगठन का रूप धारण कर चुके ब्रह्माकुमारी संस्थान की मुख्य प्रशासक की जिम्मेदारी दी गई है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय केंद्र कुरुक्षेत्र की प्रभारी बीके सरोज बहन ने बताया कि 94 वर्षीय अतिरिक्त मुख्य प्रशासक राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी अब मुख्य प्रशासक होंगी। इस बाबत निर्णय ब्रह्माकुमारीज संस्थान की प्रबंधक कमेटी ने लिया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी अतिरिक्त मुख्य प्रशासक होंगी। बीके सरोज बहन ने कहा कि दादी हृदयमोहिनी के मुख्य प्रशासक बनने से संस्थान विश्व भर में और भी प्रचार-प्रसार कर सकेगा और उनके कुशल नेतृत्व में संस्थान के पदाधिकारी एवं सेवादार उत्साहपूर्वक कार्य करेंगे।

श्रद्धासुमन अर्पित कर ओपी जिंदल को याद किया

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के पूर्व बिजली मंत्री ओपी जिंदल की पुण्यातिथि पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। अपने-अपने घरों में ओपी जिंदल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कांग्रेसियों ने उन्हें याद किया। जिला परिषद की पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता नेहरा ने कहा कि ओपी जिंदल ने हमेशा आमजन के हितों का खास ध्यान रखते थे। महिलाओं को उच्च शिक्षा दिलाने पर जोर देकर वे नारी जाति के उत्थान का प्रयास भी करते रहे। उन्होंने न सिर्फ स्वयं प्रसिद्ध उद्योगपति के रूप में अपनी पहचान बनाई, बल्कि सत्ता में आने के बाद उन्होंने क्षेत्र के युवाओं को स्वावलंबी बनने के लिए भी प्रेरित किया। गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा के प्रति भी वे समर्पित रहे। इस दौरान कृष्ण कुमार, आभी नेहरा और शीतल देवी मौजूद रहीं।

कोरोना फैलाने वाली कंपनी सील

विदेश से ऑडिट करने आए व्यक्ति से 22 लोग संक्रमित हो चुके है

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यूपी के सीएम योगी की फटकार के बाद आखिकार नोएडा प्रशासन हरकत में आ गया है। इस बाबत गौतम बुद्ध नगर प्रशासन ने सेक्टर 135 स्थित सीजफायर कंपनी को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए सील कर दिया है। जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि सीजफायर में 17 मार्च को ब्रिटेन से जॉन नामक व्यक्ति ऑडिट का काम करने आए थे। वह कोरोना वायरस से संक्रमित थे लेकिन उन्होंने यह बात छिपा ली, जिसकी वजह से कंपनी के कई लोग और उनके परिवार वाले संक्रमित पाए गए हैं।

बता दें कि सीजफायर कंपनी नोएडा के सेक्टर 135 में आग बुझाने के उपकरण बनाती है। चौहान के अनुसार, जॉन के संपर्क में आने के बाद अब तक कंपनी के 22 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के संक्रमण को फैलने से रोकने और बचाव के उद्देश्य से उप-जिलाधिकारी, सदर प्रसून द्विवेदी ने मंगलवार तड़के इस कंपनी को सील कर दिया है। सूचना अधिकारी ने बताया कि अगले आदेश तक यह कंपनी सील रहेगी। सोमवार को उत्तर

सीज फायर कंपनी को सील करेंते एसडीएम सदर। फोटो दीपक यादव

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा आए थे। उन्होंने सीजफायर कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई ना होने पर अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की थी।

बता दें कि जिला गौतम बुद्ध नगर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 38 है। इनमें से 22 लोग वे हैं जो जॉन के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। आशंका है कि जॉन के संपर्क में आने से और लोग संक्रमित हुए हैं। कंपनी के अन्य लोगों के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा आए थे। उन्होंने सीजफायर कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई ना होने पर अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की थी। उल्लेखनीय है कि जनपद गौतम बुद्ध नगर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 38 है। इनमें से 22 लोग

संजीवनी अस्पताल में आवाजाही पर रोक

ग्रेटर नोएडा का संजीवनी अस्पताल 3 दिनों के लिए सील कर दिया गया है। ये अस्पताल गामा-2 सेक्टर में स्थित है। अस्पताल में एक मरीज कोरोना पॉजिटिव पाया गया है, जिसकी वजह से ये कार्रवाई हुई है। अब 3 दिनों तक ना तो कोई अस्पताल में जा सकता है, ना ही बाहर आ सकता है। इन तीन दिनों के दौरान अस्पताल में सैनिटाइनजेशन का काम किया जाएगा और 3 दिन बाद फिर से अस्पताल खुलेगा। इस मरीज के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हो गई थी, जिसके बाद उसे राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कर दिया गया था। बता दें कि कहीं पर भी कोरोना का मरीज मिलने पर एहतियात के तौर पर तीन के लिए उस जगह को सील कर दिया जाता है और फिर वहां का सैनिटाइजेशन किया जाता है।

वह हैं जो जॉन के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। आशंका है कि जॉन के संपर्क में आने से और लोग संक्रमित हुए हैं। कंपनी के अन्य लोगों के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं।

निजामुद्दीन मरकज से लौटे मसूरी गांव के दस जमाती मिले

गाजियाबाद। स्वास्थ्य विभाग ने आज तबलीगी जमात के हजरत निजामुद्दीन मरकज से मसूरी लौटे 10 लोगों को तलाश लिया और सभी को जिला अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया ।

गांव वालों ने बताया कि मसूरी गांव के 15 लोग 21 मार्च को जमात में दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन मरकज में गए थे, 22 मार्च को जनता कर्फ्यू लग गया उसके बाद 25 मार्च को लॉक डाउन हो गया जिसके बाद 26 मार्च को 10 लोग किसी तरह से हजरत निजामुद्दीन मरकज से अपने गांव मसूरी लौट आए और अपने परिवारों के साथ रह रहे थे, जबकि पांच लोग वहीं पर रह गए ।

निजामुद्दीन का प्रकरण सामने आने पर स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया और सुबह 10 बजे स्वास्थ्य विभाग की टीम व पुलिस मसूरी गांव में पहुंची और जहां यह रह रहे थे वहां इन सभी के सैंपल लिए प्राथमिक जांच में भी लोग स्वस्थ पाए गए इसके बाद इनके घरों के सामने होम करंट टाइम के बोर्ड लगा दिए गए। स्थानीय निवासियों ने बताया कि टीम फिर इनके घरों पर पहुंची और वहां से सभी 10 लोगों को लेकर एमएमजी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती करा दिया गया मुख्य चिकित्सा अधिकारी एनके गुप्ता ने बताया कि अभी इन्हे यहीं रहना पड़ेगा।

संतोष अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री योगी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद पहुंचे और यहां कोविद-19 के मद्देनजर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लिया और मात्र चार मिनट रुकने के बाद लखनऊ के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री के जाने के बाद प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों ने राहत की सांस ली है।

मुख्यमंत्री योगी पुराना बस अड्डा स्थित संतोष अस्पताल में पहुंचे । इस अस्पताल में कोरोना संक्रमित लोगों के लिए बनाये गए 100 वार्ड के आइसुलेशन वार्ड बनाया गई गया है। योगी आदित्यनाथ सुबह 10 बजकर 31मिनट पर अस्पताल में पहुंचे और मात्र चार मिनट निरीक्षण करने के बाद 10बजकर 35 मिनट पर यहां से रवाना हो गए।

इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय तथा एसएसपी कलानिधि नैथानी को दिशा निर्देश दिए ।

हालांकि योगी के आगमन के मद्देनजर नजर कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए थे। योगी को संतोष अस्पताल के अलावा नेहरू नगर में स्थापित सामुदायिक किचन व कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण करना था, लेकिन उन्होंने बाकि सब कार्यक्रम रद्द कर सीधे लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री योगी के आगमन के मद्देनजर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ था और अधिकारियों की सांस अटकी हुई थी चूंकि मुख्यमंत्री ने नोएडा का दौरा किया था वहां के डीएम बीएन सिंह को तत्काल हटा दिया था।

डॉक्टरों से जानकारी लेते सीएम।

नर्सों का हाई वोल्टेज ड्रामा

संतोष मेडिकल कॉलेज में कार्यरत अस्थाई लगभग 70 नर्स स्टाफ को पता चला कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां आ रहे है तो उन्होंने यह कहकर हंगामा शुरू कर दिया कि उन्हें अस्पताल प्रबन्धन ने नौकरी से निकाल दिया है जबकि वे लोग 17 से 18 घंटे काम कर रहे थे। उनको वेतन भी अभी तक नहीं मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलने की मांग रखी और बाहर सड़क पर आकर हंगामा करने लगी, बाद में अस्पताल प्रबंध को और स्थानीय प्रशासन ने यह कहकर उन्हें शांत किया कि उनकी मांगों पर मुख्यमंत्री के जाने के बाद विचार किया जाएगा और उनके साथ कोई अन्याय नहीं होगा।

नरेंद्र भूषण को मिली कोरोना से निपटने की जिम्मेदारी

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार ने गौतमबुधनगर में कोरोना के बढ़ते मामलो को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण को जिले का प्रभारी बनाया है।

गौतमबुधनगर में कोरोना वायरस से निपटने की पूरी जिम्मेदारी नरेंद्र भूषण को दी गई है। नरेंद्र भूषण को कोरोना वायरस से निपटने के लिए चिकित्सीय सुविधाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं समेत सभी व्यवस्थाओं को देखने का निर्देश दिया गया है। बता दें कि मुख्यमंत्रीखुद गौतमबुद्ध नगर पहुंचे थे।

नए जिलाधिकारी ने संभाला कार्यभार

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर के नवनियुक्त जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने मंगलवार सुबह 5 बजे लखनऊ से यहां पहुंचकर अपना कार्यभार संभाल लिया।

जिला सूचना अधिकारी राकेश चौहान ने बताया कि कार्यभार संभालने के बाद सुबह 8 बजे उन्होंने जिले के सभी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चेताया कि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है। यहां पर बहुराष्ट्रीय कंपनियां होने की वजह से काफी लोग विदेश से आते हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वे कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर डट कर काम करें। उन्होंने बताया कि मीटिंग के बाद जिलाधिकारी जिला अस्पताल, ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल सहित उन विभिन्न जगहों पर पहुंचे जहां पर कोरोना से संक्रमित लोगों को भर्ती किया गया है। तथा कोरोना के संदिग्ध मरीजों को रखने के लिए आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं।

सीजफायर के डायरेक्टर में भी कोरोना से संक्रमित

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-135 स्थित उस कंपनी के डायरेक्टर को भी कोरोना की पुष्टि हुई है जिस पर जनपद में कोरोना वायरस तेजी से फैलाने का आरोप है।

इसके साथ ही जनपद में कोरोना वायरस मरीजों की संख्या 38 पहुंच गई है। जानकारी के अनुसार नोएडा के सेक्टर 135 स्थित सीज फायर कंपनी के डायरेक्टर की जांच रिपोर्ट में कोरोना की पुष्टि हुई है। पीड़ित नोएडा के सेक्टर-44 में रहता है और करीब 3 दिन पहले उसने एक प्राइवेट लैब से अपनी जांच करवाई थी। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने उसे आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कर लिया था।

पीड़ित की रिपोर्ट सोमवार को आई है। इसके साथ ही कंपनी के अन्य कर्मचारियों व अधिकारियों की भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच कराई गई है।

गाजियाबाद का एक और युवक पॉजिटिव पाया गया

गाजियाबाद। जनपद में कोरोना वायरस का एक और पॉजिटिव मामला सामने आया है। दुहाई के रहने वाले एक युवक का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव निकला है। वह नोएडा की सीज फायर कंपनी में ही काम करता था।

फिलहाल उसे आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है। नोएडा की सीज फायर कम्पनी के कई लोग कोरोना के शिकार हुए हैं। कल ही इसी कम्पनी के एक कर्मी और उसके परिवार के पांच केस बरेली और एक बुलंदशहर में भी पॉजिटिव आए हैं। मुख्यमंत्री भी नोएडा के डीएम से इसीलिए नाराज थे कि उन्होंने समय रहते इस कंपनी पर शिकंजा क्यों नहीं कसा।

सुबह इस कंपनी को सीज कर दिया गया। गाजियाबाद में अब तक कोरोना के आठ पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। इनमें से सबसे पहले पॉजिटिव पाए जाने वाले पिता-पुत्र स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। नए मामले समेत कुल छह लोगों का अस्पतालों के आइसोलेशन वार्ड में इलाज चल रहा है। कोई गंभीर नहीं है।

कोरोना हॉटस्पॉट

सैनिटाइज किया जा रहा पूरा निजामुद्दीन इलाका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निजामुद्दीन इलाके में तबलीगी जमात का मुख्यालय के आसपास दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने सैनिटाइज किया। इस काम के लिए एसडीएमसी ने 34 सैनिटेशन वर्कर और 20 ब्रीडिंग चेकर्स लगातार इलाके में लगाए हैं।

अब तक करीब 30 हजार लीटर डिसइंफेक्टेंट स्प्रे किया जा चुका है। स्प्रे करने के लिए मिनी टैंकरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो कंधों पर ले जाए जाते हैं, क्योंकि इस इलाके में गाड़ी जाने की जगह नहीं है। कुछ घर तो इतनी संकरी जगह में हैं कि कंधों पर लादी स्प्रे मशीन के साथ भी चलने में दिक्कत हो रही है। हर चुनौती से जूझते हुए सैनिटाइजेशन का काम किया जा रहा है। इसके साथ ही मंगलवार को नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बक्करवाला क्षेत्र का दौरा किया है ताकि उचित तरीके से सफाई, स्वच्छता और सैनिटाइजेशन किया जा सके क्योंकि निजामुद्दीन के संदिग्ध मामलों को वहां अलग जगर रखा जा सके। पालिका परिषद ने दिल्ली सरकार को कोरोना वायरस के संक्रमण के संदिग्ध मामलों को अलग रखने के लिए बक्करवाला में 240 ईडब्ल्यूएस फ्लैट प्रदान किए हैं। निजामुद्दीन इलाके में स्थित तबलीगी जमात के सेंटर (मरकज) से बाकी बचे हुए लोगों को निकाला गया है। इन्हें सात बसों में बैठा कर बाहर निकाला गया है।

होम क्वारंटीन में बदलेंगे बीस हजार घर

उपराज्यपाल ने दिया आदेश- बढ़ेंगी राशन की दुकानें- 500 से होंगी 2500

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार ने कोरोना वायरस बढ़ते मामलों को देखते हुए करीब 20,000 घरों को होम क्वारंटीन के रूप में पहचान किया है। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए राशन की दुकानों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

एलजी बैजल ने कोविड-19 से निपटने के उपायों पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मुख्य सचिव विजय कुमार देव और पुलिस आयुक्त के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक कही। उपराफज्यपाल अनिल बैजल ने ट्वीट कर बताया कि यह तय किया गया है कि राशन की दुकानों की संख्या वर्तमान 500 से बढ़ाकर 2500 की जाएगी ताकि सामाजिक दूरी का प्रभावी रूप से पालन किया जा सके।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक करते उपराज्यपाल अनिल बैजल

जीएनसीटीडी ने 20,000 से ज्यादा घरों की पहचान कर उनको अलग रखने के लिए पहचान किया है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि राशन की दुकानों की संख्या बढ़ाने का फैसला मीडिया में आई खबरों के बाद लिया गया कि कुछ इलाकों में सामाजिक दूरी संबंधी नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। एलजी ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस को सलाह दी है कि वे दुकानों पर कम से कम एक मीटर की दूरी और घर पर अलग रहने संबंधी नियम पर पैनी नजर रखें। किसी भी उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई करें और इसका प्रचार करें। इसके अलावा चिकित्सा सुविधा बढ़ाने के कदम में तेजी लाएं। कोरोना के मरीजों को, जिन्हें अस्पतालों, आइसोलेशन केंद्रों से डिस्चार्ज किया गया है। उन सभी की ट्रैकिंग के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर बनाई जाए। संक्रमण फैलने से रोकने के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में बेड एवं आईसीयू बेड बढ़ाने, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण इत्यादि के इंतजाम करने के निर्देश दिए ताकि बढ़ते मामलों की तैयारी समय से पहले किया जा सके।

सेवा देने आगे आए रिटायर्ड डॉक्टर-नर्स

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने व स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के मकसद से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवरों को स्वेच्छा से नि:शुल्क निगम अस्पतालों और डिस्पेंसरियों में काम करने की मंजूरी दे दी है।

इनमें सेवानिवृत डॉक्टर, विशेषज्ञ, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हैं। इन लोगों को तीन महीने के लिए अपनी सेवाएं देने की स्वीकृति दी गई है। आवश्यकत के अनुसार इसे बढ़ाया या घटाया भी जा सकता है। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के अनुसार इस निर्णय से निगम को अनुभवी डॉक्टर और विशेषज्ञों का सहयोग मिलेगा जिससे पीड़ितों का बेहतर इलाज हो सकेगा और कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने में मददकार साबित होगा।

इन पेशेवरों को काम करने की स्वीकृति देने से एसडीएमसी पर कोई वित्तीय बोझ भी नहीं पड़ेगा।

किराया मांगने पर मकान मालिक पर केस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार के आदेश जारी होने के बाद भी गांधीनगर में मकान मालिक के किराया मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मालिक किराया नहीं देने पर कमरा खाली करने का दबाव बना रहा था।

पीड़ित तरुण गोठवाल की शिकायत पर पुलिस ने सरकारी आदेश के उल्लंघन का केस दर्ज कर लिया है। तरुण गोठवाल अजीत नगर, गांधी नगर में किराये पर रहते हैं। वह एक फैक्ट्री में काम करते हैं। उधर, मकान मालिक योगेश जैन व उसकी मां लगातार तरुण से किराये की मांग कर रहे थे।

पीड़ित का आरोप है कि किराया नहीं देने पर सुबह कमरा खाली करने के लिए उन्हें बोला गया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जांच में पता चला है कि योगेश जैन ने किरायेदार का सत्यापन भी नहीं कराया था।

संक्षिप्त समाचार

ग्रेनो के पतवाड़ी गांव में की गई नाकेबंदी

ग्रेटर नोएडा। पतवाडी गांव में कोरोना वायरस के संदिग्ध मरीज मिलने के बाद में पतवाड़ी गांव के सभी ग्राम वासियों ने गांव के प्रत्येक रास्ते पर नाकाबंदी कर दी है। समाज सेवी जय यादव ने बताया की जब तक इन मरीजों की कोई रिपोर्ट नहीं आ जाती है और जब तक वायरस का प्रकोप चलता रहेगा तब तक गांव में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित रहेगा। सभी ने हाथ जोड़कर लोगों से गांव में न आने की प्रार्थना की तथा सरकार के निर्देशों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। निराला ग्रीनशायर सोसाइटी गांव के नजदीक होने के कारण तथा उसमें गांव के लोग जो नौकरियां करते थे उसके कारण संक्रमण आने की आशंका थी जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता दिखाई और कुछ लोगों के सैंपल लिए जिनकी रिपोर्ट अभी आनी बाकी है लेकिन गांव के लोगों में दहशत व्याप्त है इस कारण गांव के लोगों ने गांव के आने वाले सभी रास्तों को रोक दिया है। बाहर आए लोगों को भोजन व्यवस्था करने के लिए कर्मवीर, संजय, राजू, बब्बल, गौरव, बलवीर, गोरी यादव, मुकेश, रोहित यादव, नरेश यादव आदि लगे हुए है।

मेयर ने शेल्टर होम में बांटे खाने के पैकेट व मास्क

गाजियाबाद। नगर निगम के शेल्टर होम में रूके गरीब लोगों को मेयर आशा शर्मा और उनके पति केके शर्मा ने खाने के पैकेट बांटे। मेयर ने इससे पहले हेल्थ विभाग की टीम से सभी गरीब लोगों के हेल्थ ही जांच कराई। जांच में सभी स्वस्थ्य पाए गए। इससे पहले ही सभी गरीब लोगों के हाथ सैनिटाइज कराए गए। नगर निगम के शेल्टर हो में काफी बड़ी संख्यां में गरीब लोग रूके हुए है। इन लोगों को प्रशासन ने सोमवार को ही इन शेल्टर होम में ठहराया था। नगर आयुक्त दिनेश चंद्र सिंह ने भी शेल्टर होम में गरीब लोगों का जायजा लिया। मेयर आशा शर्मा ने हेल्थ विभाग के अफसरों से शेल्टर होम में रहने वाले गरीब लोगों को सैनिटाइज कराने का कार्य किया है। सभी स्वस्थ्य पाए गए इसके बाद मेयर और उनके पति केके शर्मा ने इन गरीब लोगों को खाने के पैकेट का वितरण किया।

मास्क बांटती मेयर आशा शर्मा।

विद्युत संविदा मजदूर संगठन ने दिया एक दिन का वेतन

गाजियाबाद। विद्युत संविदा मजदूर संगठन ने कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों के लिए एक दिन का वेतन प्रधानमंत्री राहत कोष में देने का ऐलान किया है। मजदूर संगठन उत्तर प्रदेश के संस्थापक, वरिष्ठ मजदूर नेता आरएस रॉय के 75वें जन्मदिन के अवसर पर पदाधिकारियों ने सर्व सहमति से ये निर्णय लिया। आरएस रॉय ने इस अवसर पर ऊर्जा निगमों के सभी कर्मिकों एवं संविदा मजदूर संगठन के संविदा कर्मियों को इस संकट की घड़ी में कोरोना संक्रमण की परवाह न करते हुए विद्युत सप्लाई बनाए रखने को लेकर फोन पर बधाई दी। जिले में कार्यरत संगठन के संविदा कर्मियों ने मेरठ डिस्कॉम के एमडी अरविंद मल्लपा बंगारी को पत्र लिखकर एक दिन का वेतन दिए जाने की मांग की है। संगठन के जिलाध्यक्ष शमशाद अली,आशीष ने कहा कि संकट की इस घड़ी में सभी को सहयोग करने के लिए आगे आना चाहिए।

एनडीआरएफ ने प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजी राशि

गाजियाबाद। कमला नेहरूनगर स्थित आठवीं बटालियन एनडीआरएफ ने अपने जवानो की सैलरी का एक दिन का वेतन लगभग 15 लाख एकत्र कर प्रधानमंत्री राहत कोष में एक डराफट कोरोना से निपटने के लिए दान स्वरूप भेजा है। एनडीआरएफ के कमानडेन्ट पीके श्रीवास्तव ने बताया कि आपदाओ के दौरान उनके जवान हमेशा तत्पर रहते है लेकिन यह देश व्यापी आपदा है इससे निपटने के लिए सरकार को आर्थिक सहयोग की सभी वर्गो से अपेक्षा है। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने यह राशि प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजी है।

कमानडेंट पीके श्रीवास्तव

अनूठी रसोई : हर रोज तैयार होते है आठ हजार खाने के पैकेट

गरीब लोगों और सुरक्षा बलों को परोसा जा रहा है हाईजीनिक भोजन

मशीन से तैयार निकलती हुई गरमा गरम रोटियां।

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

कोरोना महामारी के दौरान गरीब लोगों और सुरक्षा बलों को हाईजैनिक भोजन मुहैया कराने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता रोटेरियन अनुज गर्ग ने एक अनूठी हाईजैनिक रसोई कविनगर के जे ब्लॉक में बनाई है, जहां हाई जैनिक तरीके से रोटी बेलने और आटा गूथने की मशीने लगाई गई है, जो चंद ही घंटों में हजारों लोगों का भोजन तैयार कर देती है।

खास बात यह है कि इस रसोई को दिखाने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रशासन लाना चाहता था और मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम में भी यह कार्यक्रम शामिल था। मुख्यमंत्री को अचानक वापस लखनऊ जाना पड़ा। इसलिए इस अनूठी रसोई को प्रशासन दिखा नहीं पाया।

गर्ग ने बताया कि वह पिछले दो सालों से गरीब लोगों को समय-समय पर निशुल्क भोजन उपलब्ध कराने की मुहिम चला रहे है। इस माहमारी के दौरान साफ सफाई और सौशल डिस्टेन्स जरूरी है, इसलिए गरम गरम रोटियां सेंकने और आटा गूथने की आधुनिक मशीने लगाई गयी है ,जिसके चलते किसी भी तरीके की गं दगी या संक्रमण की संभावना शून्य हो जाती है। जिला प्रशासन के शीर्ष अधिकारी एवं सिविल डिफेंस के पदाधिकारी भी इस हाई जैनिक रसोई की कार्यप्रणाला को देखकर गदगद है। उन्होंने बताया कि यहां इस रसोई के माध्यम से प्रतिदिन औसतन आठ हजार लोगों को भोजन मुहैया कराया जा रहा है।

आरपीएफ के जवानों ने बांटे मास्क व दस्ताने

गाजियाबाद। रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने स्टेशन और अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों को नाश्ता पानी और भोजन के पैकेट उपलब्ध कराये। यही नहीं भोजन सामग्री उपलब्ध कराते हुए संक्रमण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जवानों ने मास्क और गल्वस भी पहने हुए थे। लगभग पांच सौ लोगों को भोजन के पैकेट वितरित किए गए।

डासना जेल से जमानत पर दूसरे दिन छोड़े गए 81 कैदी

गाजियाबाद। डासना जेल से कोरोना वायरस के खतरे के चलते लगातार कैदियों को रिहा किया जा रहा है।

अब तक 170 कैदियों को छोड़ा जा चुका है। जिससे जेल की संख्या में कमी आई है। दूसरे दिन फिर 81 कैदियों की रिहाई की गई, जिसमें 77 पुरुष और 4 महिला कैदी हैं। ये सभी 7 साल से कम सजा वाले मामलों में विचाराधीन थे। बता दें कि पहले दिन डासना जेल से 89 कैदियों को रिहा किया गया था। जो जेल से रिहा होने के बाद काफी खुश नजर आए थे। इन सभी को 8 सप्ताह के लिए जमानत पर छोड़ा गया है। इसके बाद इन्हें कोर्ट में जाकर अपने दस्तावेज दिखाने होंगे। बताया जा रहा है कि कुछ कैदियों के केस का निस्तारण भी संभव होगा। डासना जेल में कैपेसिटी से 3 गुना ज्यादा कैदी बंद है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

कोरोना के बीच गोरक्षा दल बना मनुष्य रक्षा दल

चौक-चौराहों पर तैनात पुलिस व अन्य कर्मियों की कर रहे सेवा

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

सिगनेचर टावर चौक पर ड्यूटी पर तैनात जवानों को चाय देते गोरक्षा दल के सदस्य

वैसे तो वो गोरक्षा दल के सदस्य हैं। गऊओं की रक्षा को वे दिन-रात दौड़ते हैं। कहीं पर भी गऊओं पर अत्याचार न तो देख सकते हैं और न ही सहन कर सकते है, लेकिन आजकल यह गोरक्षा दल कोरोना के खौफ के बीच मनुष्यों की रक्षा का दल नजर आ रहा है। उनकी इस सेवा भावना का हर कोई कायल है।

गोरक्षा दल के सदस्य सुबह से शाम तक शहर में सेवा कार्य में जुटे रहते हैं। दल के सदस्यों की टीम लगातार गाड़ी लेकर इधर से उधर दौड़ती रहती है। गाड़ी में सवार एक व्यक्ति के साथ तीन-चार युवक उतरते हैं। किसी के हाथ में डिस्पोजल कप तो किसी के हाथ में चाय की बड़ी केटल और किसी के साथ में बिस्किट। चौक-चौराहों पर तैनात पुलिसकर्मी व अन्य स्टाफ को वे एक चाय और एक बिस्किट का पैकेट देते हैं। जितना भी स्टाफ होता है, वे सभी को इसी तरह से चाय-बिस्किट देते हैं। अगर कोई दो चाय, दो बिस्किट के पैकेट लेना चाहे तो ले सकता है। फिर वे आगे बढ़ जाते हैं। इस तरह से उनकी सुबह से शाम इसी सेवा के काम में गुजरती है। इसके साथ ही वे शहर में खाना भी आवंटित कर रहे हैं।

नई पीढ़ी में संस्कारों का भी कर रहे समावेश

गुरुग्राम निवासी गोरक्षा दल झज्जर के जिलाध्यक्ष जयवीर आर्य की ओर जो किशोर, युवा साथ में लिए गए हैं, वह भी एक संदेश है। संदेश यह कि वे आने वाली पीढ़ी में संस्कारों का समावेश कर रहे हैं। उनमें सेवा भावना के बीज बो रहे हैं। जो संस्कार वर्षों तक स्कूल, कॉलेज में हम नहीं सीख पाते, उस तरह के संस्कार यहां रोड चलते मिल रहे हैं और सीखे जा रहे हैं। कोरोना वायरस का यह दौर हमें हमारी संस्कृति से भी जोड़ता है। क्योंकि हमारी संस्कृति एक-दूसरे के दुख-तकलीफों में शरीक होने की है। यह दुख पूरे देश और यूं कहें कि दुनिया पर है। ऐसे में समाज सेवा के ये वाहक अपनी संस्कृति का परिचय सड़कों पर इस तरह से घूमते हुए करवा रहे हैं।

सुस्ती दूर कर देती है इनकी चाय

पुलिस नाकों पर, हाईवे पर, शहर के बीच की सड़कों पर आपको कोई चाय की दुकान भी नहीं मिलेगी। इसलिए गौरक्षा दल ने यह अलग तरह की चाय सेवा शुरू की है। सभी को घूम-घूमकर चाय पिला रहे हैं। बहुत थके-हारे पुलिसकर्मियों को जब इनकी चाय मिल जाती है तो उनमें ताजगी आ जाती है। सुस्ती दूर हो जाती है। दल के सदस्य अधिक देर तक कहीं पर नहीं रुकते। क्योंकि वे समय पर सबके पास चाय पहुंचाने के प्रयास में रहते हैं। चाय देते ही वे वहां से रवानगी भर लेते हैं। कोरोना वायरस को लेकर लॉकडाउन के बाद से उनकी यह दिनचर्या बन गई है। जयवीर आर्य का कहना है कि हरियाणा भर में उनके दल की ओर से यह सेवा चल रही है। चाय के साथ खाना भी वितरित कर रहे हैं।

मंत्री ओमप्रकाश यादव ने शहर की गोशालाओं का निरीक्षण किया

नारनौल। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओम प्रकाश यादव ने सोमवार देर सायं शहर की गोशालाओं का निरीक्षण किया और गोशालाओं में चारे का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के चलते कुछ लोग इस तरह का प्रचार कर रहे थे कि गोशालाओं में चारे का कमी है। उन्होंने गोशालाओं में चारे की किसी भी तरह की कमी को नकारते हुए कहा कि सरकार गोशालाओं में चारे की कमी नहीं रहने देगी। उन्होंने नारनौल शहर की श्रीअनाथ गोशाला, गोमाता उपचार गोशाला व श्री कृष्ण गोशाला का निरीक्षण कर वहां संचालकों से बातचीत की। इस मौके मंत्री श्री यादव के साथ निजी सचिव गजेन्द्र यादव, प्रदीप यादव भी साथ थे।

संक्षिप्त समाचार

लॉकडाउन में पुलिस ने 6 वाहनों को इंपाउंड किया

सोहना। लॉकडाउन के दौरान सड़कों पर वाहनों को दौड़ने वाले 6 लोगों की बाइक-स्कूटी को इंपाउंड किया। अब पुलिस ने करीब 45 वाहनों के इंपाउंड व चालान काटे हैं। लॉकडाउन में घरों से बाइक व स्कूटी लेकर सड़कों पर दौड़ने वाले लोगों पर पुलिस ने शिकंजा कसाना शुरू कर दिया है। सोमवार को पुलिस के आहला अधिकारियों ने क्षेत्र की सड़कों को वाहन मुक्त रखने के आदेश जारी किए थे। आदेशों को अमलीजामा पहनाते हुए पुलिस ने सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों पर पूरी तरफसे पाबंदी लगा दी थी। मंगलवार को सब्जी मंडी में दो घंटा की दी गई छूट के दौरान बाइक व स्कूटी लेकर आए छह शहरवासियों के वाहनों को इंपाउंड किया। पुलिस ने इस दौरान दो हजार से लेकर 22 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया है। सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतेन्द्र कुमार ने बताया कि एक दिन पहले शहरवासियों को अपने घरों से किसी भी प्रकार का वाहन लेकर नहीं निकलने के सूचना दे दी गई थी। उसके बावजूद लोग वाहनों को लेकर निकल रहे हैं।

करणी सेना ने भी संभाली कमान, लोगों को भेज रहे खाना

गुरुग्राम। कोरोना वायरस के चलते प्रभावित लोगों का पेट भरने को करणी सेना ने भी कमान संभाल ली है। मंगलवार को दूसरे दिन करणी सेना की ओर से एक हजार भोजन के पैकेट जिला प्रशासन को करणी सेना व पायलट कोर्ट्स के निवासियों ने भेजे। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू ने कहा कि यह समय हमें हमारे देशवासियों के प्रति अपने कर्तव्य का बोध कराने का है। इस समय में देशवासियों की सेवा ही देश सेवा है। कोरोना वायरस से प्रभावित हुए लोगों को हर सुविधा मुहैया कराना हमारा परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक इस यज्ञ में अपनी आहुति डाले। क्योंकि भूख से कोई जान नहीं जानी चाहिए। इंसान हो या पशु, सभी का हमें ख्याल रखना है। उन्होंने समाजसेवी संगठनों से कहा कि जहां भी जरूरतमंद नजर आएं, पहल करके उन पर सहायता पहुंचाएं। अम्मू ने कहा कि गरीब, मजदूरों को सबसे अधिक ऐसे समय में समस्या रहती है। इसलिए उनका विशेष ख्याल रखना है। हालांकि जो भी जरूरतमंद हो, उस तक खाना आदि पहुंचना चाहिए। सूरजपाल अम्मू ने यह भी कहा कि लॉकडाउन के चलते हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुरोध को मानते हुए अपने घरों में ही रहना चाहिए। क्योंकि इस बीमारी का इलाज सिर्फ घरों में रहने से ही है। अगर हम घरों से बाहर निकलेंगे तो हमारे लिए ही समस्या खड़ी होगी और फिर वह समस्या देश की हो जाएगी। इसलिए हमें इस बात का ख्याल रखना है कि अपने घरों में रहकर सोशल डिस्टेंस बनाना है।

कोरोना से लड़ने पंजाबी बिरादरी मैदान में उतरी

गुरुग्राम। विस्थापित होकर फिर खुद को स्थापित करने वाली कर्मठ व जुझारू पंजाबी बिरादरी कोरोना वायरस जैसी महामारी के बीच समाजसेवा के क्षेत्र में उतरी है। यूं कहें कि कोरोना से लड़ने को पूरी तैयारियों के साथ पंजाबी बिरादरी ने खुले दिल से मैदान संभाला है। पंजाबी बिरादरी के संगठन पंजाबी बिरादरी महासभा और पंजाबी विकास मंच दोनों की ओर से संयुक्त रूप से कोरोना वायरस के इस माहौल में वंचितों को सुविधाएं देने का मोर्चा संभाला गया है। संगठन से जुड़े डा. सुभाष खन्ना, तिलकराज मल्होत्रा, बोधराज सीकरी व हरविंद कोहली के मुताबिक दोनों संगठनों की ओर से एक परिवार को 10 दिन का राशन दिया जा रहा है। संगठनों के वरिष्ठ सदस्य खुद आगे आकर यह काम कर रहे हैं। समाजसेवियों के मुताबिक वंचितों की सेवा, सुविधा के लिए जितने भी वॉलंटियर्स लगाए गए हैं, उनकी सुरक्षा का भी खास ध्यान रखा जा रहा है। उन्हें पीपी किट उपलब्ध कराई गई है। इस किट में विशेष ड्रेस, कैप, चश्मा, दस्ताने, सैनिटाइजर आदि शामिल है। इस नेक काम में एसएच चावला और सुभाष अरोरा भी कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। कई शहर के और दानवीर भी साथ निभा रहे हैं। इस पहल को 14 अप्रैल तक चालाने का प्रयास हैं। मुनीष खुल्लर, संजय टडंन, राजीव रंजन, हिमांशु खुराना भी सेवा में जुटे हैं। इन समाजसेवी की ओर से समाज के अग्रणी लोगों का समूह बनाया गया है। साथ ही जो सामान वितरित किया जा रहा है, उसकी किट तैयार की गई हैं। एक किट में आटा, चीनी, दाल, साबुन, तेल, नमक, मसाले आदि शामिल हैं। इस एक किट से एक परिवार का 10 दिन तक काम चलेगा।

रेडक्रॉस के माध्यम से समाजसेवा में लोगों ने दिखाया उत्साह

गुरुग्राम। बेशक देश कोरोना वायरस से जूझ रहा हो, लेकिन मिलेनियम सिटी गुरुग्राम कोरोना वायरस को फाइट दे रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र बेहतर काम करते हुए यहां मरीजों को ठीक भी किया जा रहा है और यहां पर समाजसेवियों की फौज वंचितों की सेवा में जुटी है। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से समाजसेवी संस्थाओं ने दिल खोलकर खाना, राशन दान किया है और किया जा रहा है।

जिला उपायुक्त अमित खत्री के मार्गदर्शन में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव महेश गुप्ता का कहना है कि इस दुख की घड़ी में जिस तरह से समाज के लोग, समाजसेवी संस्थाएं आगे आई हैं। वंचितों की मदद के लिए एम3एम कंपनी ने 20 लाख रुपये का राशन रेडक्रॉस को दिया है। नवकल्प फाउंडेशन एवं सेवा भारती की ओर से 8000 लोगों का खाना, राधा स्वामी की तरफ से 2000, नई सोच नया कदम की ओर से 2800 लोगों का खाना दिया है

बसई-धनकोट रेलवे स्टेशन पर लगा भंडारा, जरूरतमंदों का भर रहे पेट

बसई गांव के राजेश शर्मा की ओर से आयोजन

जब तक लॉकडाउन रहेगा, तब तक चलाते रहेंगे भंडारा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

बसई-धनकोट रेलवे स्टेशन पर लोगों को खाना वितरित करते समाजसेवी राजेश शर्मा व अन्य।

दिल्ली-रेवाड़ी रेलवे लाइन के साथ-साथ पैदल दिल्ली व अन्य स्थानों पर जाने के लिए दिनभर लोगों की लाइन लगी रहती है। उनके साथ बच्चे, महिलाएं भी होते हैं। ऐसे में इन लोगों का पेट भरने को बसई-धनकोट रेलवे स्टेशन पर बसई गांव के राजेश शर्मा की ओर से भंडारा लगाया गया है।

राजेश शर्मा के मुताबिक जिस तरह से लॉकडाउन हुआ था, उसी दिन से उनका यह भंडारा चल रहा है। इनमें विनोद, बिरजू, रोहित, अशोक, विनय कुमार शर्मा, अशोक शर्मा आदि सेवाएं दे रहे हैं। यहां रेल लाइन से गुजरने वाले हर व्यक्ति को वे यहां पर भोजन कराते हैं। साथ ही कोई पैकिंग कराकर ले जाना चाहे तो वह भी ले जाता है। राजेश शर्मा का कहना है कि जब तक लॉकडाउन जारी रहेगा, उनका यह भंडारा भी चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि समाजसेवा का कोई रूप नहीं होता। हम कहीं पर भी समाजसेवा कर सकते हैं। इसलिए उन्होंने यहां भूखों का पेट भरने के लिए यह भंडारा शुरू किया है। इसमें किसी की मदद ना लेकर उन्होंने खुद ही यह शुरुआत की है। वे चाहते हैं कि यहां से कोई गुजरे तो वह भूखा न जाए।

निजी क्षेत्र में कोरोना की भेंट चढ़ रहीं नौकरियां

गुरुग्राम में एमजी रोड पर एक कंपनी ने हटाए सुरक्षाकर्मी

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में निजी क्षेत्र में नौकरियों कोरोना वायरस की भेंट चढ़ रही हैं। झटके में ही रोजगार चले जाने से लोग परेशान हो गए हैं। उनके सामने परिवार पालने का संकट आ गया है। ऐसे में उनकी सरकार, प्रशासन से मांग है कि उन्हें नौकरी से निकालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनको वापस नौकरी पर बहाल कराया जाए। साथ ही उन्हें वेतन भी दिलाया जाए।

कोरोना वायरस को लेकर फील्ड में काम करते हुए हमें यहां एमजी रोड पर सहारा मॉल के सामने स्थित जेएमडी रिजेंट स्क्वायर बिल्डिंग के गेट पर हताश, परेशान कॉन्ट्रेक्टर के माध्यम से जॉब पर लगे सिक्योरिटी गार्ड मिले। उन्हें जब पता चला कि हम मीडिया से हैं तो इससे पहले कि हम कोई और बात उनसे पूछते, वे अपनी परेशानी लेकर बैठ गए। यानी अपनी परेशानी बताने लगे। सिक्योरिटी गार्ड्स ने बताया कि जिस दिन से यानी 22 मार्च से एक दिन का जनता कर्फ्यू लगा था, उसी दिन से यहां बिल्डिंग में कार्यरत 20 सिक्योरिटी गार्ड में से 12 गार्ड को नौकरी से हटा दिया। कह दिया कि जब यहां सब बंद है तो उनका क्या काम। जो गार्ड यहां बचे हैं, उन्हें भी नौकरी से निकाले जाने का खतरा है।

नहीं लग रही किसी गार्ड की हाजिरी : रिजेंट स्क्वायर बिल्डिंग के गार्ड्स के मुताबिक दिन-रात चार-चार गार्ड करके ड्यूटी तो दे रहे हैं, लेकिन उनकी कोई हाजिरी आदि नहीं लग रही। जो गार्ड निकाले गए हैं, उन्हें कह दिया है कि अब कोरोना की वजह से सरकार ने सब कुछ बंद करा दिया है। अब उनका यहां कोई नहीं है। इसलिए वे अपने घर बैठें। कहना कि उनके जैसे कर्मचारियों की जॉब जा रही हैं।

चैती छठ का व्रत रखकर महिलाओं ने किया पूजन

गुरुग्राम में चैती छठ के मौके पर पूजन करतीं महिलाएं।

गुरुग्राम। मंगलवार को यहां चैती छठ का व्रत रखकर महिलाओं ने पूजन किया। शहर के मारुति कुंज, सूर्य भगवान मंदिर पालम विहार, राजेंद्रा पार्क, देवीलाल नगर आदि स्थानों पर यह पूजन किया।

यह चैती छठ पूजा मां स्कंदमाता की श्रद्धालुओं द्वारा की जाती है। विशेषकर यह पूजा पुत्र प्राप्ति के लिए की जाती है। पंडित सिधनाथ मिश्रा ने कहा कि इस पूजा समय सुबह छह बजकर आठ मिनट का रहा। गाय के दूध से भगवान को अर्घ्य दिया जाता है। पूजा करने पहुंची रूपा पटेल, माया आदि ने बताया कि बहुत ही सजगता से तीन दिवसीय तैयारी की गई। विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। पहले दिन नहाय-खाय की रस्म हुई। दूसरे दिन रसियाव रोटी यानी गेहूं की रोटी के साथ गुड़ व गाय के दूध से तैयार खीर का शाम को सेवन किया जाता है। उसके बाद यह प्रसाद वितरित किया जाता है। आयोजन में समाजसेवी रितु, अमित, राजन, राजेश पटेल, उदय, रेनू, बिरेंद्र, केपी सिंह, राजेंद्र आदि का सहयोग रहा।

संस्थाएं वरिष्ठ नागरिकों तक पहुंचाएगी मदद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

उपायुक्त अमित खत्री ने कहा कि जिला में लॉक डाउन के दौरान वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन द्वारा जल्द ही सोशल मीडिया के माध्यम से डिटेल शेयर की जाएंगी, जिसमें बताया जाएगा कि वरिष्ठ नागरिक मदद के लिए कब, कहां और कैसे संपर्क कर सकते हैं। वे सोमवार देर सायं फेसबुक लाइव के माध्यम से जिलावासियों से मुखातिब हुए। उन्होंने इस दौरान लोगों से प्राप्त प्रश्नों का उत्तर दिया और उनकी बहुत सी शंकाओं का समाधान किया।

उपायुक्त ने कहा कि जिला में कई वरिष्ठ नागरिक ऐसे हैं, जिनकी नौकरों या मेड आदि पर निर्भरता है। ऐसे वरिष्ठ नागरिकों की मदद के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं से सामंजस्य स्थापित करते हुए उन तक मदद पहुंचाने की शुरुआत की जा रही है। इन संस्थाओं ने निस्वार्थ भाव से वरिष्ठ नागरिकों की मदद करने की इच्छा जताई है, इसलिए प्रशासन का प्रयास है कि इन स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर वरिष्ठ नागरिकों तक मदद पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि शुरुआती चरण में लोगों का फीडबैक अपेक्षित रहेगा, ताकि वरिष्ठ नागरिकों की अपेक्षा अनुरूप सुधार करते हुए इन्हें और बेहतर बनाया जा सके।

मूवमेंट पास के लिए दो वेबसाइट पर करें आवेदन

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मूवमेंट पास के लिए दो पोर्टल जीएमडीए तथा सरल चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला वासी अपनी जरूरत के अनुसार वेबसाइट पर मूवमेंट पास प्राप्त करने के लिए अप्लाई कर सकते है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जब तक बहुत जरूरी ना हो तब तक लोग जिला में किसी भी प्रकार की मूवमेंट से बचें और लॉक डाउन को सफल बनाने में सहयोग करें।

जिला में बनाए गए 28 राहत शिविर

उन्होंने कहा कि जिला में एक बहुत बड़ा वर्ग दिहाड़ीदार मजदूरों, श्रमिकों तथा गरीब लोगों का है। इन सभी लोगों को भोजन उपलब्ध करवाने व उनके रहने के लिए 28 राहत शिविर बनाए गए हैं। इन राहत शिविरों में मेडिकल टीम भी तैनात की गई है, ताकि उनकी समय-समय पर स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य जांच की जा सके। उन्होंने कहा कि जिला के विभिन्न क्षेत्रों से भोजन उपलब्ध कराने को लेकर भी बहुत सारे प्रश्न पूछे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को जिला प्रशासन द्वारा दो प्रकार से भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में लोगों को पका पकाया भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा कई क्षेत्रों में लोगों की जरूरत अनुरूप सूखा राशन पहुंचाया जा रहा है।

4500 लोगों के लिए क्वॉरेंटाइन सपोर्ट ग्रुप गठित

उपायुक्त ने बताया कि जिला में क्वॉरेंटाइन में रह रहे लोगों के लिए क्वॉरेंटाइन सपोर्ट ग्रुप बनाया गया है। यदि क्वॉरेंटाइन में रह रहे लोगों को किसी प्रकार की परेशानी या असुविधा हो तो वे इस ग्रुप के सदस्यों से संपर्क कर सकते हैं। प्रत्येक 25 क्वॉरेंटाइन लोगों के लिए एक वालंटियर लगाया गया है। लोग क्वॉरेंटाइन सपोर्ट ग्रुप की जानकारी हेल्पलाइन नंबर-1950 के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 4500 लोगों को क्वॉरेंटाइन किया गया है जिन की सुविधा के लिए क्षेत्रवार वालंटियर्स की ड्यूटी लगाई गई है।

मिलाप ने कोविड-19 के खिलाफ सबको एकजुट किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महामारी के समय सुरक्षित रहने का खर्च वहन न कर पाने वालों तक पहुंचा रहा है मानवीय सहायता

नॉवल कोरोनावायरस द्वारा होने वाली बीमारी, कोविड-19 से दुनिया में 7.5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 35,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। भारत में 31 मार्च 2020 तक, इस बीमारी से 27 राज्यों में कम से कम 1200 लोग संक्रमित और 32 मौतें हो चुकी हैं।

पिछले सप्ताह में, भारत भर के कई राज्यों ने स्कूल, कॉलेज, मॉल, थिएटर, रेस्टोरेंट्स, शॉप्स एवं गैरजरूरी कार्यस्थलों को बंद करके सुरक्षा मजबूत की गई है। जहां भी संभव हुआ है, वहां वर्क फ्रॉम होम का परामर्श दिया जा चुका है। देश अब 21 दिनों तक लॉकडाउन में है। लेकिन हमारे समाज में अनेक लोग, जैसे डॉक्टर, नर्स, डिलीवरी स्टाफ, कंजर्वैंसी कर्मचारी (कचरा एकत्रित करने वाले) एवं फील्ड कार्यकर्ता अभी भी हमारे समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को जोखिम में डाल निरंतर कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा दुनिया में इस बीमारी के लिए पॉजिटिव पाए जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ने के साथ, यह याद रखना भी जरूरी है कि कोई भी व्यक्ति अपनी जिंदगी को पूरी तरह से बदले बिना क्वारेंटाइन में नहीं रह सकता। इस महामारी का वित्तीय प्रभाव, खासकर ब्लू-कॉलर कर्मचारियों एवं उनके परिवारों, जो दैनिक मुआवजे पर आजीविका चलाते हैं, उनके लिए बहुत ही गहरा है।

हाल ही में दक्षिण एशिया के सबसे बड़े क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म, मिलाप ने कोविड-19 के फंडरेजर्स के लिए अपने द्वार खोल दिए। इस महामारी से सर्वाधिक प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए एक पृथक पेज, मिलाप.ओआरजी/कोविड19 लॉन्च किया गया। इसके उद्देश्यों में बड़े शहरों की झुग्गियों में रहने वाले लोगों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने से लेकर डॉक्टर्स, उनके सामाजिक अभियानों के लिए प्रोटेक्टिव गियर उपलब्ध कराना, छोटे अस्पतालों में वैंटिलेटर्स आदि उपलब्ध कराना शामिल हैं। जहां एक तरफ मशहूर हस्तियों, जैसे लुई मिरांडा और वेंकट अईयर ने फंडरेजर स्थापित कर लिए हैं, वहीं दूसरी तरफ अनेक लोग ऐसे भी हैं, जो अपने आसपास संकटग्रस्त परिवारों की मदद के लिए फंड एकत्रित कर रहे हैं। वैश्विक संगठन के लिए मिलाप ने इस उद्देश्य के लिए आने वाले सभी फंडरेजर्स के लिए अपने प्लेटफॉर्म का शुल्क पूरी तरह से हटा लिया है।

मिलाप के सीईओ एवं को-फाउंडर, मयूख चौधरी ने कहा, कि यह क्राउडफंडिंग प्रोजेक्ट भारत में कमजोर वर्ग के परिवारों के आर्थिक संकट को कम करने के लिए एक नागरिक अभियान है, जो उन लोगों को भी आर्थिक संसाधनों द्वारा सहायता देगा, जो सबसे आगे रहकर इस महामारी के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। हमारा उद्देश्य हर व्यक्ति को अपने समूह, पड़ोस जरूरतमंद को पहचानकर इस मुश्किल समय में उसे मदद प्रदान करने की प्रेरणा देना है।

प्रवासी मजदूर, जरूरतमंदों को न आए कोई दिक्कत

जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के लिए 35 स्थानों पर बनाए राहत कैम्प

विधायक ने जिला रेडक्रॉस भवन में खाद्य सामग्री का किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के चंदन नगर स्थित रेडक्रॉस भवन में सामग्री देकर रवाना करते विधायक सुधीर सिंगला।

नगर निगम एवं जिला प्रशासन गुरुग्राम द्वारा लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों एवं जरूरमन्दों को राहत सामग्री, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। मंगलवार को गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला जिला रेडक्रॉस भवन में पहुंचे। उन्होंने राहत सामग्री का निरीक्षण किया।

मौके पर विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि आज पूरा विश्व इस कोरोना महामारी से लड़ रहा है। इस महामारी के मद्देनजर हमारे देश में 21 दिन का लॉकडाउन घोषित किया हुआ है। ऐसे में नागरिकों, प्रवासी मजदूरों तथा जरूरतमंद लोगों तक राहत सामग्री एवं आवश्यक सेवाएं मुहैया करवाने के लिए नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि किसी भी गरीब, मजदूर, जरूरतमंद को कोई समस्या न आने दें। यह हमारी ड्यूटी भी है और कर्तव्य है।

ड्यूटी से अधिक हमें समाजसेवा समझकर अपना कार्य करना चाहिए। उन्होंने लोगों से एक बार फिर से अपील की कि लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करें। सभी को सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। किसी भी तरह की लापरवाही ना करें, जिससे कि इस बीमारी को बढ़ावा मिले।

35 स्थानों पर बनाए गए हैं राहत केंद्र

नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा गुरुग्राम में 35 स्थानों पर राहत केन्द्र बनाए गए हैं। इन राहत केंद्रों में रहने की व्यवस्था के साथ ही दोपहर तथा रात्रि भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त विनय प्रताप सिंह द्वारा प्रत्येक राहत केंद्र के लिए अलग-अलग नोडल अधिकारी तथा टीमें तैनात की गई हैं। निगमायुक्त द्वारा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे दोपहर एक बजे तथा रात्रि 8 बजे भोजन वितरित करेंगे।

यहां बनाए गए हैं राहत केन्द्र

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा बरवाल पब्लिक स्कूल नियर निहाल कॉलोनी, सामुदायिक केन्द्र कार्टरपुरी, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-22, सामुदायिक केंद्र डूंडाहेड़ा, सामुदायिक केंद्र सरहौल, सामुदायिक केंद्र सुखराली, मेयर वार्ड ऑफिस शीतला माता रोड, सामुदायिक केंद्र दयानन्द कॉलोनी, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-5, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-4, सामुदायिक केंद्र धनवापुर, सामुदायिक केंद्र बसई, सामुदायिक केंद्र गाड़ौली, हरिजन चौपाल कादीपुर, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-9, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-7 एक्सटेंशन, सामुदायिक केंद्र ज्योति पार्क, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-15 पार्ट-1, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-15 पार्ट-2, एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खांडसा रोड, सामुदायिक केंद्र फिरोजगान्धी कॉलोनी, सामुदायिक केंद्र कादीपुर, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-10ए, सामुदायिक केंद्र खेड़कीदौला, सामुदायिक केंद्र बादशाहपुर, उज्वल प्रोपटीज़ साउथ सिटी-2, सामुदायिक केंद्र इस्लामपुर, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-38, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-47, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-56, सामुदायिक केंद्र गवालपहाडी, सामुदायिक केंद्र वजीराबाद, सामुदायिक केंद्र कन्हई, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-28 चकरपुर, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-27, सामुदायिक केंद्र सिकन्दरपुर में राहत कैम्प स्थापित किए गए हैं।

कोरोना के दो पॉजिटिव मिलने से मरीज की संख्या हुई 6

अलर्ट

कविता। फरीदाबाद

जिले में कोरोना पोजिटिव मरीजों की संख्या प्रतिदिन बढ़ती जा रहा है। पिछले 12 घंटों में दो मरीजों के पोजिटिव होने की पुष्टि जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा की गई। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग सख्त कदम उठा रहा है। दो दिनों में सामने आए तीनों मरीजों के सम्पर्क में आए करीब 30 से 35 लोगों के सैम्पल जांच के लिए भेजे हैं और उन्हें कोरोनाइट किया है। अब तक छह पोजिटिव मरीज सामने आ चुके है। विभाग की तरफ से अब तक 883 को होम आईसोलेशन पर रखा है। वहीं अब तक 719 यात्रियों को सर्विसलॉस पर रखा।

यह है दोनों की हिस्ट्री

कोरोना नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिले में पोजिटिव मरीजों की संख्या मंगलवार को दो और बढ़ गई है। जिसमें एक पोजिटिव सोमवार को सामने आई महिला का पति है और दूसरा पोजिटिव व्यक्ति सेक्टर-16 का निवासी है। महिला का पति नोएडा में नौकरी करता है। कंपनी के अन्य साथियों के संपर्क में आने से पोजिटिव हुआ है। जिससे पत्नी भी कोरोना की चपेट में आ गई। सेक्टर-16 निवासी मरीज छोटा सा व्यवसाय चलाता है। उसके कार्यालय में उसका दोस्त आया था। जिससे उसे भी यह बीमारी लग गई। उसका दोस्त नोएड़ा में भर्ती है। जिसकी सूचना पर उसका भी सैम्पल जांच के लिए भेजा गया था। वह भी पोजिटिव पाया गया है।

अन्य लोगों के सैम्पल

डॉ. रामभगत ने बताया कि दो दिनों में सामने आए तीनों मरीजों के परिजनों समेत उनके सम्पर्क में आने वाले सभी लोगों के सैम्पल लिए गए है। जिसमें उनके नौकर, माली, धोबी के अलावा बच्चे शामिल है। ताकि यह बीमारी किसी और तक न फैले। वहीं उन्हें होम आईसोलेशन किया गया है। उन्होंने कहा उनके सम्पर्क के करीब 50 लोगों के सैम्पल लिए गए है।

ऐसे करें बचाव

डॉ. रामभगत ने कहा कि कोरोना से बचने के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखें। अपने हाथ को हर थोड़ी देर में सेनिटाइजर से साफ करें या फिर साबुन से अच्छे से धोएं। जिन्हें सर्दी, खांसी, बुखार जैसै लक्षण हों, उनके पास न जाएं और अगर आप में ऐसे लक्षण हों तो तुरंत ही डॉक्टर से संपर्क करें। गंदे हाथ से आंख, नाक, मुंह न छुएं। अधिक भीड़-भाड़ वाले इलाकों में न जाएं। लोगों से गले लगने और हाथ मिलाने से बचें।

यह है स्थिति

डॉ. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 719 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है। जिनमें से 129 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 760 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 883 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 90 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 71 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 13 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक छह लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं। वहीं कोरोना पाजिटिव मिले लोगों के सम्पर्क में आए 170 लोगों पर भी विभाग नजर रख रहा है। विभाग की तरफ से जांच के बाद पांच मरीज दाखिल किए गए।

नवरात्रि

सातवें दिन की गई मां कालरात्रि की पूजा

फरीदाबाद। नवरात्रों के सातवें दिन शहर के मंदिरों में मां के सातवें स्वरूप की पूजा की गई। जिसमें हजारों लोगों ने पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिरों में प्रात:कालीन व सायंकालीन पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। प्रात:कालीन आरती में मां के भजनों के बीच हवन यज्ञ में ने आहूति डाली।

वैष्णों देवी मंदिर

तिकोना पार्क स्थित सिद्धपीठ मां वैष्णों देवी मंदिर में सातवें दिन मां कालरात्रि की भव्य पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। पूजा अर्चना में मंदिर कमेटी के प्रधान जगदीश भाटिया समेत अन्य सदस्य और पुजारी मौजूद रहे। पूजा अर्चना के उपरांत जगदीश भाटिया ने कहा कि नवरात्रि के सातवें दिन महा सप्तमी होती है। इस दिन मां दुर्गा के सातवें स्वरूप कालरात्रि की पूजा का विधान है। शक्ति का यह रूप शत्रु और दुष्टों का संहार करने वाला है। मां कालरात्रि ही वह देवी हैं। जिन्होंने मधु कैटभ जैसे असुर का वध किया था। मान्यता है कि महासप्तमी के दिन पूरे विधि-विधान से कालरात्रि की पूजा करने पर मां अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि मां कालरात्रि की पूजा करने वाले भक्तों को किसी भूत, प्रेत या बुरी शक्ति का भय नहीं सताता।

काली मंदिर

सिद्धपीठ काली मंदिर में मां कालरात्रि के सातवें स्वरूप की पूजा बड़े धूमधाम से की गई। मां के स्वरूप के बारे में पंडितों ने बताया कि देवी कालरात्रि का स्वरूप अत्यंत भयंकर है। देवी कालरात्रि का यह भय उत्पन्न करने वाला स्वरूप केवल पापियों का नाश करने के लिए है। शास्त्रों में देवी कालरात्रि को त्रिनेत्री कहा गया है। इनके तीन नेत्र ब्रह्मांड की तरह विशाल हैं।

आठवें दिन करें महागौरी की पूजा : मुनिराज

फरीदाबाद। नवरात्रों में आठवें दिन महागौरी की पूजा की जाती है। राधार्श्वेवर मंदिर के संस्थापक संत मुनिराज जी ने बताया कि मां भगवती का आठवां स्वरूप महागौरी का है। महागौरी की पूजा नवरात्रे के आठवें दिन होती है। मां शंख और चंद्र के समान अत्यंत श्वेत वर्ण धारी है।। धर्मिक ग्रंथों की बात करें तो भगवान शिव को पाने के लिए पार्वती जी के द्वारा किए गए कठोर तप से मां का रंग काला व शरीर क्षीण हो गया था। तपस्या से प्रशन्न होकर भगवान शिव ने मां पर्वती के शरीर को गंगा जल से धोया तो वह विद्युत प्रभा के समान गौरा हो गया। इसी कारण मां को महागौरी के नाम से पूजा जाता है। महागौरी की चार भुजाएं है, जिनमें से दो अभयमुद्रा और वरमुद्रा में है तथा दो में त्रिशुल और डमरू धारण किए हुआ है। अपने सभी रूपों में से मां भगवती का महागौरी नामक स्वरूप सबसे शांत रूप है। अष्टमी के दिन कन्या पूजन का विधान है। अष्टमी के दिन मां भगवती को नारियाल का भोग लगाना चाहिए। इसके फलस्वरूप उस भक्त के पास किस प्रकार का संताप नही आ सकता। मां के आठवे स्वरूप का मूलमंत्र मां श्वेते बृषे समारूढा श्वेतांबरधरा शुचि। महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा।। उन्होंने बताया कि दुर्गा जी के आठवें स्वरूप महागौरी मां का प्रसिद्ध पीठ हरिद्वार के समीप कनखल नामक स्थान पर है।

शहर में कोई गरीब बिना राशन के न रहे: उपायुक्त

पार्षदों व स्थानीय लोगों के सहयोग से हर जरूरतमंद के लिए खाने की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि जिला में लॉकडाउन के दौरान कोई भी गरीब व्यक्ति बिना खाना खाए या बिना राशन के नहीं रहना चाहिए। निगम के सभी वार्डों में एक-एक अधिकारियों की डयूटी लगाई गई है, जो पार्षदों व स्थानीय लोगों के सहयोग से हर जरूरतमंद के लिए खाने की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे। सभी अधिकारी अपने वार्डों में यह भी चेक करेंगे कि बगैर जरूरतमंद व्यक्ति अगर खाना या राशन ले रहा है तो उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाए।

उपायुक्त ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि सभी वार्डों के लिए एचएसवीपी के प्रशासक प्रदीप दहिया को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा तीनों उपमंडल के एसडीएम, एचएसवीपी के संपदा अधिकारी परमजीत चहल व जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राकेश मोर व एक तहसीलदार सहित छह अधिकारियों को प्रत्येक सात वार्ड के लिए विशेष निगरानी अधिकारी लगाया गया है। सभी वार्ड अधिकारी अपने वार्ड में ही अस्थाई कार्यालय स्थापित करेंगे तथा खाने के पैकेट व राशन के सही वितरण का कार्य देखेंगे तथा उनके साथ नगर निगम के संबंधित एरिया के अधिकारी भी साथ रहेंगे। वार्ड अधिकारियों के साथ जिला रेडक्रॉस सोसायटी के वालिंटियर भी साथ रहेंगे। ये अधिकारी पूरी निष्ठा व तत्परता से अपना कार्य करें। किसी भी स्तर पर कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि वार्ड अधिकारी अपने वार्ड के जरूरतमंद लोगों की एक सूची तैयार करेंगे, जिसमें यह पता लगेगा कि प्रतिदिन कितने व्यक्तियों को खाना दिया जाना है। अपने वार्ड को जोन में बांट लें ताकि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति की सही पहचान हो सके। जो भी सामाजिक संगठन या स्वयंसेवी संगठन हैं, वे पहले अपने वार्ड में जरूरतमंद लोगों को राशन वितरण करना सुनिश्चित करें तथा वहां सभी लोगों को राशन वितरण की पूर्ति होने पर ही अन्य वार्ड में राशन वितरित करेंगे। उन्होंने कहा कि पका भोजन के पैकेट सुबह-सायं वितरित किए जाएं तथा खाद्य सामग्री को दिन के समय वितरित किया जाए। वार्डों में अस्थाई कार्यालय किसी सार्वजनिक स्थान पर बनाएं जाएं, जैसे मंदिर, गुरूद्वारा, सामुदायिक केंद्र, स्कूल आदि में तथा पूरे वार्ड के लोगों को इसकी जानकारी हो। वार्ड के लोकल वालिंटियर का भी इसमें सहयोग लिया जाए। वार्ड अधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके वार्ड में किन व्यक्ति को पका भोजन की आवश्यकता है तथा किन परिवारों को राशन वितरण किया जाना है।

जिला स्तर पर खाद्य सामग्री के वितरण का कार्य जिला सैनिक बोर्ड के सचिव देखेंगे और भोजन पकाने की व्यवस्था टूरिज्म विभाग के हरविंद्र सिंह देखेंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त आरके सिंह, एचएसवीपी के प्रशासक प्रदीप दहिया, एमसीएफ के संयुक्त आयुक्त सतबीर मान, एसडीएम फरीदाबाद अमित कुमार, एसडीएम बल्लबगढ़ त्रिलोकचंद, एसडीएम बड़खल पंकज सेतिया, एचएसवीपी के संपदा अधिकारी परमजीत चहल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राकेश मोर तथा सभी वार्ड अधिकारी उपस्थित थे।

वैष्णोदेवी मंदिर ने कोरोना पीड़ितों के लिए भेजे ढाई लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना पीड़ितों को लेकर जहां एक ओर राज्य सरकार प्रभावित लोगों की मदद कर रही है, वहीं दूसरी ओर सरकार के खजाने में मदद पहुंचाने वालों की भी कमी नहीं है। इसी कड़ी में तिकोना पार्क स्थित श्री महारानी वैष्णोदेवी मंदिर फरीदाबाद ने मुख्यमंत्री कोरोना रिलिफ फंड में ढाई लाख रुपए की राशि भेंट की है। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने अपनी कार्यकारिणी के सहयोग से यह राशि हरियाणा सरकार को (आरटीजीएस)चैक के माध्यम से भेजी है। यह राशि सीधे मुख्यमंत्री रिलिफ फंड में ट्रांसफर की गई है। भाटिया ने कहा कि ऐसी विकट स्थिति में देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह यथासंभव सरकार व पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि वैष्णोदेवी मंदिर संस्थान प्रत्येक समय सरकार व आम आदमी की मदद के लिए हमेशा तैयार रहता है। उन्होंने कहा कि इस समय पूरा विश्व भयंकर संकट व महामारी से जूझ रहा है। हजारों लोग अकाल मौत का शिकार हो गए हैं। केंद्र की मोदी सरकार व हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भरपूर प्रयास करके इस महामारी से अभी तक अपने लोगों को बचाया हुआ है। इसके तहत ही देश भर में लॉकडाउन घोषित किया गया है। हालांकि लॉकडाउन से जहां कोरोना बीमारी से बचाव में मदद मिल रही है, वहीं आम आदमी के सामने रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है। खासतौर पर मजदूर वर्ग के लिए यह स्थिति बेहद ही संकट पूर्ण है। ऐसे में मोदी व मनोहर लाल सरकार ने लोगों तक मदद पहुंचाने के लिए अपने खजाने खोल दिए हैं। मगर ऐसे हालातों में देश व प्रदेश की सभी संस्था, औद्योगिक घराने व प्रमुख लोगों को भी मदद के लिए आगे आना होगा। तभी इस महामारी को हराया जा सकता है। गरीब व मजदूर लोगों की मदद के लिए आर्थिक सहायता पहुंचाना अति आवश्यक है।

मुस्तैद पुलिस बन रही है मददगार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस लॉक डाउन का पालन कराने के लिए जहां सड़कों पर मुस्तैदी दिखा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ मददगार की भूमिका निभाने में भी किसी से पीछे नहीं है। पुलिस की अपराध शाखा, थाना पुलिस और मिसिंग सेल हर रोज हजारों जरूरतमंद लोगों को भोजन पहुंचे का काम का बाखूबी कर रही है।

पुलिस प्रवक्ता सुबेसिंह ने बताया कि अनावश्यक रूप से सड़कों पर घूमने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। साथ ही जरूरतमंदों को सुबह शाम अपराध शाखा, मिसिंग सेल व थाना पुलिस द्वारा करीब तीन हजार से अधिक लोगों को खाना भिजवाया जा रहा है। फरीदाबाद पुलिस ने 5 एफआईआर दर्ज कर 10 लोगों को किया गिरफ्तार। आदेशों का उल्लंघन करने वाले 11 वाहनों को इंपाउंड कर एक लाख रुपए वसूला जुर्माना। हरियाणा सरकार द्वारा किए गए लॉक डाउन के आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ फरीदाबाद पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम में खाने से संबंधित 220 कॉल, कोरोना से संबंधित 9 कॉल और कालाबाजारी से संबंधित 7 प्राप्त हुई।

राशन मिलने की अफवाह के बाद लोगों ने किया पथराव

नियमों को तोड़ते हुए मंगलवार को हजारों लोग सड़कों पर आ पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना जैसी महामारी के कारण जहां एक तरफ 21 दिनों का लॉकडाउन बढ़ा कर धारा 144 लगाई गई थी। वहीं दुसरी तरफ इन नियमों को तोड़ते हुए आज हजारों लोग सड़कों पर आ पहुंचे। उन्हें किसी ने सूचना दी थी कि सरकारी सहायता पाने के फार्म भरे जा रहे है, तो कहीं विद्यालयों में राशन मिल रही है।

इन अफवाहों के बीच मंगलवार को हजारों लोग संजय कालोनी, गौच्छी गांव, सेक्टर-23, 23ए और अन्य कई इलाकों में लाइनों में खड़े हो गए। गांव गौच्छी में जब कुछ नहीं मिला, तो लोगों ने स्कूल पर पत्थर बरसा दिए। जानकारी के मुताबिक लोगों को सोशल मीड़िया के जरिये किसी ने यह सूचना दी कि सरकारी सहायता के पैसे एकाउंट में आऐंगे। जिसके लिए फार्म भरे जा रहे है। वहीं गांव गौच्छी में सूचना दी गई कि सरकारी स्कूल में मंगलवार सुबह राशन बांटा जाएगा।

जिस पर हजारों की संख्या में लोग नियम-कानूनों को ताक पर रखकर राशन के लिए स्कूलों के बाहर जुट गए। लेकिन जब दोपहर तक लम्बी लाइनों में लगने के बाद भी कुछ न मिला, तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उन्होंने स्कूल परिसर में पत्थरबाजी तक कर डाली।

जिसकी सूचना पुलिस को मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को तितर-बितर किया। साथ पुलिस ने लोगों को समझाया कि अफवाहों पर ध्यान न दें। कुछ महिलाओं ने तो कहा कि उनके घरों खाने का राशन बिल्कुल खत्म हो गया है। वह रोज कमाते खाते है। लेकिन इस लॉकडाउन की स्थिति में भूखे मरने की नौबत आ गई है।

गेहूं की कालाबाजारी करते दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राशन डिपो पर मिलने वाले गेहूं की कालाबाज़ारी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार करके 12 कट्टे गेहूं बरामद किए हैं। ये कार्रवाई धौज थान पुलिस ने की है।

धौज थाना में तैनात एसआई सत्य प्रकाश ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ लोग धौज गांव में राशन डिपो पर आए गेहूं की कालाबाजारी कर रहे हैं। उन्होंने इस के बारे में जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को सूचित किया।

विभाग ने इंस्पेक्टर वीरेन्द्र सिंह को इस मामले में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसआई सत्य प्रकाश ने वीरेंद्र सिंह के साथ इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई करते हुए छापा मारी की और धौज निवासी समीम पुत्र रियासत, फिरदौस पुत्र सर्फुदीन, मोनू पुत्र बॉबी निवासी शाहबाद हाथरस उत्तर प्रदेश के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए समीम और मोनू को गिरफ्तार कर उनके पास से 12 कट्टे गेहूं बरामद किए। जबकि फिरदौस फरार है पुलिस ने बताया कि जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोरोना को लेकर सीएम को भेजा पत्र

फरीदाबाद। हरियाणा युवा कोंग्रेस लीगल विभाग के इंचार्ज और यूथ इटक के राष्ट्रीय सचिव राजेश खटाना एडवोकेट ने देश मे इस महामारी को देखते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की और अपने सुझाव दिए हैं कि हरियाणा मे जिन लोगों ने विदेश से आ कर अपनी लापरवाही से हरियाणा में यह बीमारी फैलाई हैं और जो लोग आज भी सरकारी लोकडाउन के आदेशों की धज्ज़ाई उड़ा कर इकट्ठा हो रहे हैं। क्योंकि जिनको मालूम हैं कि उनमें इस बीमारी के लक्षण हैं ये जानते हुए भी वह लोगो से मिले अवम उनसे कुछ दिन घर में रहने को सरकार द्वारा कहा गया था। उनसे जुर्माने के रूप कम से कम 51 लाख रूपे प्रति व्यक्ति ले कर ग़रीब लोगो के इलाज हमारे पुलिस के जवानो और जो भी सरकारी लोग इस मुश्किल घड़ी में अपने परिवार की फिक्र किए बिना सेवा कर रहे हैं।

कृष्ण अत्री ने मजदूरों को बांटी खाद्य सामग्री

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश महासचिव कृष्णा अत्री के नेतृत्व में मजदूर परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की। ज्ञात हो कि सोमवार को एनएसयूआई ने जिला फरीदाबाद समेत पूरे हरियाणा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किये थे और मंगलवार को एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने अपने साथियों के साथ जाकर कई मजदूर परिवारों को खाद्य सामग्री बांटी। हेल्पलाइन नंबर जारी करते ही कई परिवारों ने एनएसयूआई से संपर्क किया और लॉक डाउन की स्थिति में उन्हें अपनी मजबूरी से अवगत कराया।

जिस पर एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने उन गरीब परिवारों के लिए खाद्य सामग्री के पैकेट तैयार करवा उन तक पहुंचाने का आज काम किया। इस दौरान प्रदेश महसचिव कृष्ण अत्री ने बताया कि राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा और एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन के दिशा निर्देश पर एनएसयूआई हरियाणा की टीम ने राज्य की खट्टर सरकार को कोरोना महामारी से लड़ने के लिए हर संभव मदद करने की पेशकश की थी। कृष्ण अत्री ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से कल रात को पता चला की कुछ परिवार ऐसे है जिन्हें इस कठिन परिस्थिति में अपना जीवन यापन करना भारी पड़ रहा है और उनके पास खाने पीने के पर्याप्त साधन नही है।

इन परिवारों की खबर मिलते ही उन्होंने अपने साथियों सहित पहुँचकर मजदूर परिवारों को खाद्य सामग्री(आटा, दाल, नमक, सब्जी) दी। कृष्ण अत्री ने बताया कि एनएसयूआई ने कोरोना वायरस माहमारी के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर जंग छेड़ी हुई है। एनएसयूआई के सदस्य पूरे देश में दिहाड़ी मजदूरों की, बेरोजगारों की, फसे हुए लोगों की सहायता कर रहे है और जब तक इस महामारी से निजात नही मिल जाती है तब तक एनएसयूआई के सदस्य इसी तरह से मदद करते रहेंगे। इस मौके पर विक्की, कृष्ण, मोहित, नितेश, भारत आदि मौजूद रहे।

जेसी बोस करेगा 'एलिमेंट्स कलमायका-2020' का आनलाइन आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना वायरस महामारी के चलते सभी कालेज बंद होने के कारण उबाऊपन से जूझ रहे युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने के लिए वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एक इनोवेटिव तरीका खोज निकाला है। विश्वविद्यालय अपना वार्षिक उत्सव 'एलिमेंट्स कलमायका-2020' पूर्वनिर्धारित तिथि पर ही आयोजित करेगा, लेकिन इस बार पूरा उत्सव आनलाइन आयोजित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट विभाग द्वारा आयोजित को लेकर सभी तरह की तैयारियों पूरी कर ली गई है। तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव 9 से 11 अप्रैल, 2020 तक आयोजित किया जायेगा और इस बार का थीम है 'द शो मस्ट गो ऑन'।

विभिन्न क्लबों के विद्यार्थियों के साथ सीधा आनलाइन संवाद करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने वार्षिक उत्सव 'एलिमेंट्स कलमायका-2020' की विधिवत घोषणा की और कहा कि यह एक अच्छी और इनोवेटिव पहल है, जिससे प्रदेश विशेष रूप से उत्तर भारत के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को जोड़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने घोषणा की कि चूंकि विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक उत्सव के आयोजन पर साजो-सामान को लेकर किसी तरह का खर्च नहीं कर रहा है, इसलिए उत्सव के दौरान आयोजित होने वाले इवेंट्स में आकर्षक पुरस्कार राशि दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक उत्सव के आयोजन पर 20 से 30 लाख रुपये की राशि खर्च की जाती है।

कुलपति ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा समय है जब सभी विद्यार्थी अपने घरों में उबाऊपन से जूझ रहे है। ऐसे में पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लेकर विद्यार्थी अपने समय का सही उपयोग कर करते है और खुद को व्यस्त भी रख सकते है। उन्होंने आशा जताई कि 'एलिमेंट्स कलमायका-2020' बेहद सफल होगा। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो भविष्य में विश्वविद्यालय वार्षिक उत्सव के प्रारूप को बदलने पर विचार कर सकता है ताकि उत्सव में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़े। उन्होंने कहा कि एक संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय ने 50 वर्ष पूरे कर लिये है और यह उत्सव लगभग 30 वर्षों से अधिक समय से निरंतर आयोजित किया जा रहा है। कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने 'एलिमेंट्स कलमायका-2020' के आनलाइन प्रारूप की सराहना की तथा कहा कि वार्षिक उत्सव में सभी संबद्ध कालेजों के विद्यार्थियों की भागीदारी को भी सुनिश्चित किया जायेगा। डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सोनिया बंसल ने बताया कि एलिमेंट्स कलमायका-2020 में इस बार 63 इवेंट करवाये जा रहे है। इनमें 40 कल्चरल एवं सोशल अवेयरनेस इवेंट रहेंगे तथा 20 से ज्यादा तकनीकी इवेंट्स होंगे। इस समय विश्वविद्यालय में 16 सक्रिय क्लब है, जो उत्सव में भागीदारी करेंगे तथा विभिन्न इवेंट्स की मेजबानी करेंगे। सभी इवेंट डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान की देखरेख में आयोजित किये जायेंगे।

मिलेगी पूरी जानकारी

वार्षिक उत्सव 'एलिमेंट्स कलमायका-2020' से जुड़ने के लिए विद्यार्थी विश्वविद्यालय के अधिकारिक फेसबुक पेज https://www.facebook.com/JCBoseUST से जानकारी हासिल कर सकते है। विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज पर सभी मेजबान क्लबों सोशल मीडिया प्लेटफार्म के लिंक तथा इवेंट्स की जानकारी उपलब्ध करवाई जायेगी। सभी इवेंट्स आनलाइन होंगे और जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म और विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.jcboseust.ac.in पर ही साझा की जायेगी। उत्सव की जानकारी विद्यार्थियों द्वारा विकसित मोबाइल ऐप 'ईसी-20' पर भी उपलब्ध करवाई जायेगी।

विद्यार्थियों ने दिए 7500 रुपये

विश्वविद्यालय के विवेकानंद मंच से जुड़े विद्यार्थियों ने कोरोना वायरस से रोकथाम के लिए अपनी पॉकेट मनी से 7500 रुपये का योगदान दिया है। कुलपति ने विद्यार्थियों द्वारा नेक कार्य के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की है।

कोरोना के भारतीय समाधान

स्वदेशी परीक्षण किटों का प्रयोग

प्लेटो की मशहूर कहावत है कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इसी पर चलते हुए भारत ने निश्चित रूप से कोरोना महामारी समाधान के स्वदेशी तरीके खोजे हैं। आईआईटी मुंबई व पेशेवरों की एक टीम ने हाल ही में मोबाइल एप 'कोरोन्टीन' का विकास किया है। इससे अधिकारियों को क्वेरेंटीन क्षेत्र से भागने वाले कोविड-19 के संभावित या संदिग्ध लक्षण-आधारित कैरियरों का पता लगाने में सहायता मिलेगी। फरवरी के अंतिम सप्ताह में विदेश यात्रा करने वाले और 14 दिनों तक क्वेरेंटीन में रहने का निर्देश दिए लोगों की इससे निगरानी हो सकेगी कि उनमें संक्रमण के लक्षण विकसित हुए या नहीं। स्वत: क्वेरेंटीन केवल विदेश यात्रा करने वाले लोगों के लिए नहीं, बल्कि उनकी वापसी के बाद उनसे संपर्क रखने वाले मित्रों और रिश्तेदारों के लिए भी है। दुनिया भर और भारत में बिना लक्षणों वाले कोविड-19 के संवाहक चिकित्सा समुदाय के लिए चिन्ता का विषय हैं। इसका कारण खासकर देश में ऐसे अनेक मामले हैं जो क्वेरेंटीन से भाग कर जनता में घुल-मिल गए तथा अपनी गैर-जिम्मेदारी से समुदाय में संक्रमण फैलने की आशंका पैदा की। पूना के वाइरस-विज्ञानी मीनल भोंसले ने बच्ची को जन्म देने से ठीक एक दिन पहले अपनी टीम की सहायता से वाइरस परीक्षण की पहली भारतीय किट तैयार की है। यह किट केवल 6 सप्ताह के रिकार्ड समय में तैयार हुई और अब उसका पहला बैच बाजार में आ गया है जो एक त्वरित व सस्ता परीक्षण विकल्प है। वाहन निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा की मुंबई व नासिक विनिर्माण इकाइयों ने केवल 48 घंटे में एक एंबू बैग वेंटीलेटर विकसित किया जिसकी कीमत केवल 7,500 रुपये है। यह स्वदेशी

बैग वाल्व-मास्क स्वयं फूलने वाला एक उपकरण है जिसका प्रयोग श्वसन समस्याओं वाले रोगियों की सहायता में किया जाता है और यह कोरोना रोगियों के लिए वेंटीलेटरों की कमी का भारतीय समाधान है। रक्षा शोध एवं अनुसंधान संस्थान-डीआरडीओ 'बहु-रोगी वेंटीलेटर' विकसित करने का प्रयास कर रहा है जिसका प्रयोग कई रोगियों द्वारा किया जा सकेगा। यदि भारत में कोविड-19 संक्रमण बढ़ता है तो वेंटीलेटरों की मांग बढ़ सकती है जिनकी संख्या वर्तमान समय में केवल 40,000 है।

इन प्रयासों से स्पष्ट है कि संकट का समय आने पर भारतीय मेधा बहुत तेजी से काम कर उन सवालों के जवाब तलाशती है जो वर्तमान समय में भी दुनिया को परेशान कर रहे हैं। सारी दुनिया में भारतीय मेधा की प्रशंसा होती है और विज्ञान व आविष्कार के क्षेत्र में सम्मानित संस्थानों में भारतीय सर्वोच्च पदों पर हैं। इससे यह संकेत भी मिलता है कि भारत में शोध एवं खोज सुविधाओं में प्रोत्साहन की कमी है। सर्वाधिक बुद्धिमान भारतीय अक्सर विदेशी संस्थानों में अपनी प्रतिभा दिखाते हैं जो भारतीय संस्थानों की तुलना में उनकी प्रतिभा का ज्यादा सम्मान करते हैं। यह कोई रहस्य नहीं है कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में छात्रों को खोज व आलोचनात्मक सोच का अवसर नहीं मिलता है। शिक्षा प्रणाली में सुधार कर आलोचनात्मक सोच व खोज को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। प्रयोग-आधारित उच्च शिक्षा व्यवस्था के अभाव में उल्लेखनीय उद्यमों को बढ़ावा नहीं मिलता है तथा अधकचरे लोगों का प्रभुत्व स्थापित होता है। कोरोना महामारी ने एक बार फिर हमारे स्वदेशी वैज्ञानिकों व आविष्कारकों को बढ़ावा दिया है। दुनिया की एक सर्वाधिक नौजवान जनसंख्या वाले देश के रूप में हमें अपनी क्षमता पहचाननी चाहिए। महाशक्ति बनने के लिए हमें विज्ञान के क्षेत्र में खोज को बढ़ावा देना होगा। हालिया संकट से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय बजट में सामाजिक क्षेत्रों, मुख्यत: स्वास्थ्य व शिक्षा को उच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इसके साथ ही आयुर्वेद विज्ञान का प्रयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए करने हेतु इसे समग्र स्वास्थ्यरक्षा संस्कृति में शामिल किया जाना चाहिए। भारत ने पहले भी समस्याओं पर विजय पाई है और वह निश्चित रूप से सबकी एकजुटता से फिर अपने प्रयास में सफल होगा। आखिरकार हमें अपनी लड़ाई स्वयं लड़नी होगी।

कोरोना के कारण पलायन के निहितार्थ

दिहाड़ी मजदूरों के बड़ी संख्या में गांवों की ओर पलायन ने प्रधानमंत्री द्वारा इक्कीस-दिवसीय लॉकडाउन के आह्वान को मजाक बना दिया है। इस मानवीय संकट के क्या कारण हैं।

संध्या जैन
लेखिका वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

यदि मिलीभगत नहीं तो भी यह विचित्र संयोग है कि कुछ ट्विटर हैंडल देश की प्रचंड बहुमत से बनी सरकार से कोरोना वाइरस संक्रमण संकट से निपटने की मांग करते हैं और इसके साथ ही शनिवार, 28 मार्च को दिल्ली की मलिन बस्तियों से हजारों दिहाड़ी श्रमिकों का व्यापक पलायन शुरू हो जाता है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 मार्च को घोषित इक्कीस-दिवसीय राष्ट्रीय लाकडाउन का मजाक है। इससे भागने वाले परिवारों ने अपने तथा यात्रा के अंत में अपने मिलने वालों के लिए वाइरस संक्रमण का रास्ता खोल दिया है क्योंकि उनमें इस घातक बीमारी के छिपे संवाहक हो सकते हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुरू में ही आपदा प्रबंधन कानून, 2005 का प्रयोग पलायन रोकने के लिए कर सकते थे। दिल्ली के उप-राज्यपाल तथा 11 जिलों के कलेक्टर भी दोषी हैं क्योंकि उन्होंने इस घटनाक्रम की अनदेखी की तथा संबंधित क्षेत्रों से पलायन शुरू होने पर पूर्ण निष्क्रियता का परिचय दिया। एक नए उप-राज्यपाल शहर की जनता का टूटा विश्वास बहाल करने में सफल होंगे।

हालांकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी स्थिति का नियंत्रण अपने हाथ में लिया। रविवार सवेरे 'मन की बात' में उन्होंने लाकडाउन का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी दी कि वे 'अपने जीवन से खेल रहे' हैं तथा केवल संपूर्ण लाकडाउन ही इस वैश्विक महामारी का एकमात्र समाधान है। उन्होंने चिकित्सा समुदाय से भेदभाव की घटनाओं पर दु:ख प्रकट किया जो इस आपातकालीन समय में दूसरों का जीवन बचाने के लिए अपना जीवन दांव पर लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आवश्यक सेवायें दे रहे सभी लोगों का अभिनन्दन किया।

इसके साथ ही आपदा प्रबंधन कानून, 2005 की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति ने कानून की धारा 10-2-1 के अंतर्गत सभी राज्य व संघशासित क्षेत्र सरकारों को निर्देश दिया कि वे अपना वर्तमान आवास छोड़ कर गृह कस्बों की ओर जाने वाले सभी पलायनकर्ताओं को मानक स्वास्थ्य प्रोटोकाल के अनुसार निकटतम शरणस्थलों पर अनिवार्य 14 दिन के क्वेरेंटीन में रखें। उसने मकान मालिकों से भी कहा कि वे एक महीने तक किराये के लिए दबाव न डालें। इसके बाद केजरीवाल ने सभी प्रवासी श्रमिकों से अपील की कि वे दिल्ली में बने रहें तथा संक्रमित होने या संक्रमण फैलाने का खतरा न मोल लें। उन्होंने राशन सुनिश्चित करने का वादा किया तथा बस स्टेशनों पर थर्मल जांच शुरू करवाई। लेकिन भारतीय जनता पार्टी नेता कपिल मिश्रा ने कहा कि बसें चलाना बंद कर लोगों को राशन उनके घरों पर दिया जाना चाहिए।

शहर के सभी हिस्सों से लोगों के इतने बड़े पलायन के पीछे व्यापक योजना व उसका क्रियान्वयन है। केन्द्र को जिम्मेदारी तय करनी चाहिए कि आखिरकार डीटीसी बसों ने लोगों को शहर भर में क्यों घुमाया, जबकि यह सेवा सवेरे व शाम निश्चित समय पर केवल आवश्यक सेवाओं हेतु सीमित की गई थी। जब हजारों लोग आनन्द विहार बस स्टेशन पर एकत्र हो गए तो उनको वापस उनकी बस्तियों में भेजना लगभग असंभव हो गया था। इनमें से बहुत से लोग उत्तर प्रदेश की सीमा पर पहुंच गए जिससे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आश्चर्यचकित रह गए।

लेकिन उन्होंने अपने घरों को जाने वाले लोगों को भेजने के लिए 1,000 बसें भेजीं ओर राज्य में पिछले तीन दिनों में प्रवेश कर चुके लगभग एक लाख लोगों को 14 दिन के क्वेरेंटीन में भेजने का आदेश दिया। इसका अर्थ है कि अंतत: गुरुवार से स्थिति से निपटने की दिशा में कुछ शुरुआत हुई। सभी जिला मजिस्ट्रेटों को नए आने वालों के विस्तृत विवरण दिए गए हैं जिनमें उनके नाम, पते व फोन नंबर शामिल हैं। इसके साथ ही 60,000 पंचायतों को उनको क्वेरेंटीन करने की जिम्मेदारी संभालने को कहा गया है। उत्तर प्रदेश ने 12 राज्यों में नोडल अधिकारी भेजे हैं जो वहां उत्तर प्रदेश के निवासियों की सहायता करेंगे जिनका वहां बिजनेस है या वे वहां नौकरी करते हैं।

यदि हम इक्कीस-दिवसीय लाकडाउन की प्रभावशीलता नष्ट कर दें तो प्रधानमंत्री के पास इसे और बढ़ाने के सिवा कोई और रास्ता नहीं बचेगा। आर्थिक गतिविधियां बहाल न होने तथा फैक्ट्रियों, दूकानों, कार्यालयों व निर्माण गतिविधियों के फौरन शुरू न होने पर अर्थव्यवस्था को इतना गहरा झटका लगेगा कि उससे उबरने के लिए भारी संघर्ष करना पड़ेगा।

दिल्ली में इस परिघटना से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मीडिया को सुनहरा मौका मिला गया। उन्होंने परिवहन की अनुपस्थिति में अपने घरों को लौट रहे गरीब और भूखे लोगों से बातचीत की, लेकिन उनसे यह नहीं पूछा कि राष्ट्रीय लाकडाउन के समय वे क्यों जा रहे हैं। अल जजीरा ने पेंटर राम भजन निसार से बातचीत की जो अपनी पत्नी, दो बच्चों व 11 अन्य लोगों के साथ दिल्ली से 650 किलोमीटर दूर नेपाल सीमा पर गोरखपुर के अपने गांव जा रहा था। उसने स्वीकार किया कि रात में एक बस उसके परिवार को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में सीमा तक लाई थी। वहां से उसने एक ट्रैक्टर ट्राली की सवारी की तथा एक गुरुद्वारे में भोजन किया। उसे उम्मीद थी कि सरकार उसके गांव तक जाने के लिए परिवहन उपलब्ध कराएगी। इसी प्रकार सैकड़ों अन्य लोगों को दिल्ली से सटे गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर की ओर जाते देखा गया।

बिहार और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने दिल्ली सरकार से नाराजी व्यक्त की कि उसने राष्ट्रव्यापी लाकडाउन का उल्लंघन कर लोगों के भारी आवागमन की अनुमति दी तथा संबंधित राज्यों को कोई चेतावनी भी नहीं दी। स्पष्ट रूप से ऐसे समय प्रतियोगी एक्टिविज्म या राजनीति के बजाय राज्यों में सहयोग की जरूरत है ताकि लोगों का जीवन बचाया जा सके।

हजारों परिवारों के इस पलायन का पहला उद्देश्य बिहार प्रशासन को संकट में डालना था क्योंकि उसे फौरन इन लोगों के लिए भोजन, शरणस्थल, कोरोनावाइरस स्क्रीनिंग व क्वेरेंटाइन की आवश्यकता होगी। इस मामले में तैयारी की कमी से चुनाव वर्ष में नीतीश कुमार सरकार की परेशानी बढ़ेगी।

यदि हम इक्कीस-दिवसीय लाकडाउन की प्रभावशीलता नष्ट कर दें तो प्रधानमंत्री के पास इसे और बढ़ाने के सिवा कोई और रास्ता नहीं बचेगा। आर्थिक गतिविधियां बहाल न होने तथा फैक्ट्रियों, दूकानों, कार्यालयों व निर्माण गतिविधियों के फौरन शुरू न होने पर अर्थव्यवस्था को इतना गहरा झटका लगेगा कि उससे उबरने के लिए भारी संघर्ष करना पड़ेगा। व्यावहारिक रूप से केन्द्र ने लाकडाउन के ठीक पहले छोटे व मझोले विनिर्माण क्षेत्र के लिए अनेक प्रोत्साहनों की घोषणा की थी। यह क्षेत्र रोजगार देने का बड़ा स्रोत है और इसे जल्दी से अपने पैरों पर खड़ा करने की जरूरत है।

क्या उत्तर प्रदेश व बिहार के श्रमिकों को राजधानी से पलायन की प्रेरणा देने के पीछे कोई और कारण हो सकता है? यह कहना कठिन है, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि इस आपाधापी में बांग्लादेश के अवैध आप्रवासियों की कोई भूमिका नहीं है। इनमें बांग्लादेशी व रोहिंग्या, दोनों शामिल हैं। उन्होंने संकट के दौरान भोजन, रोजगार या शरणस्थल के बारे में कोई शिकायत नहीं की है, न घर वापस जाने की इच्छा दिखाई। कुछ दयालु लोग उनकी देखभाल कर रहे हैं।

गांवों की ओर पलायन के चाहे जो कारण हों, इसने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर-एनपीआर की तत्काल आवश्यकता उजागर कर दी है ताकि देश में विस्थापन और रोजगार अवसरों का पता लगाया जा सके। यह भविष्य में आर्थिक नियोजन के लिए आवश्यक है।

बेग़म ज़िया की रिहाई से नई शुरुआत के संकेत

"लगता है कोविड-19 महामारी के कारण बांग्लादेश सरकार द्वारा की गई बेगम ख़ालिदा जिया की सशर्त रिहाई से नई शुरुआत होने जा रही है।

जोइता भट्टाचार्जी
(लेखिका आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में वरिष्ठ फेलो हैं)

कोविड-19 के प्रकोप ने लगभग सारी दुनिया की गति रोक दी है तथा भू-राजनीति पर पड़ने वाले इसके प्रभाव ने दुनियाभर का ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि, किसी देश की आंतरिक राजनीति पर इस महामारी के प्रभाव पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सभी प्रकार की हताशाओं व निराशाओं के बीच, बांग्लादेश दक्षिण एशिया में अथवा शायद सारे विश्व में पहला ऐसा देश है जहां महामारी के प्रसार का देश की राजनीति पर सकारात्मक असर पड़ा है।

बांग्लादेश के दो बड़े राजनीतिक दलों के बीच प्रतिद्वंद्विता ऐतिहासिक है तथा यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सत्ताधारी अवामी लीग और विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच परस्पर कोई लगाव अथवा साझा मुलाकात का आधार भी नहीं है। हालांकि, चंद दिन पूर्व, राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को दरकिनार करते हुए, सत्ताधारी अवामी लीग सरकार ने, बीमार चल रही बीएनपी की अध्यक्ष एवं दो बार प्रधानमंत्री रह चुकी, बेगम ख़ालिदा ज़िया को मानवीय आधार पर जेल से रिहा कर दिया। बेग़म ज़िया को तात्कालिक चिकित्सीय उपचार हेतु छह महीने के लिए मुक्त किया गया है।

ज़िया अपने पति एवं पूर्व सैन्य तानाशाह जनरल जियाउर्रहमान के नाम पर चलने वाले एक परमार्थ संगठन के धन का दुरुपयोग करने के आरोप में पांच साल कारावास की सजा काट रही थीं। बेग़म ज़िया की रिहाई का देश के लोगों ने स्वागत किया और देश की राजनीति में ऐसे रूपांतरण की नई उम्मीद जागी है जो अब मुद्दों पर अधिक आधारित हो। बेग़म ज़िया 74 वर्ष्ा की हैं तथा मधुमेह एवं संधिवात जैसी असाध्य व्याधियों से पीड़ित हैं। बीएनपी द्वारा दावा किया जा रहा था कि उनकी सेहत बिगड़ रही है और उपचार के लिए उनकी तात्कालिक रिहाई की मांग की जा रही थी। पूर्व में, उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी और उनकी रिहाई के लिए सरकार से बीएनपी की दलील का भी अनदेखा कर दिया गया था। अब, माना जा रहा है कि कोरोनावायरस के फैलने के कारण अवामी लीग सरकार के इस मुद्दे पर दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और बेग़म ज़िया ढाई साल तक अपनी आधी सजा काटने के बाद रिहा कर दी गईं।

सजायाफ्ता नेत्री का रिहा करने के सरकार के निर्णय के पीछे उद्देश्य का विश्लेषण करते हुए देश के राजनीतिक टिप्पणीकारों का मत है कि उनकी बढ़ती आयु को ध्यान में रखते हुए, बेग़म ज़िया उन अधिक कमजोर लोगों के समूह में आती हैं जो कोरोनावायरस से प्रभावित हो सकते हैं और सरकार इस संबंध में किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचना चाहती है। अन्य देशों की भांति, कोरोनावायरस बांग्लादेश में भी फैल गया है। वहां 49 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है और पांच लोगों की पहले ही मौत हो चुकी है। विविध देशों से आने वाले लोगों ने देश के लिए जोखिम बढ़ा दिया है, इसलिए, सरकार चिंतित है। हालांकि, बेग़म ज़िया, की रिहाई के लिए कुछ शर्तें रखी गईं हैं तथा उनके विदेश जाने पर प्रतिबंध है। कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के हताशापूर्ण प्रयासों के तहत, वैश्विक महामारी के फैलने के पश्चात अधिकतर देशों द्वारा सीमाओं पर कठोर नियंत्रण लागू किए जाने एवं विदेशियों के प्रवेश पर प्रतिबंध चलते, ढाका द्वारा लगाए गए ऐसे प्रतिबंधों से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला।

बेग़म ज़िया ढाका स्थित अपने आवास में रहेंगी और बाग्लादेशी डाक्टर उनका उपचार करेंगे। यह देखते हुए कि सामाजिक दूरी कायम रखना इस वायरस के विरुद्ध सर्वाधिक उपयुक्त निरोधात्मक उपाय माना जा रहा है, देश में उनकी मौजूदगी अवामी लीग सरकार के लिए चिंता का विषय नहीं होगी क्योंकि उनकी पार्टी व समर्थक लाकडाउन के इस दौर में कोई लाभ नहीं उठा पाएंगे।

हालांकि, बेग़म ज़िया की रिहाई से राजनीतिक रूप से पुन: ऊपर उठने के लिए स्थिति का लाभ उठाने की उनकी पार्टी की क्षमता को लेकर कुछ संदेह भी व्यक्त किए गए हैं। अधिकतर बांग्लादेशियों को उम्मीद है कि वर्तमान स्थिति में तथा वैश्विक एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त गंभीर परिस्थितियों के चलते, देशों में राजनीतिक दल किसी भी प्रकार के राजनीतिक संकट अथवा विरोध प्रदर्शन में सहभागी नहीं होंगे व जिम्मेदारी समझेंगे। बीएनपी द्वारा स्थिति का लाभ उठाने के किसी भी प्रयास पर आमजन तथा सरकार की कड़ी नजर रहेगी जिससे कि इस कठिन समय में किसी भी अप्रत्याशित स्थिति पैदा होने से रोका जा सके।

महामारी के खिलाफ सरकार द्वारा किए जा रहे संघर्ष में मदद करने के अलावा, राजनीतिक स्थिरता पड़ोसी देशों के साथ देश के संबंधों को मजबूत करने में भी योगदान करेगी, खासकर भारत, जिसके साथ उसकी दो तिहाई सीमा लगती है। प्राय:, नई दिल्ली औा ढाका के बीच द्विपक्षीय संबंध दोनों राजनीतिक दलों के बीच विद्यमान प्रतिद्वंद्विता के शिकार रहे हैं। इसका इस्तेमाल दोनों राजनीतिक दलों द्वारा परस्पर आलोचना हेतु किया जाता रहा है। सामान्य रूप से, भारत-बांग्लादेश संबंध अवामी लीग के शासन के दौरान श्रेष्ठ स्थिति में माने जाते हैं, इसके बावजूद, भारत ने बीएनपी शासन के दौरान भी सदैव सद्भावपूर्ण कार्य संबंध बनाए रखे। लेकिन विदेश मंत्रालय के लिए वह दौर हमेशा कठिनाईयों भरा रहा है। बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता का होना भारत का भी सपना रहा है क्योंकि इससे देश के लोगों की बेहतरी में वृद्धि होती है और क्षेत्रीय समृद्धि एवं सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है।

मानवता शताब्दी कीह सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही है और कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष सभी के सहयोग पर निर्भर करता है। उम्मीद है कि बांग्लादेश में राजनीतिक दलसंकट से लड़ने में मिलकर काम करेंगे और एक ऐसा नया इतिहास बनाएंगे जो उनके देश कीसुरक्षा व समृद्धि बढ़ाने में योगदान करेगा। इससे बांग्लादेश की वैश्विक छवि भी बेहतर होगी क्योंकि दुनिया ने उसकी सुधरती हुई एवं बढ़ती अर्थव्यवस्था का संज्ञान लेना प्रारम्भ कर दिया है।

आप की बात

पलायन ने तोड़ा लॉकडाउन

कोरोना वायरस की चपेट में लगभग पूरी दुनिया आ चुकी है । वहीं चीन अब इस वायरस से अब बाहर आ रहा । लॉकडाउन का उपयोग चीन ने भी किया था जिसके चलते आज यहाँ के हालात अब सुधर रहें हैं । भारत में भी यह लॉकडाउन समय पर तो हुआ मगर सफल होते हुए दिखाई नहीं दे रहा है । इसकी वजह है हज़ारों लोगों का पलायन। लॉकडाउन के बीच भारी मात्रा में लोग सड़क पर हैं और और अपने घर जाने की उम्मीद लगाए हैं। अपने घर को जाने के लिए ये लोग पैदल ही एक राज्य से दूसरे राज्य के लिए निकल रहें हैं । इन सबको पलायन करते देख राज्य सरकारों ने बस चलवाने का निर्देश दिया है ताकि यह सब अपने घर पहुंच जाए और लॉकडाउन का पालन सही तरीके से हो सके । एकतरफ जहाँ पूरे देश में लॉकडाउन को पालन करने की बात हो रही है तो वहीं दूसरी ओर पलायन लॉकडाउन पर भारी पड़ते हुए दिखाई दे रहा है । जबसे लॉकडाउन करने का निर्देश ज़ारी हुआ है तब से कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में तेज़ी से बढ़ोतरी हो रही है । जब तक यह लोग अपने घर तक नहीं पहुंचेंगे तब तक देश में लॉकडाउन करने का असर नहीं दिखाई देगा और अगर स्थिति ऐसी ही रही तो आने वाले समय में कोरोना भारत में तबाही मचा देगा।

– **यशस्वी सिंह**, प्रयागराज

वक्त है कदमों को रोकने का

आज जब समूचा संसार कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहा है तब हाथों में लिए एंड्राइड फोन वाली युवा नस्ल को घरों में अपने पैरों को रोंक लेने की सख्त जरूरत है उनको ये भी जानना जरूरी है कि वो न सुपरमैन हैं और न ही सुपरवुमन! आज यदि हम थोड़ी सी भी सतर्कता बरतते हैं तो महामारी के दुष्प्रभावों को रोंकने में सहभागिता निभाते हुए कई मां, बहनों की मांगों को सुना होने, तथा कई घरों की खुशहाली को मिटने से बचा सकते हैं। साथ ही साथ कई किलकारियों को नया जीवन देने में सहयोग करेंगे। अभी देर नहीं हुई, हमें अपने पैरों को संभाल लेने का! आजादी की लड़ाई को गांधी, पटेल, आजाद, भगत, विस्मिल समेत कई क्रांतिकारीयों ने एक साथ एकजुट होकर अंग्रेजी हुकूमत की नाक में पानी करके अंग्रेजों को घुटने टेकने पर मजबूर करवाते हुए भारत माता के लिए अपने प्राण प्रणसय की आहुति दे दी, ठीक उसी प्रकार की एकजुटता की जरूरत आज फिर एक बार भारत के भारतीय लोंगों को कोरोना जैसी महामारी को भगाने के लिए करनी होगी यदि हम इस संकट की घड़ी में एकजुट होकर साथ नहीं दिए तो देश के लिए मर-मिटने वाले हजारों वीरों की बलिदानी को कैसे सलाम करेंगे!

– **अभिनंदन भाई पटेल**, लखनऊ

मजबूर हैं मजदूर

आनंद विहार में उत्तर प्रदेश, बिहार विभिन्न राज्यों के मजदूरों एवं कामगारों का अपने घर जाने के लिए हुजूम उमड़ पड़ा। वैसे तो लाकडाउन का विरोध कोई भी नहीं करना चाहता किंतु जो लोग जीविका चलाने के लिए बेघर हैं वह अपने घरों में सुरक्षित होना चाहते हैं हालांकि सरकारों ने कई तरह के इंतजाम किए हैं लेकिन लोगों को यह लगता है कि अपने घर में ही सुकून की सांस मिल सकती है। आजादी के बाद शायद ही कभी किसी को ऐसा दृश्य देखने को मिला हो कि लोग अपने सिर पर सामान और बच्चे, पत्नी को लेकर घर की ओर पैदल ही रवाना हो रहे। इस तरह की भीड़ को देखकर आप खुद ही अंदाजा लगा आने वाले समय की स्थिति बहुत ही भयावह होगी। मजदूर मजबूर हैं ना कि विरोध में ऐसा कर रहे हैं। मजदूरों का कई सौ किलोमीटर की पैदल यात्रा के लिए निकलना यह उनके साहस को दिखाता है, भविष्य में जब भी स्थिति सामान्य होगी। क्या वे मजदूर दोबारा वापस काम के लिए अपने घरों से इतनी दूर जाएंगे? खैर यह तो वक्त ही बताएगा।

– **हर्षवर्धन चौहान**, रायबरेली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

कोरोना महामारी के देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के लिए सभी को तैयार रहने की आवश्यकता है। क्योंकि आर्थिक गतिविधियां ठप हो गई हैं।
– **शरद पवार**
राकांपा प्रमुख

कोविड-19 से निबटने के लिए भारत द्वारा आकस्मिक निधि गठित करने एवं सूचनाओं, ज्ञान व विशेषज्ञों के आदान-प्रदान हेतु इलेक्ट्रानिक मंच निर्मित करने की पहल का मैं स्वागत करता हूं।
– **दलाई लामा**
आध्यात्मिक नेता

उत्तर-पूर्व के लोगों पर हमलों की घटनाओं के वीडियो देखकर तथा नस्ली भेदभाव की प्रवृत्ति को लेकर मैं आहत हूं। पीएम मोदी फौरन कार्रवाई करें।
– **जोरनथंगा**
मिजोरम के मुख्यमंत्री

लॉकडाउन को और प्रभावी बनाने के लिए पेट्रोलिंग बढ़ाएं: योगी

तीन दिनों में अन्य राज्यों से आए लोगों को उनके गांवों में भेजने से पहले जनपद स्तर पर शेल्टर होम्स स्थापित कर क्वारेन्टाइन में रखा जाए

● शेल्टर होम्स में स्वास्थ्य विभाग की टीम लगायी जाए तथा इनमे रखे गए लोगों की नियमित थर्मल स्कैनिंग की जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना वायरस कोविड-19 पर नियंत्रण के लिए लाकडाउन व्यवस्था को शतप्रतिशत सफल बनाना होगा। इसके दृष्टिगत लाकडाउन व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ायी जाए।

मुख्यमंत्री मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर कोरोना वायरस कोविड-19 पर नियंत्रण हेतु लागू लाकडाउन व्यवस्था की समीक्षा हेतु आहूत बैठक में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विगत तीन दिनों में अन्य राज्यों से आए लोगों को उनके गांवों में भेजने से पहले जनपद स्तर पर शेल्टर होम्स स्थापित कर क्वारेन्टाइन में रखा जाए। आवश्यकतानुसार विद्यालयों, सामुदायिक केन्द्रों आदि को शेल्टर होम्स में परिवर्तित कर लिया जाए। शेल्टर होम्स में सोशल डिस्टैंसिंग का पूरा ध्यान रखा जाए। शेल्टर होम्स में भोजन, पेयजल, दवा आदि की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शेल्टर होम्स में स्वास्थ्य विभाग की टीम लगायी जाए तथा यहां रखे गए लोगों की नियमित थर्मल स्कैनिंग की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अतिरिक्त एक वरिष्ठ अधिकारी को प्रभारी बनाकर तैनात किया जाए। यह अधिकारी सम्बन्धित जनपद में कैम्प करें। तैनात अधिकारी के साथ एक टीम की भी नियुक्ति की जाए। नियुक्त अधिकारी व टीम का समुचित प्रशिक्षण कराए जाने के साथ ही उन्हें वेल इक्युप्ड भी किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपीई किट व मास्क आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी सप्लाई चैन बनायी जाए। पीपीई किट व एन.95 मास्क की गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाए। कोरोना वायरस कोविड-19 की जांच हेतु टेस्टिंग किट की संख्या बढ़ायी जाए। उन्होंने कहा कि आइसोलेशन वार्ड और क्वारेन्टाइन वार्ड अलग-अलग बनाए जाए। उन्होंने कहा कि आर्मी मेडिकल कोर व केन्द्र तथा राज्य सरकार के सेवानिवृत्त चिकित्सकों की सेवाएं भी ली जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के मार्गनिर्देशों के अनुरूप सामानों के परिवहन की अनुमति प्रदान की जाए। नोडल अधिकारी तैनात कर सिस्टमैटिक तरीके से सोशल डिस्टैंसिंग का पालन करते हुए राशन का वितरण कराया जाए। राशन वितरण स्थलों पर सेनीटाइजर आदि की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। बैंकों में भी सोशल डिस्टैंसिंग का पालन कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में आवश्यक वस्तुओं की रेटलिस्ट जारी कराकर कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। कम्युनिटी किचन व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए। प्रत्येक जनपद में अनिवार्य रूप से कम्युनिटी किचन का संचालन कराया जाए। आटा, दाल व तेल मिलों का संचालन कराया जाए। बैठक में मुख्य सचिव आरके तिवारी ने बताया कि गुजरात, केरल, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु आदि राज्यों में रह रहे प्रदेशवासियों की भोजन, निवास आदि समस्याओं का समाधान कराया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा ने बताया कि विभिन्न संस्थाओं से भोजन प्राप्त करने व उसके वितरण के लिए एक मोबाइल एप विकसित कराया जा रहा है। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन ने अवगत कराया कि फ्लोर मिलों व आटा चक्कियों को गेहूं की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा रही है। निर्माण श्रमिकों को आर्थिक सहायता की भुगतान के लिए कार्यवाही की जा रही है। इस सम्बन्ध में एक मोबाइल एप भी विकसित कराया जा रहा है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक हितेश सी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल एवं संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, सूचना निदेशक शिशिर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आईएएस अफसरों को कोरोना पर विजय प्राप्त करने का दिया गया टारगेट

● नरेंद्र भूषण को सीईओ ग्रेटर नोएडा का अतिरिक्त प्रभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना पर विजय पाने के लिए योगी युद्ध स्तर पर काम रही है। नोएडा मामले के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर प्लान पर नजर बनाए हुए हैं। विकास गोठवाल को सभी समितियों के साथ समन्वय बनाने को कहा गया है। ताकि समिति को कहीं कोई समस्या आए तो तुरंत संबन्धित जिले के अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर राहत कार्य को तेज कर सकें। नरेंद्र भूषण को मुख्य कार्यपालक ग्रेटर नोएडा के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद 11 समितियों की बैठक में हर समिति के अध्यक्ष को प्रतिदिन का ब्योरा भी देना पड़ रहा है। उधर नोएडा में नए डीएम के रूप में मंगलवार को कार्य भार संभालने के बाद सुहास एलवाई ने सभी संबन्धित अधिकारियों के साथ बैठक करके हालात का जायजा लिया और सीज फायर फैक्ट्री को सीज कर दिया है। मुख्यमंत्री प्रतिदिन कोरोना पर विजय प्राप्त करने के लिए गठित समितियों के साथ बैठक कर रहे हैं और प्रतिदिन उन्हें एक नया लक्ष्य दिया जा रहा है। उसे 24 घंटे के अंदर अधिकारियों को उसे पूरा भी करना पड़ रहा है। चाहे वह जिलों में क्वारेंटाइन किए गए लोगों की सूची मुख्यमंत्री भेजने का काम हो या सभी जिलों में बनाए गए क्वारेंटाइन सेंटर के इंतजामात हो सब पर प्रतिदिन रिपोर्ट सीएम कार्यालय को भेजनी पड़ रही है। मंगलवार को हुई सीएम की समीक्षा बैठक में सभी समितियों के अध्यक्षों ने अब तक की गई कार्रवाई का ब्योरा रखा और योगी ने बुधवार के लिए अलग-अलग समितियों को नया टारगेट दिया है।

पुलिस से किसी भी मायने में पीछे नहीं है पीएसी

● ऑपरेशन सहयोग के तहत भूखे प्यासे लोगों को लंच पैकेट बिस्कुट व पानी की बॉटल वितरित कर रहे हैं जवान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस के विश्वव्यापी संकट को लेकर प्रदेश में चल रहे लॉक डाउन के दौरान गरीबों व असहाय की मदद करने में पीएसी भी उत्तर प्रदेश पुलिस से किसी मायने में पीछे नहीं है। पीएसी कर्मी भी अपने दायित्व का निर्वहन करने के साथ ही सामाजिक सहयोग में भी जोर शोर से जुटे हुए हैं। पीएसी द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन सहयोग काफी प्रभावी साबित हो रहा है।

एडीजी पीएसी बिनोद कुमार सिंह द्वारा कोरोना संक्रमण के विरुद्ध प्रभावी रणनीति बनाते हुए सर्वप्रथम पीएसी जवानों में कोरोना वायरस के बारे में जागरूकता लायी गई । उन्हें संक्रमण से बचाव के बारे में लगातार ब्रीफिंग की जा रही। वाहिनियों, व्यवस्थापन स्थल एवम ड्यूटी पॉइंट की साफ सफाई ,सेनीटेशन व सावधानी बरतने पर जोर दिया गया। पीएसी जवानों के आवासीय परिसर की नियमित साफ सफाई एवम सेनेटायजेशन किया जा रहा है, खाद्य सामग्री सहित सभी आवश्यक वस्तुएं की उपलब्धता वाहिनी परिसर में सुनिश्चित कराते हुए लॉक डाउन का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रत्येक पीएसी विहिनी परिसर में स्थिति अस्पतालों में आइसोलेटेड वार्ड बनवाये गए हैं तथा रंच मात्र तबियत खराब होने पर पीएसी जवानों का सघन इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है। सभी पीएसी जवानों को वायरस संक्रमण से बचने हेतु मास्क एवम सेनेटाइजर प्रदान किये गए हैं, इस निमित्त पीएसी प्रमुख ने सभी पीएसी की 33 वाहिनियों, एसडीआरएफव विशेष परिक्षेत्र सुरक्षा वाहिनी को अतिरिक्त आर्थिक अनुदान प्रदान किया है। पीएसी प्रमुख द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। पीएसी प्रमुख द्वारा पीएसी जवानों को सुरक्षित करते हुए विश्व व्यापी कोरोना संक्रमण त्रासदी से निपटने में सहयोगार्थ प्रदेश की सभी पीएसी इकाइयों, विभिन्न जनपदों के व्यवस्थापनों से पीएसी जवानों द्वारा ऑपरेशन सहयोग चलाया जा रहा है। जिसके तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यवस्था व्यवस्थापित पीएसी जवानों द्वारा भूखे प्यासे लोगों को लंच पैकेट, बिस्कुट , पानी की बॉटल इत्यादि प्रदान किया जा रहा है।

बंद 104 आटा मिलों को जल्द चालू कराया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन की अध्यक्षता में बनी समिति में तीन सदस्य हैं जो कि प्रमुख सचिव हैं। यह समिति प्रदेश के औद्योगिक इकाईयों से बात कर वहां काम करने वाले मजदूरों के वेतन उनके रहने-खाने की व्यवस्था का इंतजाम देख रही हैं। मुख्यमंत्री समीक्षा बैठक में आलोक टंडन ने सीएम को अपनी समिति द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट बताई। समिति के अनुसार प्रदेश में स्थापित फ्लोर मिलों, आटा चक्की के संचालन की भी सूचना प्राप्त की जा रही है। 228 मिलों का संचालन हो रहा है, 28 मिलें गेहूं के अभाव में पूरी क्षमता से कार्य नहीं कर पा रही हैं एवं 104 इकाईयां बंद है जिन्हें शीघ्र ही संचालित किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश के ईंट भट्ठों का संचालन आरम्भ कराया जा रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार अब तक इस समिति ने फैक्ट्रियों में कार्यरत मजदूरी को कार्यस्थल पर ही रोकने के लिए 11071 इकाईयों से वार्ता की जिसमें से 9500 इकाईयां इस पर सहमत हुई हैं। 4500 इकाइयां अपने परिसरों में ही मजदूरों के भरण-पोषण की व्यवस्था कर रही हैं। 3930 इकाईयों द्वारा लॉकडाउन अवधि में ही मजदूरी का भुगतान किया गया है। समिति ने यह पाया कि अधिकांश फैक्ट्रियों द्वारा वेतन प्रत्येक माह के 1 से 7 तारीख के मध्य वितरित कर देती है। 2366 इकाईयां जो चालू हैं। 417 इकाईयों में कर्मचारियों को पास की समस्या है। निर्माण कार्यों से जुड़े 9.63 लाख श्रमिकों को 1000 रूपये की धनराशि 96.30 करोड़ उनके बैंक खातों में हस्तान्तरित कर दी गई है। इसमें रुपया 14.30 करोड़ का भुगतान मंगलवार को किया गया है। प्रदेश की पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेन्टस, मास्क निर्माण की 30 इकाईयों में से 27 यूनिट क्रियाशील हैं, शेष इकाईयों को शीघ्र क्रियाशील करने की दिशा में कार्यवाही की जा रही है।

किसानों के खातों में तत्काल भेजी जाए मुआवजे की राशि: लल्लू

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर देवी आपदा का शिकार हुए किसानों के खातों में अपने वायदे के अनुसार तत्काल मुआवजा की राशि भेजने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में लल्लू ने लिखा है कि कोरोना महामारी से पूरा जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। पूरा प्रदेश संकट से गुजर रहा है। आपको याद होगा कि आपने ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश की मार खाये किसानों को मुआवजा देने की घोषणा की थी। वे मुआवजे की राह देख रहे हैं। बची खुची फसल उनके खेतों में पक कर खड़ी है । किसानों के पास फूटी कौड़ी भी नहीं है, ऐसे में मुआवजा उनके लिए बड़ी राहत होगी। तत्काल उनके खाते में मुआवजा राशि भेजी जाए। लल्लू ने लिखा है कि वर्तमान समय में किसानों, आम आदमियों एवं छोटे दुकानदारों के पास कुछ भी नहीं बचा है। ऐसे में प्रदेश के किसानों, व्यापारियों ,आम आदमियों एवं छोटे दुकानदारों के लिए बिजली का बिल दे पाना मुश्किल है। ऐसे में कम से कम 6 माह के बिजली का बिल माफ किया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई है कि किसानों, व्यापारियों, आम आदमियों एवं छोटे दुकानदारों की तरफ से उनकी इस गुजारिश की मुख्यमंत्री अनदेखी नहीं करेंगे।

सरकारी राहत कार्यों की पूरी व्यवस्था पारदर्शी हो: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकारी राहत कार्य ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। वह भी पता नहीं कब पहुंचेगी, सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और पूरी व्यवस्था पारदर्शी बनानी चाहिए अन्यथा जाने कितने नोएडा बन जायेंगे, जहां तक सरकारी योजनाओं का प्रश्न है सरकार को लगातार समीक्षा करते रहना आवश्यक है अन्यथा मदद और सरकारी योजनाऐं कहीं धरी की धरी न रह जाये और राहत कार्य हवा-हवाई न हो जाये। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य के प्रत्येक जनपद में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं विधायकगण पूरी निष्ठा से उन तमाम जरूरतमंद लोगों को राहत कार्य पहुंचाने में जुटे हुए हैं जिनको आवश्यकता है। लेकिन कहीं-कहीं जनपदों से यह शिकायत भी आना दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तरह के राहत कार्यों में लगे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है और आरएसएस एवं भाजपा कार्यकर्ताओं को छूट दी जा रही है। लगता है यह सब प्रशासनिक स्तर पर पक्षपात के कारण हो सकता है। उन्होंने कहा कि अड़चनों के बाद भी निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी के विधायकगण, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा राहत कार्य में जुटे हुए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार के समय किए गए विकास कार्य, जिन्हें भाजपा नेतृत्व कोसता रहता है, संकट के समय पीड़ितों की मदद के काम आ रहे है, चाहें यूपी 100 जिसका नंबर बदल कर 112 कर दिया है या चाहे अवध शिल्प ग्राम केन्द्र हो। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज की विडंबना ही है कि यहां घुमक्कड़ जातियां है। रोजगार की तलाश में करोड़ों नौजवान विभिन्न राज्यों में आते जाते रहते हैं। किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। छोटा-मोटा काम कर अपना पेट भरने वालों की हालत बहुत बिगड़ गयी है। रोजमर्रा कुआं खोदकर प्यास बुझाना ही भारत के बेबस समाज का वास्तविक परिचय है। सरकार की जि मेदारी है इससे पूर्णतय: परिचित होने की। समाजवादी पार्टी की बार बार यह अपील है कि लॉकडाउन का पूरी तौर पर पालन करना है जिससे इस भयंकर बीमारी पर काबू पाया जा सके। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता गरीबों की मदद के लिए भोजनए दवा की व्यवस्था करना जारी रखेंगे।

तबलीगी जमात के लोग खुद सेल्फ क्वारांटाइन हो प्रशासन को दें सूचना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज़ में विदेशों से पहुंचे तबलीगी जमात के सदस्यों व अन्य लोगों की उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में तलाशी हो रही है। इससे देश के विभिन्न राज्यों में संक्रमण फैलने की आशंका है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के बावजूद दिल्ली में निजामुद्दीन इलाके में स्थित तबलीगी मरकज में मौजूद 24 लोगों के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद संक्रमण की आशंका गहरा गई है।

शिवपाल ने कहा है कि अब आवश्यक है जमात में शामिल होकर विभिन्न राज्यों में वापस लौटे लोग स्वयं को सेल्फ क्वारांटाइन करें और प्रशासन को इसकी सूचना दें। शिवपाल यादव ने ट्वीट कर लोगों से अपील की है। इसके साथ ही प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने कहा है कि मैं सरकार से फिर अपील करता हूं कि को अगर स्वयंसेवकों की आवश्यकता पड़े तो प्रसपा के कार्यकर्ता इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के विरुद्ध पूरा देश संकल्पबद्ध है। इस महामारी की एक बड़ी कीमत समाज का वंचित तबका चुका रहा है, ऐसे में सभी यह भी सुनिश्चित करें कि हमारे आस पास कोई भी भूखा न रहे। सरकार को अगर स्वयंसेवकों की आवश्यकता पड़े तो प्रसपा के कार्यकर्ता इसके लिए तैयार हैं।

पीएम केयर फंड में कार्यकर्ता कम से कम करें सौ रूपए का योगदान: स्वतंत्र देव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अवाहन किया है कि वे कोरोना वायरस संक्रमण की वैश्विक आपदा से निपटने के लिए पीएम केयर फड में कम से कम 100-100 रुपए का योगदान डिजीटल रूप से करने का कार्य करें। साथ ही कम से कम 10 या उससे अधिक लोगों से अपील कर यथासंभव पीएम केयर फंड में 100-100 रुपये की सहयोग राशि जमा कराने के लिए प्रोत्साहित करने का कार्य भी करें। उन्होंने कहा कि पीएम केयर फ ंड में उनका छोटा सा आर्थिक अंशदान कोरोना के खिलाफ लड़ाई में बड़ा योगदान साबित होगा। पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल भी लगातार पार्टी के प्रदेश, क्षेत्र, जिलाध्यक्षों सहित अन्य पदाधिकारियों से लगातार फोन द्वारा संपर्क करके पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा कोरोना संकट के समय जरूरतमंदों-गरीबों की सहायता के लिए चलाये जा रहे अभियान का फ ीडबैक लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दे रहे हैं। बंसल ने पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे स्थानीय स्तर पर शासन प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पूरी सजगता के साथ जरूरतमंदों-गरीबों की मदद करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना वायरस संकट की वैश्विक आपदा के समय पूरा देश एकजुट होकर लड़ाई लड़ रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं को भी इस समय एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में कार्य करते हुए देश व समाज को इस वैश्विक आपदा के संकट से निपटने में अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

खनिज निधि का खजाना भी कोरोना से बचाव व इलाज के लिए खुला

● जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि में उपलब्ध अधिकतम 30 फीसदी धनराशि खर्च कर सकेंगे जिलाधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड-19 कोरोना से बचाव और इलाज के लिए विधायक निधि का नियम शिथिल करने के बाद सरकार ने अब जिलों के खनिज फाउंडेशन न्यास निधि को खर्च करने के नियमों को भी शिथिल कर दिया है। अब इस धनराशि का उपयोग कोरोना से बचाव के उपायों, परीक्षण तथा उपकरणों की खरीद पर किया जा सकेगा।

सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म डा रौशन जैकब ने इस विषय का शासनादेश भी जारी कर दिया है। खनिज मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए जिलों के खनिज निधि से परीक्षण, स्क्रीनिंग और अन्य उपकरणों को खरीद करने संबंधित पत्र जारी किया है। जिसके तहत जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि में उपलब्ध अधिकतम 30 फीसदी धनराशि खर्च करने के लिए नियमों को शिथिल किया गया है। इस धनराशि का उपयोग गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी गाइड लाइन के मुताबिक करने के निर्देश हैं।

उन्होंने बताया कि जिन जिलों में कोविड-19 के पॉजिटिव केस पाए गए हैं, वहां पर जिलाधिकारी, करोना वायरस के नियंत्रण के लिए जिला खनिज निधि से 30 प्रतिशत धनराशि मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स और मिनिस्ट्री आफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर की गाइडलाइन के अनुसार आवश्यक मेडिकल उपकरण की खरीद, स्थापना आदि के लिए उपयोग कर सकते हैं उपयुक्त होगा कि जिलाधिकारी सीएमओ से वार्ता करके क्रय की जाने वाली सामग्री का आंकलन कर लें। जिलाधिकारी फेस मास्क, साबुन, सैनिटाइजर और गरीबों के लिये फूड डिस्ट्रीब्यूशन पर 30 परसेंट धनराशि व्यय कर सकते हैं लेकिन यह शर्त है कि इन जिलों में तब यह धनराशि व्यय कर सकते हैं, जब जिलाधिकारी के पास अन्य किसी निधि में पर्याप्त धन उपलब्ध न हो। डॉ. रोशन जैकब ने जिलाधिकारियों को इस संबंध में यह भी निर्देश दिये हैं न्यास निधि से व्यय की जाने वाली धनराशि का विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन व भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय उत्तर प्रदेश को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इस निधि में हैं 400 करोड़ से अधिक रुपए खनिज निधि में राज्य के जनपदों में 400 करोड़ से भी अधिक रूपये हैं।

पीएम व सीएम रिलीफ फंड में राज्यपाल देंगी 11-11 लाख का योगदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश में कोरोना वायरस के चलते उत्पन्न स्थिति को देखते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा लगातार की जा रही सहयोग की अपील के बीच प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पीएम व सीएम रिलीफ फंड में 11-11 लाख रुपए की मदद देने की बात कही है। साथ ही राज्यपाल ने सीएम रिलीफ फंड में अपने 1 माह के वेतन को देने का निर्णय लिया है। मंगलवार को इसकी पुष्टि राजभवन के सूचना अधिकारी ओपी राय द्वारा की गई है।

देश में कोरोना महामारी के मद्देनजर किए गए लॉकडॉउन के बाद जन सामान्य को विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर चिकित्सा, आवास, भोजन की कठिनाई गरीब, बेसहारा, मजदूर वर्ग और झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों के लिए उत्पन्न हो गई है। देश के विभिन्न हिस्सों से इस वर्ग की समस्याओं के समाधान में केंद्र से लेकर प्रदेश सरकार के साथ ही स्वयंसेवियों संस्थाओं द्वारा लगातार आर्थिक मदद के साथ राशन, भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। इस स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार की तरफ से भी लोगों को सीएम रिलीफ फंड में योगदान देने की अपील की गई है। कोरोना वायरस से उत्पन्न हालात पर लगातार नजर बनाएं प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पीएम व सीएम रिलीफ फंड में 11-11 लाख रुपए के मदद दिए जाने की बात कही है। साथ ही उन्होंने सीएम रिलीफ फंड में अपने एक माह के वेतन को देने का निर्णय लिया है।

राज्यपाल ने जरूरतमंदों के लिए रवाना की राहत सामग्री

● अपने वालंटियर की संख्या बढ़ाए रेड क्रॉस सोसाइटी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को राजभवन से मराठी समाज उत्तर प्रदेश एवं इण्डियन बुलियन ज्वैलर्स संस्था की ओर से 500 पैकेट जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत सामग्री के वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रति पैकेट में सामग्री 5 किग्रा आटा, 5 किग्रो चावल, 2 किग्रा चीनी, 2 किग्रा दाल, 1 किग्रा नमक, 250 ग्राम चाय पत्ती आदि है । यह राहत सामग्री जागरूक नागरिक कल्याण समिति, उम्मीद संस्था लखनऊ तथा आयुक्त लखनऊ के यहां उपलब्ध करायी जायेगी, ये लोग लॉकडाउन से प्रभावित लोगों में वितरित करेंगे।

वहीं राजभवन में राज्यपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई कोरोना पीड़ितों व लॉकडाउन प्रभावितों के संबंध में इंडियन रेडक्रास सोसायटी, उत्तर प्रदेश स्टेट शाखा की बैठक में आनंदीबेन पटेल ने कहा कि संस्था को अपने वालंटियर की संख्या को ओर बढ़ाना चाहिए जिससे लोगों की मदद करने में आसानी हो सके। उन्होंने कहा कि रेडक्रास सोसायटी के पदेन अध्यक्ष जिलाधिकारियों को चाहिए कि संस्थाओं को अधिक से अधिक उपयोग में लायें और उनके सदस्यों के ड्यूटी पास भी जारी करेंए जिससे सामग्री वितरण में कोई कठिनाई न हो। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश रेडक्रास सोसायटी के महासचिव डा श्याम स्वरूप, उपाध्यक्ष डा हिमा बिन्दु नायक सहित अन्य प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। वही राहत सामग्री को रवाना करने के मौके पर प्रदेश अध्यक्ष मराठी समाज उत्तर प्रदेश उमेश पाटिल, धर्मेंद्र गुप्ता, अजय रस्तोगी, आराधना सिंह, सुहेल हैदर, दीपक महेश्वरी, अरविन्द पाठक एवं पवन अग्रवाल उपस्थित थे। राज्यपाल के निर्देश पर राजभवन के आसपास ड्यूटी कर रहे अन्य जनपद के पुलिसकर्मियों को प्रात: 11 बजे एवं सांय 4 बजे चायए बिस्किट व पानी तथा दोपहर 1 बजे 250 लंच पैकेट आज से राजभवन द्वारा वितरित किया जा रहा है, जो आगामी 14 अप्रैल तक वितरित किया जायेगा।

कोरोना के खिलाफ जंग में सरकार की रणनीति पर माकपा ने उठाए सवाल

भाषा। नई दिल्ली

माकपा ने कोरोना संकट से निपटने के लिए सरकार की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इस घातक वायरस का संक्रमण रोकने के बारे में केन्द्र सरकार की ओर से स्पष्ट और सही जानकारी ही नहीं दी जा रही है।

माकपा के महासचिव सीताराम एचुरी ने मंगलवार को कहा कि इस मामले में सरकार की मंशा शुरु से ही सवालों के घेरे में है, इसके कारण यह संकट गहराता जा रहा है। सीताराम एचुरी ने ट्वीट कर कहा, अव्वल तो हमें कोरोना वायरस के संक्रमण के बारे में केन्द्र सरकार से स्पष्ट और सही जानकारी की दरकार है। इस बारे में जायज सवालों पर ध्यान भटकाए जाने के कारण लाखों भारतीयों की जान से खिलवाड़ हो रहा है।

सीताराम एचुरी ने कहा कि अगर सरकार की मंशा साफ है तो स्वास्थ्य मंत्री और गृह मंत्री स्वयं प्रतिदिन देश को स्थिति की जानकारी से अवगत क्यों नहीं कराते हैं। उन्होंने कोरोना के खिलाफ जंग के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति में हो रही देरी के लिए जवाबदेही तय किए जाने की मांग करते हुए कहा कि जिन चिकित्साकर्मियों की सेहत की सुरक्षा सर्वोपरि है, उससे क्यों खिलवाड़ किया जा रहा है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

सीताराम एचुरी ने इस आपदा से निपटने में आर्थिक सहायता के लिए सोमवार को शुरु किए गए कोष पीएम केयर के औचित्य पर भी सवाल उठाते हुए कहा, जब प्रधानमंत्री राहत कोष पहले से ही है तब फिर नए कोष की क्या जरूरत है। नए कोष के बारे में कोई स्पष्टता भी नहीं है, जिसकी वजह से इस पर सवाल उठ रहे हैं। हम यह नहीं भूल सकते हैं कि इस सरकार ने चुनावी बॉन्ड के नाम पर एक हजार करोड़ रुपए गुपचुप तरीके से जुटा लिए।

गुजरातः विदेश से आने के बाद सूरत के 42 लोग लापता

सूरत। गुजरात के सूरत जिले में इस महीने विदेश यात्रा करके आए कम से कम 42 लोग अपने पासपोर्ट में दिए गए पते पर नहीं मिले हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि कोरोना वायरस के मद्देनजर केंद्र सरकार ने गुजरात सरकार को करीब 27,000 लोगों की एक सूची सौंपी थी और पासपोर्ट में दिया उनका पता भी बताया था ताकि उनका पता लगाया जा सके और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी मिल सके। हालांकि 42 लापता में से 16 पलसाना क्षेत्र, नौ बारदोली क्षेत्र, छह-छह लोग चोरायासी और ओल्पाद क्षेत्र से हैं। इसके अलावा तीन मंगरोल और दो कमरेज क्षेत्र से हैं। अधिकारी ने बताया कि विदेश यात्रा से लौटे ज्यादातर लोग मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ और चेन्नई हवाईअड्डे पर आए थे। गुजरात में अब तक 73 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और छह लोगों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में जेएमसी के वर्कर हवा महल के चारों ओर सेनिटाइजर करते हुए।

कोरोना: ममता दीदी लोगो को समझा रही भौतिक दूरी बनाए रखने का तरीका

कोलकता। कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पिछले कई दिनों से बाजारों में जाकर लोगों को एक-दूसरे से भौतिक दूरी बनाए रखने का तरीका समझा रही हैं। वह बाजार पहुंचती हैं और ईंट-पत्थर का कोई टुकड़ा उठाकर अपने इर्द-गिर्द एक गोला खींच लेती हैं। बनर्जी एक के बाद एक गोला खींचकर लोगों को समझाती हैं कि कोरोना वायरस के चलते इस तरह एक-दूसरे से भौतिक दूरी बनाकर रखी जा सकती है। ऐसा ही एक दृश्य पोस्ता बाजार में देखने को मिला। कोई उनकी बात का बुरा नहीं मानता और वे चुपचाप गोलों में आकर खड़े हो जाते हैं। कई लोग एक डिपार्टमेंटल स्टोर के बाहर खुद ही गोले खींचने लगे और उनमें खड़े होकर आवश्यक सामान खरीदने के लिए धैर्य के साथ अपनी बारी का इंतजार करने लगे।

बनर्जी ने अपने हाथ पर लगी धूल को अपनी सफेद साड़ी से पोंछा और अस्पतालों का निरीक्षण करने के लिए अपनी कार की तरफ बढ़ गईं। मुख्यमंत्री स्थिति की समीक्षा करने और सम्मेलनों को संबोधित करने के साथ ही पिछले तीन सप्ताह से नियमित तौर पर लोगों को भौतिक दूरी बनाए रखने के तरीके समझाने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में अब तक कोराना वायरस के 26 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने पीटीआई से कहा कि तृणमूल कांग्रेस का मतलब है ममता बनर्जी। हालांकि सभी राजनीतिक दल पार्टी लाइन से ऊपर उठकर महामारी से मिलकर लड़ रहे हैं। यह केंद्र और सभी राज्य सरकारों के लिए मानवता की भावना के साथ अपना प्रशासनिक कौशल दिखाने का अवसर है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि इस मामले में दीदी (बनर्जी) अन्य लोगों से कहीं आगे हैं।

ऑनलाइन प्लेटफार्मों के जरिए पढ़ाई जारी रखे छात्र : निशंक

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के उद्देश्य से जारी लॉकडाउन के दौरान सरकार ने विद्यार्थियों को घरों में रहते हुए पढ़ाई जारी रखने के लिए स्वयं, दीक्षा, ई-पाठशाला, एनआरओईआर जैसे ऑनलाइन प्लेटफार्म और स्वयंप्रभा चैनल का उपयोग करने का सुझाव दिया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय का कहना है कि, पिछले सप्ताह इन सभी ऑनलाइन प्लेटफार्मों तक छात्रों की पहुंच में तीन गुना वृद्धि हुई है। मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने ट्वीट कर कहा कि स्नातक और स्नातकोत्तर संकाय के छात्र स्वयंप्रभा चैनल का उपयोग कर सकते हैं जहां उनके लिए उपयोगी शैक्षणिक वीडियो भी जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वयंप्रभा चैनल के माध्यम से विधि, सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन, लाइब्रेरी साइंस, इंफॉर्मेशन साइंस, पत्रकारिता जैसे विषयों पर भी शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। लॉकडाउन की अवधि के दौरान विद्यार्थी अपने घरों में रह कर ऑनलाइन प्लेटफार्मों से अपनी पढ़ाई कर सकते हैं।

बीएमसी ने मुंबई में कोरोना प्रभावित इलाकों की जीआईएस मैपिंग शुरू की

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने शहर में कोरोना वायरस प्रभावित इलाकों की जीआईएस मैपिंग शुरू कर दी है और शहर में कोविड-19 के संक्रमण की निगरानी तथा उसे और फैलने से रोकने के लिए वॉर रूम स्थापित किए हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के आयुक्त प्रवीण परदेसी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि जिन इलाकों में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले ज्यादा हैं उनके मानचित्र महानगरपालिका की वेबसाइट पर पोस्ट किए जाएंगे ताकि लोगों को इसकी जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि मानचित्रों की मदद से इन इलाकों के निवासी सतर्क रह कर ज्यादा एहतियात बरत सकते हैं और किसी भी काम के लिए उन इलाकों में जा रहे लोग आसानी से बचाव के उपाय कर सकते हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों - अश्विनी भिडे और डॉ रामास्वामी एन को प्रतिनियुक्ति पर बीएमसी में भेजा है ताकि देश की आर्थिक राजधानी में घातक बीमारी के प्रसार पर लगाम लगाई जा सके।

बीएमसी ने अपने आपदा नियंत्रण कक्ष में कोरोना वॉर रूम भी गठित किया है जो हर वक्त काम करेगा। साथ ही योजना, बचाव एवं वैश्विक महामारी के प्रबंधन संबंधी गतिविधियां यहां की जाएंगी।

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के पूर्व प्रबंध निदेशक भिडे वॉर रूम के समन्वयक के तौर पर काम करेंगे जो कोविड-19 बीमारी का डेटा एकत्र कर उसका आकलन करेगा।

बीएमसी संचालित चार मेडिकल कॉलेजों के अंतिम वर्ष के छात्रों और नर्सिंग कॉलेज के दूसरे एवं तीसरे वर्ष के छात्रों को भी कुछ निश्चित जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी और इसके लिए उन्हें उचित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिवसेना ने कोविड-19 पर टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने कोविड-19 पर बयान को लेकर महाराष्ट्र भाजपा के प्रवक्ता अवधूत वाघ के खिलाफ मंगलवार को कार्वाई की मांग की। पार्टी ने कार्वाई की मांग इसलिए की क्योंकि वाघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लॉकडाउन संबंधी घोषणा की आलोचना करने पर राज्य के मंत्री जयंत पाटिल पर निशाना साधते हुए अजीबोगरीब टिप्पणी की थी। वाघ ने सांगली निर्वाचन क्षेत्र में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए 25 मरीजों के मामले के संबंध में कहा था कि उन्हें (पाटिल को) प्रधानमंत्री मोदी के देशव्यापी बंद की आलोचना करने की सजा मिली है। पाटिल सांगली निर्वाचन क्षेत्र से आते हैं।

शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में कहा कि ऐसी टिप्पणियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न सिर्फ छवि खराब करती हैं बल्कि ज्योतिबा फूले, साहू महाराज और बी आर आंबेडकर जैसे समाज सुधारकों एवं प्रगतिशील नेताओं की विरासत को आहत करती हैं। पार्टी ने कहा, अवधूत वाघ ने जो कहा वह अंधविश्वास विरोधी कानूनों के तहत कार्वाई करने के लिए एकदम उचित है। संपादकीय में कहा गया, जब लोग बंद का उल्लंघन करते हुए बाहर आ जाते हैं, तो यह मोदी या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की गलती नहीं है। जिन लोगों ने अपनी यात्रा के विवरण छिपाए और पृथक रहने संबंधी नियमों का उल्लंघन किया वही राज्य में यह संकट लेकर आए हैं।

एक अजीब बयान में वाघ ने रविवार को कहा था कि राकांपा नेता एवं राज्य जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल को मोदी की आलोचना करने के लिए सजा मिली। पाटिल पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली जिले से हैं जहां इस्लामपुर तहसील के एक परिवार के 25 सदस्यों में कोविड-19 की पुष्टि हुई थी। इस्लामपुर पाटिल का विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र है।

पाटिल ने एक के बाद एक कई ट्वीट कर कहा था कि 24 मार्च को रात आठ बजे बंद की घोषणा करने के बजाय प्रधानमंत्री को प्रवासी मजदूरों को पर्याप्त समय देना चाहिए था ताकि वह बंद के प्रभाव का सामना करने के लिए आवश्यक प्रबंध कर सकें। वाघ की टिप्पणी पाटिल के बयान के खंडन में आई थी।

भाजपा नेता की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए शिवसेना ने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मोदी के बड़े प्रशंसक हैं और इसके बावजूद कोरोना वायरस ने अमेरिका में कोहराम मचा रखा है। न्यूयॉर्क जैसा शहर चुप हो गया है। क्या कोई स्पष्ट कर सकता है कि इस्लामपुर और न्यूयॉर्क को किसने सजा दी? पार्टी ने कहा जब वायरस अपना शिकंजा कसता जा रहा है तब भाजपा के प्रवक्ता जो चाहे कह रहे हैं।

चकखीधाम में लॉकडाउन के दौरान किसान अपनी फसल को काटते हुए।

सीबीआई अदालत ने बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में हिलाल राथर की जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली। जम्मू में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने 177 करोड़ रुपए के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में आरोपी जम्मू कश्मीर के एक पूर्व मंत्री के बेटे हिलाल राथर की अंतरिम जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए आरोपी की उन आशंकाओं को खारिज कर दिया कि वह हिरासत में कोरोना वायरस से संक्रमित हो सकता है। अदालत ने कहा कि यदि वह जेल से बाहर आएगा तो उसे ज्यादा खतरा होगा। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश राजेश सेखरी ने कहा कि मौजूदा स्थिति में यदि आरोपी जेल से बाहर आता है तो उसके इस वायरस के संपर्क में आने की अधिक आशंका है। सीबीआई के जम्मू में विशेष न्यायाधीश के समक्ष याचिका दायर की थी। सीबीआई ने 177 करोड़ रुपए के जम्मू कश्मीर बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में उसके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

कांग्रेस ने कोरोना के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगो की जांच की मांग की

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस के संक्रमण की स्थिति को सही ढंग से जानने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों की चिकित्सा जांच की जरूरत है। पार्टी प्रवक्ता मनीष तिवारी ने सरकार से यह आग्रह भी किया कि कर्ज पर ईएमआई के भुगतान को तीन महीने के लिए टालने को लेकर बैंकों को तत्काल परिपत्र जारी किया जाए।

उन्होंने वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददताओं से कहा, सरकार ने ईएमआई को लेकर अब तक परिपत्र जारी नहीं किया है। ऐसे में एक अप्रैल से लोगों की ईएमआई कटनी शुरू हो जाएगी। इसलिए सरकार से हमारी मांग है कि बैंकों के लिए तत्काल परिपत्र जारी किया जाए।

तिवारी के मुताबिक तीन महीने बाद जब लोगों को ईएमआई देनी पड़ेगी तो इस पर सूध भी देना पड़ जाएगा। ऐसे सरकार को इस सूध का भार कम करने की कोशिश करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, विशेषज्ञों का मानना है कि आज की जो हालत है उसमें हम जल्द ही कोरोना के संक्रमण के तीसरे चरण में जा सकते हैं। इसलिए ज्यादा से ज्यादा जांच की जरूरत है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि 10 लाख लोगों में से हमने सिर्फ 32 लोगों की जांच की है। दूसरे देशों में बड़ी संख्या में जांच हो रही है। सरकार को अधिक से अधिक जांच किट की उपलब्धता की व्यवस्था करनी चाहिए।

कोरोना संकट का किसानों पर असर होने का जिक्र करते हुए तिवारी ने कहा कि फसलों की कटाई और फिर उपज की खरीद के लिए सरकार को कदम उठाने चाहिए।

एलगार परिषद मामले में अदालत ने दो आरोपियों की जमानत याचिका खारिज की

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने मंगलवार को एलगार परिषद मामले में गिरफ्तार दो कार्यकर्ताओं की अस्थाई जमानत याचिका अस्वीकार कर दी। उन्होंने कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर जेल से छोड़ने का अनुरोध किया था। आरोपी वरवर राव (80) और शोमा सेन (60) ने जमानत मांगते हुए कहा था कि वे कई रोगों से ग्रस्त हैं और उम्र के कारण कोरोना वायरस का खतरा भी उन्हें अधिक है। राव को फिलहाल नवी मुंबई के तलोजा कारागार में रखा गया है जबकि सेन भायखला जेल में बंद हैं। कार्यकर्ताओं ने अपनी याचिकाओं में कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा उन लोगों को अधिक है जो बुजुर्ग हैं और हृदय संबंधी रोगों, मधुमेह, श्वसन संबंधी परेशानियों समेत अन्य रोगों से ग्रसित हैं। विशेष लोक अभियोजक प्रकाश शेट्टी ने उनकी जमानत याचिकाओं का विरोध किया और कहा कि आरोपियों की ओर से पहले दी गई अनेक जमानत याचिकाएं अस्वीकार की गई हैं।

वायरस- महाराष्ट्र सरकार प्रवासी श्रमिकों के लिए व्यवस्था करे: हाईकोर्ट

नागपुर। देश में लाकडाउन की वजह से प्रवासी कामगारों की परेशानियों का संज्ञान लेते हुए बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने महाराष्ट्र सरकार से कहा है कि वह इन कामगारों के लिए सभी जरूरी बंदोबस्त करे और परमार्थ संगठनों से धन जुटाने की संभावना पर भी विचार करे। न्यायमूर्ति सुनील शुक्रे की एकल पीठ ने सोमवार को कोरोना वायरस के प्रकोप की वजह से कामगारों और उनके परिवार के शहरों से गांव की ओर पलायन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को यह निर्देश दिया। यह याचिका सी एच शर्मा नामक एक व्यक्ति ने दायर की है।

अदालत ने इस मुद्दे पर विचार के दौरान कहा कि इतनी बड़ी संख्या में कामगारों के पलायन से कोरोना वायरस के और फैलने का खतरा बढ़ गया है। अदालत ने कहा कि इन लोगों को इस समय राज्य सरकार से सहायता की आवश्यकता है।

न्यायमूर्ति शुक्रे ने अपने आदेश में कहा कि आमदनी का जरिया बंद हो जाने के कारण ए कामगार बहुत ही कठिनाई के दौर से गुजर रहे हैं। उन्हें कपड़े, दवा और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें सुरक्षा का आवरण उपलब्ध कराना बुद्धिमत्तापूर्ण काम होगा। यह अदालत, महाराष्ट्र सरकार को निर्देश देती है कि वह प्रवासी कामगारों सहित सभी श्रमिकों के रहने, खाने, साफ सफाई , कपड़ों और स्वास्थ्य सुविधाओं का बंदोबस्त करे। पीठ ने कहा कि वह इन सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए धन की आवश्यकता के पहलू के प्रति सचेत है और इसलिए राज्य सरकार को परमार्थ संस्थाओं से आर्थिक सहायता करनेका अनुरोध करना चाहिए। न्यायमूर्ति ने कहा, मैं सिर्फ सुझाव दे सकता हूं कि धन का बंदोबस्त करने के लिए महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट कानून और वक्फ कानून के प्रावधानों में धर्मार्थ आयुक्त और राज्य सरकार को प्राप्त अधिकारों पर अमल किया जा सकता है।

पीएम ने योगासन का वीडियो साझा किया, कहा.. इससे तनाव घटाने मे मिलती है मदद

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के उद्देश्य से किए गए लॉकडाउन के दौरान लोगों को फिट रहने के लिए प्रोत्साहित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को योगासन का एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह शरीर को स्वस्थ और मन को प्रसन्न रखता है। मोदी ने योग निद्रा का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया, जब भी समय मिलता है, मैं हफ्ते में।-2 बार योग निद्रा का अभ्यास अवश्य करता हूं। उन्होंने कहा, इससे शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है, साथ ही यह तनाव और चिंता को कम भी करता है। प्रधानमंत्री ने कहा इंटरनेट पर आपको योग निद्रा के कई वीडियो मिलेंगे। अंग्रेजी और हिन्दी में।-। वीडियो साझा कर रहा हूं। गौरतलब है कि रविवार को मन की बात कार्यक्रम के दौरान एक श्रोता ने प्रधानमंत्री से पूछा था कि वे देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान क्या कर रहे हैं और अपनी फिटनेस का कैसे ख्याल रखते हैं?

उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बदलाव संबंधी झूठी खबर फैलाने के आरोप में दो नेता निष्कासित

देहरादून। कोरोना वायरस संक्रमण संकट के बीच उत्तराखंड कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर बदलाव संबंधी झूठी खबरें वायरल करने के आरोप में मंगलवार को पार्टी ने दो नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया। प्रदेश कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश पार्टी प्रभारी अनुग्रह नारायण सिंह के निर्देश पर नैनीताल जिले के दो नेताओं, माला वर्मा और कुलदीप शर्मा को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। सिंह ने कहा, वर्तमान में सभी देशवासी कोरोना वायरस संकट में आम जनता की मदद के लिए प्रयासरत है लेकिन कुछ तथाकथित कांग्रेसजन उत्तराखंड में पार्टी संगठन में परिवर्तन की चर्चा कर रहे हैं। ऐसे समय में ऐसे किसी भी कृत्य को अनुशासनहीनता माना जाएगा।

पार्टी ने इन नेताओं ने हाल में सोशल मीडिया में कहा था कि प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह के स्थान पर कांग्रेस महासचिव और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत प्रदेश को प्रदेश पार्टी प्रमुख बना दिया गया है। यह खबर बड़ी तेजी से वायरल हुई जिसके बाद प्रदेश कांग्रेस में खलबली मच गई। खबर पर संज्ञान लेते हुए अनुग्रह नारायण सिंह ने अनुशासनात्मक समिति को दोषी नेताओं के खिलाफ सख्त कार्वाई करने के निर्देश दिए। हरीश रावत ने इन खबरों का खंडन किया और कांग्रेसजनों से क्षमा मांगी है।

सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में रावत ने कहा, मैं उत्तराखंड के कांग्रेसजनों से क्षमा प्रार्थी हूँ। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद को लेकर एक भ्रामक, झूठा, सत्य से कोसों परे समाचार बनाने का प्रयास किया गया है। आप सब इस तरीके के कुप्रयासों की निंदा करें। हम अपने प्रदेश अध्यक्ष के साथ खड़े हैं और इस समय कांग्रेस कोरेना वायरस पीड़ति मानवता के साथ खड़ी है। इस समय, इस तरीके के हास्यास्पद बातें फेसबुक पर डालना और उसके लिए सोशल मीडिया का दुरूपयोग करना अत्यधिक निंदनीय है।

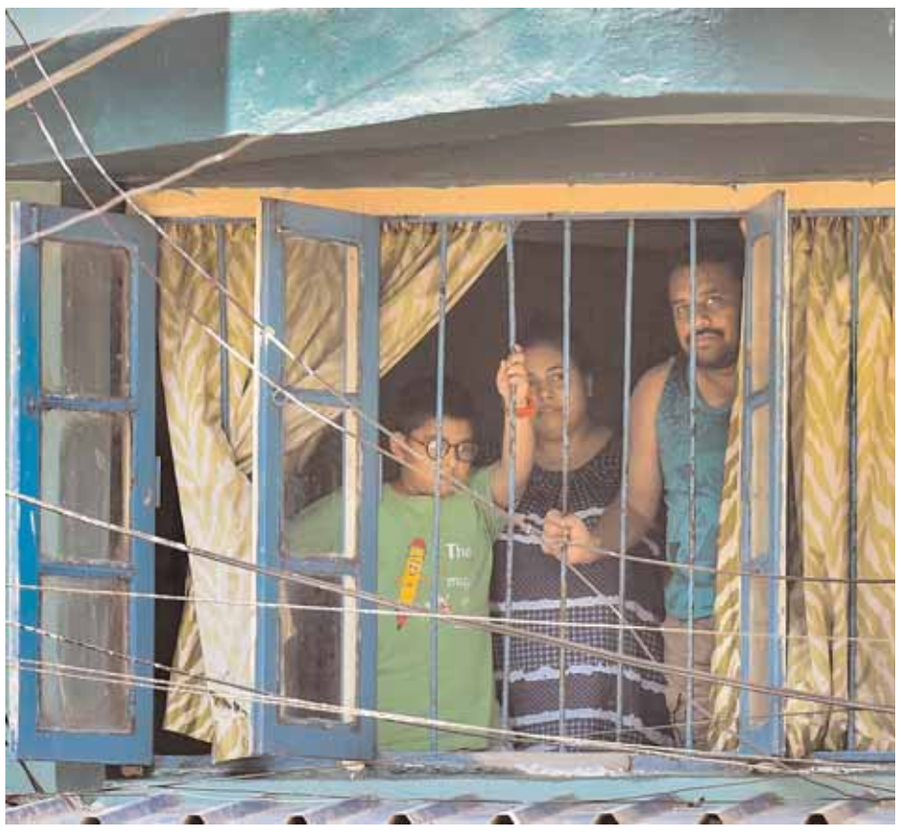

कोलकाता में लॉकडाउन के दौरान एक घर की खिड़की से बाहर की ओर देखते हुए परिजन।

केरल के 93 व 88 साल के दंपति कोरोना से हुए मुक्त

भाषा। नई दिल्ली

पूरी दुनिया में बुजुर्गों के लिए हद से ज्यादा जानलेवा साबित हो रहे कोरोना वायरस संक्रमण से केरल के 93 और 88 साल उम्र के बुजुर्ग दंपत्ति का स्वस्थ होना दूसरे मरीजों के लिए बड़ी ही सुखदाई सूचना है। कुछ विशेषज्ञ इसे दुर्लभतम से भी दुर्लभ मामला बता रहे हैं। दरअसल पूरी दुनिया में अभी तक कोरोना वायरस संक्रमण से होने वाली मौतों में सबसे ज्यादा संख्या बुजुर्गों की है, ऐसे में दोनों का स्वस्थ होना अच्छी खबर है। मरने वालों में ऐसे लोगों की भी संख्या ज्यादा है जो पहले से किसी अन्य बीमारी से पीड़ित हैं।

मध्य ट्रावणकोर क्षेत्र में पथनमथिट्टा नगर निगम क्षेत्र के रानी इलाके के रहने वाले थॉमस और उनकी पत्नी मरियम्मा के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। दोनों की हालत कई दिनों तक गंभीर बनी रही थी और इलाज के बाद दोनों पूरी तरह से संक्रमण मुक्त हो गए हैं। कुछ विशेषज्ञ इसे दुर्लभतम से भी दुर्लभ मामलों में से एक बता रहे हैं , वहीं कुछ अन्य इसका श्रेय केरल की बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली को दे रहे हैं। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर नीरज गुप्ता ने बताया, बुजुर्गों, खास तौर से 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में मृत्यु दर को ध्यान में रखते हुए यह दुर्लभतम से भी दुर्लभ मामलों में से एक है। यह चमत्कार जैसा है। उन्होंने कहा, यह बीमारी से लड़ रहे चिकित्सा कर्मियों और उससे जूझ रहे बुजुर्गों के लिए आशा की किरण लेकर आया है कि स्वस्थ होना संभव है। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कोविड-19 के मरीजों का इलाज करने वाली टीम में शामिल डॉक्टर गुप्ता ने कहा कि संभवत: इस दंपत्ति के शरीर की रोगों की लड़ने की क्षमता ऐसी थी कि वह इस वायरस संक्रमण से लड़ सकी और वे स्वस्थ हो सके, यह हमारे लिए आशा की किरण लेकर आया है। वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित विकसित देशों चीन, इटली, अमेरिका और स्पेन में 60 से ज्यादा उम्र के लोगों की वायरस संक्रमण से बड़ी संख्या मे मौत हुई है।

भारत में अभी तक 1,250 से ज्यादा लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और कम से कम 32 लोग इस संक्रमण से मरे हैं। दुनिया भर में इस वायरस से सात लाख से ज्यादा लो संक्रमित हुए हैं और 35 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। एक अधिकारी का कहना है कि केरल के दंपत्ति के स्वस्थ होने की सूचना से इस वायरस से लड़ रहे मरीजों और डॉक्टरों दोनों का मनोबल बढ़ा है। दंपत्ति का बेटा, पत्नी और बेटे के साथ इटली गया था और लौटने पर महीने की शुरूआत में उनकी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। केरल के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि दंपत्ति बेटे के संपर्क में आकर संक्रमित हुए, उनकी जांच रिपोर्ट पॉजिटिव होने के बाद उन्हें कोट्टायम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि थॉमस और मरियम्मा दोनों ही बढ़ती उम्र की अन्य समस्याओं से भी जूझ रहे थे और इलाज के पहले चरण में उनकी हालत गंभीर थी, लेकिन अब दोनों ही संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को जारी एक परामर्श में कहा था कि यह वायरस बुजुर्गों के लिए ज्यादा परेशानी खड़ी करने वाला है, जिसके कारण उनमें मृत्यु दर भी ज्यादा है। उसमें बुजुर्गों के बीच संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए क्या करें, क्या ना करें की सूची भी दी गई थी। सर गंगा राम अस्पताल में फेंफड़ों के सर्जन डॉक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि जहां तक कोरोना वायरस से संक्रमण की बात है, बुजुर्गों में मौत का खतरा बहुत ज्यादा है लेकिन मैं इसे दुर्लभतम से दुर्लभ मामला नहीं कहूंगा।

उन्होंने कहा, इसका श्रेय केरल की बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधा प्रणाली को दिया जाना चाहिए। स्वस्थ होने का दर बढ़ जाता है, अगर स्वास्थ्य सुविधा प्रणाली बेहतर है और उसपर बोझ नहीं है। उन्होंने बताया, इटली में भी 80 वर्ष से ज्यादा आयुवर्ग के लोगों में मृत्यु दर करीब 14 प्रतिशत है। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधा प्रणाली कैसी है और उसपर कितना बोझ है, इससे बहुत फर्क पड़ता है। एम्स में बुजुर्गों की बीमारी से जुड़े विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर, डब्ल्यूएचओ, एसईएआरओ में कंस्लटेंट डॉक्टर प्रसून चटर्जी का कहना है कि सभी बुजुर्ग लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम नहीं होती है और कोविड-19 की गंभीरता व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर निर्भर करता है।

कोविड-19 की रोकथाम के लिए उपाय ढूंढ रहा आयुष मंत्रालय

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए चिकित्सकीय एवं वैज्ञानिक उपाय ढूंढने की कवायद शुरू की है। इसके लिए मंत्रालय ने ऑनलाइन वैज्ञानिक प्रस्ताव और सुझावों की मांग की है। मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री की सलाह पर यह निर्णय लिया गया है। आयुष चिकित्सकों और संस्थानों से विभिन्न सुझावों और प्रस्तावों को सूचीबद्ध करने और वैज्ञानिकों के एक समूह के माध्यम से उनके प्रभाव की जांच करने के लिए एक चैनल स्थापित करने का निर्णय लिया है। एक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिना साक्ष्य कोविड-19 के उपचार के दावों को खारिज करने के निर्देश के बाद आयुष मंत्रालय ने जागरूकता पैदा करने और इस तरह के आधारहीन दावों को रोकने के लिए यह कदम उठाया हैं। मंत्रालय इसके लिए वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग और सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग कर रहा है।

दो बच्चों ने अपनी गुल्लक की रकम मजदूरों के भोजन के लिए दी पुलिस को

भाषा। नीमच

मध्यप्रदेश के नीमच जिले की एक पुलिस चौकी के पुलिसकर्मी 10 और 12 साल के दो बच्चों की करुणा देखकर उस समय द्रवित हो गए जब इन दोनों बच्चों ने कोविड-19 के लॉकडाउन के दौरान बेरोजगार हुए मजदूरों के भोजन के लिए अपनी गुल्लक में जमा किए गए 5000 रुपए पुलिस को सौंप दिए।

नीमच जिले की मनासा तहसील के कंजार्डा पुलिस चौकी के प्रभारी अनिल सिंह ठाकुर ने बताया कि मंगलवार को 10 वर्षीय देवराज सिंह परिहार और 12 वर्षीय केशव सिंह परिहार चौकी पर अपनी गुल्लक लेकर पहुंचे। इनकी गुल्लक में कुल 5060 रुपए थे जो इन्होंने परिजन द्वारा दी गई जेबखर्च में से बचाकर जमा किए थे। चौकी पर आकर इन बच्चों ने मुझसे कहा, यह रूपए उन मज़दूरों के खाने के लिए है जो अपने घर से दूर यहाँ फंसे हुए है आप इन रुपयों से उन्हें खाना खिलाना। उन्होंने बताया कि ए दोनों बच्चे मनासा तहसील के खेड़ली गांव के रहने वाले हैं।

ठाकुर ने कहा कि बच्चों ने बताया, इस गुल्लक में महीनों से रुपए जमा किए थे और सोचा था अपने लिए कुछ खरीदेंगे लेकिन जब कोरोना महामारी का सुना तो मन में खयाल आया यह रुपए हम गरीब लोगों के खाने के लिए दे देते है और इसे लेकर हम चौकी पर आ गए। ठाकुर ने कहा कि जब बच्चों से पूछा गया कि तुम थाने क्यों आए तो उन्होंने कहा चूँकि पुलिस के सम्पर्क में सभी लोग रहते है इसलिए हम थाने चले आए। ठाकुर ने कहा कि बच्चों की भावना देख कर हमने उनकी यह राशि स्वीकार कर ली है। ठाकुर ने इन बच्चों के बारे में कहा, मैं इनका जज्बा देखकर अभिभूत हूं। कोरोना के खिलाफ जंग में आज इन दो मासूम बच्चों ने मदद का हाथ बढ़ाकर पूरे देश को लड़ने का जज्बा दिया है। हम इनके हौंसले को दिल से सलाम करते हैं।

क्विक न्यूज

असम में कोविड-19 का पहला मामला आया सामने

गुवाहाटी। असम के सिलचर मे मंगलवार को 52 साल के एक व्यक्ति के जांच मे कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, जो राज्य मे इस बीमारी का पहला मामला है। स्वास्थ्य मंत्री हिमंत विश्वसरमा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस व्यक्ति का सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल मे इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर है। इस मरीज की विदेश यात्रा और अन्य जानकारियो के बारे मे पूछे जाने पर मंत्री ने ट्विटर पर जवाब दिया कि सभी बातो का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे: कोर्ट

जम्मू। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय ने पुलिस से कहा है कि वह डॉक्टरों और स्वास्थ्य सेवा देने वाले कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे क्योंकि ऐसी खबरें आई है कि कोरोना वायरस के कुछ संदिग्ध मरीजों ने इन लोगों के साथ बदतमीजी की और अस्पताल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने जम्मू-कश्मीर पुलिस महानिरीक्षक को स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। उच्च न्यायालय ने केंद्रशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कोविड-19 से जुड़े मामलो मे अदालत की सहायता करने के लिए अधिवक्ता मोनिका कोहली को न्याय मित्र नियुक्त किया है। दोनो केंद्रशासित क्षेत्र में अब तक कोविड-19 के 60 से ज्यादा मामले आ चुके है। इतिहास में पहली बार यहां की अदालत ने वीडियो कॉन्फ्रेंस और वॉइस कॉल के जरिए सुनवाई की। इस दौरान अदालत ने देश के अन्य हिस्सो की जेलो मे बंद इन दोनो केंद्रशासित क्षेत्रो के निवासियो की दुर्दशा के संबंध में भी शिकायतो पर गौर किया। पीठ ने जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित क्षेत्र के सचिव को निर्देश दिया कि वह कैदियो की सलामती सुनिश्चित करें।

गरीबों को भोजन वितरण के लिए मध्यप्रदेश के राजभवन में रोजाना बन रहे हैं भोजन पैकेट

भोपाल। कोरोना वायरस प्रसार रोकने के मद्देनजर देश मे लागू लॉकडाउन के बीच गरीबो को भोजन वितरित करने के लिए मध्यप्रदेश के राजभवन के रसोई घर में रोजाना 100 भोजन के पैकेट बनाए जा रहे है। इन पैकेटों को भोपाल नगर निगम के जरिए जरूरत मंदो को बांटा जा रहा है। राज्यपाल लालजी टंडन ने गरीबो को वितरित करने के लिए राजभवन में बनाए जा रहे भोजन के लिए व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होने राजभवन के रसोई घर में भोजन पैकेट में रखी जाने वाली खाद्य सामग्री की जानकारी ली। उन्होंने भोजन निर्माण में स्वच्छता और शुद्धता की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। साथ ही, रसोई घर और पैकिंग व्यवस्थाओं की शुद्धता, स्वच्छता और सेनेटाइजेशन की व्यवस्थाएँ देखी। राज्यपाल ने भोजन को चखकर उसकी गुणवत्ता भी जानी। टंडन ने भोजन निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों को स्वच्छता के नियमों का कड़ाई से पालन करने और शुद्ध एवं स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, कोरोना वायरस से संघर्ष के इस दौर में हम सबका यह दायित्व है कि कोई भी व्यक्ति भूखा नही रहे। उन्होंने कहा कि राजभवन द्वारा भोजन वितरण व्यवस्था एक सांकेतिक पहल है ताकि समाज के समर्थ व्यक्ति इससे प्रेरणा लेकर गरीब, वंचित और जरूरतमंद व्यक्तियों के सहयोग और मदद का दायित्व स्वीकार करें। राज्यपाल ने राजभवन कर्मियो से कहा, संकटकाल मे आपकी सेवा वास्तव मे राष्ट्र की सेवा है। उन्होंने कहा कि भोजन तैयार करने की आकस्मिक व्यवस्थाओ की तैयारी रखें ताकि आवश्यकता पड़ने पर राजभवन प्रशासन को तत्काल और अधिक भोजन के पैकेट उपलब्ध करा सके।

युवक की हत्या किए जाने को लेकर आठ पर मुकदमा दर्ज

मुंबई। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए चल रहे देशव्यापी बंद के दौरान मुंबई के विले पार्ले मे 22 साल के एक युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के एक दिन बाद मामले में जुहू पुलिस ने मंगलवार को आठ लोगो के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नेहरू नगर इलाके में सोमवार अलसुबह राजू वेलु देवेंद्र की हत्या कर दी गई थी और उसके भाई शंकर ने आरोप लगाया था कि इलाके में बंद लागू करा रहे पुलिस कर्मियो ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी थी।

इस साल तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए: गृह मंत्रालय

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को कहा कि इस साल। जनवरी से देश में तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए और उनमें से सभी ने पहले दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित उसके मुख्यालय में आमद दर्ज कराई। निजामुद्दीन स्थित तबलीगी मुख्यालय से कोरोना वायरस के कई मामले सामने आए हैं। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 21 मार्च तक उनमें से लगभग 824 देश के विभिन्न हिस्सों में चले गए, 216 निजामुद्दीन मरकज में रह रहे हैं, जिनमें से कई कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। बयान में कहा गया कि ऐसा आकलन है कि एक जनवरी से तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए। तबलीगी जमात के देसी और विदेशी कार्यकर्ता वर्ष भर देश के अलग-अलग इलाकों में उपदेश देने या चिल्ला के लिए दौरे पर रहते हैं।

इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, नेपाल, म्यामां, बांग्लादेश, श्रीलंका और किर्गिस्तान समेत विभिन्न राष्ट्रों से लोग तबलीगी गतिविधियों के लिए आते हैं। बयान में कहा गया कि ऐसे सभी विदेशी नागरिक सामान्य तौर पर अपने आने की सूचना सबसे पहले हजरत निजामुद्दीन स्थित बंगलेवाली मस्जिद में तबलीगी मरकज में देते हैं। यहां से उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में चिल्ला गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाती है। चिल्ला गतिविधियों का समन्वय सभी राज्यों में विभिन्न जिलों में जिला समन्वयकों द्वारा किया जाता है जिनकी निगरानी का काम कुछ राज्यों में प्रदेश अमीर के द्वारा किया जाता है। इसमें कहा गया, 21 मार्च को हजरत निजामुद्दीन मरकज में करीब 1,746 लोग रह रहे थे। इनमें से 216 विदेशी थे और 1530 भारतीय। इसमें कहा गया, इसके साथ ही, 21 मार्च को देश के विभिन्न हिस्सों में करीब 824 विदेशी चिल्ला गतिविधियों में शामिल थे।

इंदौर में लगातार फैल रहा कोरोना वायरस का संक्रमण

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

देश में कोरोना वायरस संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में शामिल इंदौर में इस महामारी के स्थानीय स्तर पर तेजी से फैलने से सरकारी तंत्र की चिंताएं बढ़ गई हैं। अधिकारियों के मुताबिक सूबे के इस सबसे बड़े शहर में पिछले सात दिन में इस महामारी के पुष्ट मामलों की तादाद बढ़कर 44 हो गई है जिनमें से तीन लोग इलाज के दौरान दम तोड़ चुके है। आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से हमेशा गुलजार रहने वाले इस उत्सवधर्मी शहर में हफ्ते भर से लागू कर्फ्यू के कारण मंडी-बाजार सूने हैं और गली-मोहल्लों में चुप्पियां छाई हैं। हैरत की बात यह है कि इसके बावजूद शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण जड़िया ने मंगलवार को कहा, इंदौर में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को सामुदायिक प्रसार की अटकलों से जोड़ना उचित नहीं होगा। अभी इस बीमारी का शहर के कुछेक परिवारों में स्थानीय प्रसार ही हुआ है। उन्होंने कहा, हमें संदेह है कि विदेश में कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद भारत लौटा कोई व्यक्ति किसी समारोह में इंदौर के कुछ लोगों के संपर्क में आया था। इससे यह बीमारी शहर में पहुंच गई। जड़िया ने बताया कि मंगलवार को 17 नए मामले सामने आने के बाद शहर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की तादाद बढ़कर 44 पर पहुंच गई है। इनमें शामिल 49 वर्षीय महिला, 41 वर्षीय पुरुष और 65 वर्षीय पुरुष की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया, इंदौर में कोरोना वायरस संक्रमण के जो 17 नए मरीज मिले हैं, इनमें से ज्यादातर व्यक्ति उन्हीं लोगों के परिजन हैं जो इस महामारी की जद में आकर पहले से स्थानीय अस्पतालों में भर्ती हैं। अधिकारियों ने बताया कि शहर के रानीपुरा, चंदन नगर और खजराना सरीखे घनी आबादी वाले इलाके कोरोना वायरस संक्रमण के फैलने के लिहाज से सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं। इन इलाकों में प्रशासन इस महामारी से बचाव की विशेष मुहिम चला रहा है। इन इलाकों में कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के मिलने के बाद वहां के कई रहवासियों को इस महामारी के संदेह में अस्पतालों के पृथक वॉर्डों में रखा गया है। जानकारों का कहना है कि सामाजिक दूरी बनाने को लेकर सरकार की ओर से लगातार जारी की जा रही हिदायतों की कई शहरवासियों द्वारा अनदेखी से भी स्थानीय स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा बढ़ा है।

हैदराबाद में कोविड-19 के खिलाफ कोरोनवायरस थीम वाले हेलमेट पहन जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा लेते पुलिसकर्मी।

फंड में योगदान के लिए पीएम ने लोगों का आभार जताया

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में योगदान के लिए गठित लिए आपात स्थिति प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और राहत कोष (पीएम केयर्स फंड) में योगदान के लिए उद्योगपतियों, खिलाड़ियों, फिल्मी कलाकारों, सार्वजिनक क्षेत्र की कंपनियों, मीडियाकर्मियों और आम लोगों का आभार प्रकट करते हुए मंगलवार को कहा कि कोरोना से युद्ध में देश की यही सामूहिक ताकत जीत दिलाएगी। मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, पीएम केयर्स फंड में समाज के हर वर्ग के लोगों ने योगदान दिया है। लोगों ने अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में तेजी लाने के लिए दिया है। उन्होंने कहा, कोरोना से लड़ने के लिए हर क्षेत्र के लोग सहयोग के लिए आगे आ रहे हैं। देश की यही सामूहिक ताकत है, जो इस लड़ाई में जीत दिलाएगी। कोष में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के योगदान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तेल एवं गैस क्षेत्र की कंपनियां न केवल भारत के विकास की गति को आगे बढ़ा रही हैं बल्कि कोविड-19 के संकट के समय देश का अच्छा स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए भी योगदान कर रहीं हैं।

रांची में कोरोना वायरस का पहला मामला आया सामने

रांची। रांची जिले में कोरोना वायरस संक्रमण के पहले मामले की पुष्टि हुई है जिसके बाद पूरे रांची शहर में आम लोगों में दहशत का माहौल है लेकिन जिला प्रशासन और सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और धैर्य रखने की अपील की है। रांची जिला उपायुक्त राय महिमापत रे ने मलेशिया से आई एक युवती के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि करते हुए लोगों से अपने अपने घरों में रहने की अपील की है। उन्होंने किसी तरह कि अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस वायरस के संक्रमण के रोकथाम के लिए वे अपने अपने घरों में रहें। किसी तरह की जानकारी या मदद की जरूरत हो तो जिला प्रशासन से संपर्क करें। जिला नियंत्रण कक्ष 1950 पर किसी भी स्थिति में आम जन संपर्क कर सकते हैं। जिले वासियों से संयम की अपील करते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी राय महिमापत रे ने कहा कि जिला प्रशासन आम लोगों की मदद के लिए मुस्तैद है। किसी भी तरह की सहायता के लिए बेझिझक जिला प्रशासन से संपर्क करें। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनीश गुप्ता ने भी लोगों से संयम की अपील करते हुए कहा कि वे अपने अपने घरों में रहें। उन्होंने सोशल मीडिया पर किसी तरह की जानकारी को साझा करने से पहले उसकी पड़ताल करने और अफ्वाहों से बचने की अपील की। इससे पहले आज झारखंड की राजधानी रांची में कोरोना वायरस से संक्रमण का पहला मामला उस समय सामने आया जब शहर की एक मस्जिद से मिली मलेशिया की यह 22 वर्षीय युवती संक्रमित पाई गई। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव नितिन मदन कुलकर्णी ने बताया कि मलेशिया से यह महिला 17 मार्च को यहां आई थी। रांची के हिंदपीढ़ी इलाके की बड़ी मस्जिद से उसे 16 अन्य विदेशी तथा सात भारतीय लोगों के साथ रविवार को हिरासत में लेकर यहां खेल गांव में बनाए गए पृथक केन्द्र में रखा गया था।

पेज एक का शेष

कोरोना का...

सोशल डिस्टेंसिंग, धैर्य और संयम बनाए रखने की अपील और लॉकडाउन संबंधी नियमों को पूरी तरह अनदेखा करते लगभग तीन हजार लोग 8 मार्च से सौ साल पुरानी मस्जिद परिसर में स्थित छह मंजिला मरकज में टिके रहे। गृह मंत्रालय के मुताबिक, 21 मार्च को तबलीगी जमात के केंद्र में देश के विभिन्न हिस्सों से आए 1,767 लोगों के अलावा 216 विदेशी भी थे। कई राज्यों में ऐसे 2,137 तबलीगी सदस्यों की पहचान की जा चुकी है और उनकी जांच के बाद क्वारंटीन कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, जम्मू कश्मीर, अंडमान, बिहार समेत तमाम राज्यों में उन लोगों की तलाश तेज कर दी गई है जो मरकज निजामुद्दीन से वापस आए हैं। मरने वाले 10 लोगों में सर्वाधिक छह तेलंगाना के है जबकि अंडमान निकोबार में 2, कश्मीर में एक, आंध्र प्रदेश में एक मौत की खबर है। श्रीनगर में कोरोना से मरने वाला व्यक्ति उत्तर प्रदेश के देवबंद सेमिनार में शामिल हुआ था। मरकज से अंडमान लौटे 10 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। यहां 1800 लोग क्वारंटीन हैं। जम्मू कश्मीर से 100 लोगों ने जमात तबलीग के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था जबकि आंध्र प्रदेश में वहां से लौटे 700 लोगों की तलाश अब भी जारी है जबकि राज्य सरकार 369 लोगों की पहचान करने में कामयाब रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में सामने आए 17 नए मामलों का सीधा संबंध मरकज निजामुद्दीन से है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री बी श्रीमालु ने बताया कि राज्य से 45 लोग तबलीग के कार्यक्रम से लौटे थे- उन्हें ढूंढ लिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में 54 लोगों को क्वारंटीन किया गया है। तेलंगाना में छह लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने तबलीग के सदस्यों और उनके संपर्क में आने वालों की तलाश तेज कर दी है। मरकज निजामुद्दीन में जुटे लोगों में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश को लौटे हैं लिहाजा वहां कोरोना का खतरा और भी बढ़ गया है। मौके की नजाकत को देखकर नोएडा-मेरठ-गाजियाबाद के दौरे पर निकले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपना दौरा बीच में खत्म कर दिया और लखनऊ लौट गए। लखनऊ में उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक कर मरकज निजामुद्दीन से लौटने वालों की तलाश के लिए सघन अभियान छेड़ने का निर्देश दिया। प्रदेश के 19 जिलों में जमातियों की खोज की जा रही है। उधर, जम्मू कश्मीर प्रशासन ने भी ऐसे 50 लोगों की सूची तैयार कर ली है जो मरकज निजामुद्दीन के कार्यक्रम में शामिल होकर वापस आए हैं। लोगों से कहा गया है कि वे स्वयं सामने आकर अपनी पहचान बताएं ताकि जांच की जा सके।

निकाले गए...

को भी जारी रहा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस मामले में यदि किसी अधिकारी की ओर से लापरवाही पाई जाती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 1548 लोगों को मरकज से निकाला गया है। इनमें 1107 को क्वारेंटीन के लिए भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब सारे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे बंद हैं, ऐसे में इस तरह की हरकत क्यों की गई। यह गंभीर लापरवाही है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा है कि दिल्ली में डिजास्टर एक्ट और कंटीजियश डिसीज एक्ट लागू है, जिसमें पांच से अधिक लोगों के एक जगह जमा होने पर रोक है। ऐसे में इतना बड़ा आयोजन कैसे हुआ। आयोजकों ने घोर अपराध की श्रेणी का काम किया है। मरकज द्वारा मीडिया को जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि अचानक हुए लॉकडाउन से यह स्थिति बनी। उन्होंने लॉकडाउन के बाद पुलिस और प्रशासन से 17 बसों को कर्फ्यू पास देने को कहा था ताकि लोगों को उनके प्रदेशों में पहुंचाया जा सके, लेकिन पास नहीं मिले; इस कारण यहां लोग फंस गए।

मरकज में...

गए, 216 निजामुद्दीन मरकज में टिके रहे जिनमें से कई कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, ऐसा आकलन है कि एक जनवरी से तबलीगी गतिविधियों के लिए 2100 विदेशी भारत आए। तबलीगी जमात के देसी और विदेशी कार्यकर्ता वर्ष भर देश के अलग-अलग इलाकों में उपदेश देने या चिल्ला के लिए दौरे पर रहते हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, नेपाल, म्यामां, बांग्लादेश, श्रीलंका और किर्गिस्तान समेत विभिन्न राष्ट्रों से लोग तबलीगी गतिविधियों के लिए आते हैं। ऐसे सभी विदेशी नागरिक सामान्य तौर पर अपने आने की सूचना सबसे पहले हजरत निजामुद्दीन स्थित बंगलेवाली मस्जिद में तबलीगी मरकज में देते हैं। यहां से उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में चिल्ला गतिविधियों के बारे में जानकारी दी जाती है। चिल्ला गतिविधियों का समन्वय सभी राज्यों में विभिन्न जिलों में जिला समन्वयकों द्वारा किया जाता है जिनकी निगरानी का काम कुछ राज्यों में प्रदेश अमीर के द्वारा किया जाता है। गत 21 मार्च को हजरत निजामुद्दीन मरकज में करीब l,746 लोग रह रहे थे। इनमें से 216 विदेशी थे और 1530 भारतीय। इसमें कहा गया, इसके साथ ही, 21 मार्च को देश के विभिन्न हिस्सों में करीब 824 विदेशी चिल्ला गतिविधियों में शामिल थे।

मरकज प्रबंधन...

मरकज निजामुद्दान ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने जनता कर्फ्यू का ऐलान किया तब कार्यक्रम रद्द कर दिया गया था लेकिन ट्रेनें-बसें-उड़ान सेवाएं निलंबित होने से यहां जुटे लोग फंस गए। इसके बावजूद उन लोगों ने दिल्ली पुलिस व दिल्ली सरकार से संपर्क किया और बसों के लिए कर्फ्यू पास मांगा लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

गांव लौटने...

ठहराया गया है। दूसरी ओर उच्चतम न्यायालय ने कोरोनावायरस की वजह से कामगारों के पलायन को रोकने और 24 घंटे के भीतर इस महामारी से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए एक पोर्टल बनाने का केन्द्र को मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि इस पोर्टल से महामारी से संबंधित सही जानकारी जनता को उपलब्ध कराई जाए। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की पीठ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केन्द्र को यह निर्देश दिया। पीठ ने कहा, यह दहशत वायरस से कहीं ज्यादा जिंदगियां बर्बाद कर देगी। साथ ही पीठ ने केन्द्र से कहा कि देश के तमाम आश्रय गृहों में पनाह लिए इन कामगारों का चित्त शांत करने के लिए प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और सभी आस्थाओं के समुदायों के नेताओं की मदद ले। केंद्र ने न्यायालय से यह निर्देश देने का अनुरोध किया कि कोई भी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक या अन्य मीडिया संस्थान कोरोना वायरस से जुड़ी कोई भी जानकारी सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए तंत्र से प्रमाणित कराए बिना प्रकाशित या प्रसारित नहीं करेगा। सरकार ने कहा कि यह अभूतपूर्व स्थिति हैं और ऐसे में इलेक्ट्रॉनिक,प्रिंट, सोशल मीडिया या वेब पोर्टल पर इरादतन या गैर इरादतन गलत या भ्रमित करने वाली जानकारी से बड़े पैमाने पर लोगों में अफरा-तफरी फैलने का जोखिम रहता है। सरकार ने कहा कि अफरातफरी फैलाना यद्यपि आपराधिक मामला है इसके बावजूद शीर्ष न्यायालय से समुचित दिशानिर्देश देश को किसी भी तरह की गलत खबर से मचने वाली संभावित अफरा-तफरी से बचाएंगे।

तबलीग में...

के हिसाब से आइसोलेट या क्वारेंटीन किया जाएगा। राज्य पुलिस सभी के वीजा चेक करेगी और उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी...

बचत से निकालकर यह धनराशि दी है।दरअसल हीराबेन को कई मौकों पर प्रधानमंत्री का साथ देते हुए देखा गया है। इससे पहले 22 मार्च को जब जनता कर्फ्यू लगाया गया था और प्रधानमंत्री ने देशवासियों से डॉक्टरों, नर्सों, पुलिस और मीडिया के लोगों का हौसला बढ़ाने के लिए शाम को पांच बजे ताली, थाली और घंटी बजाने की अपील की थी, उस समय भी उनकी मां हीराबेन पूरे उत्साह से थाली बजाती नजर आईं थीं। इसके अलावा अक्सर प्रधानमंत्री मोदी कई मौकों पर अपनी मां का आशीर्वाद लेने गुजरात जाते रहते हैं।

लोगों का...

नए मामलों से जुड़े इलाकों में लॉकडाउन के पालन में जनसहयोग में कमी और संक्रमण की समय से पहचान में देरी होने को प्रमुख वजह बताया है। उन्होंने कहा कि जिस इलाके से संक्रमण का एक भी मामला सामने आता है, उसे पृथक हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित कर उस इलाके में रोकथाम के उपाय तेज कर दिए जाते हैं। अग्रवाल ने कहा कि देश में संक्रमण के मामले बढ़ने के साथ ही कोरोना प्रभावित इलाके के रूप में चिन्हित हॉटस्पॉट भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने मौजूदा स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि इसके संक्रमण की रोकथाम के लिए संदिग्ध मामलों के संपर्क के दायरे की सटीक पहचान और उस इलाके को संक्रमणमुक्त करने की त्वरित कार्वाई पर जोर दिया गया है। अग्रवाल ने संक्रमण के मामले रोकने के लिए लॉकडाउन का पालन सुनिश्चित करने को ही एकमात्र उपाय बताते हुए कहा कि इसकी रोकथाम के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति के लिए विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने तुर्की, दक्षिण कोरिया और वियतनाम के आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क स्थापित किया है। अग्रवाल ने बताया कि मंत्रालय ने कोरोना संक्रमण के बारे में प्रमाणिक जानकारी से लोगों को अवगत कराने के लिए ऑनलाइन परामर्श केन्द्र भी शुरू करने की पहल की है। इसे अगले 24 घंटों में शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि देश में कोरोना के संक्रमण की स्थिति का जायजा लेने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन की अध्यक्षता वाले मंत्री समूह की बैठक हुई। इसमें राज्य सरकारों द्वारा बनाए गए कोविड-19 अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग बढ़ाने की जररूत पर बल दिया गया। साथ ही राज्यों को ऐसे प्रवासी मजदूरों का परीक्षण कराने को कहा गया है जिनमें संक्रमण के लक्षण दिखाई दें।

मोहल्ला क्लीनिक...

को अगले 15 दिनों के लिए क्वारंटीन में रखें। साथ ही जिला प्रशासन भी मरीजों की पहचान करने में जुटा है। जानकारी के अनुसार, महिला डॉक्टर के पति भी मोहनपुरी के मोहल्जर क्लीनिक में तैनात है, उन्होंने सऊदी अरब से लौटी महिला का इलाज किया था। उसके बाद उन्हें भी कोरोना हो गया था। डॉक्टर दंपति के साथ ही बेटी भी कोरोना की चपेट में आ गई थी। तीनों ही पिछले कई दिनों से अस्पताल में भर्ती है। कोरोना से पीड़ित मोहल्लर क्लीनिक के डॉक्टर के संपर्क में आए करीब 800 लोगों को आइसोलेट किया गया है। इसमें करीब 40 मरीज उनके निजी क्लीनिक पर पहुंचे थे, बाकी मोहल्ला क्लीनिक के मरीज हैं।

रोहित ने 80 लाख का दान दिया

मुंबई। भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने तेजी से फैल रही कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए 80 लाख रुपए का योगदान दिया और कहा कि इससे निपटना देश के नागरिकों की जिम्मेदारी है। भारतीय वनडे टीम के उप कप्तान रोहित ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 45 लाख रुपए और मुख्यमंत्री (महाराष्ट्र) राहत कोष में 25 लाख रुपए का दान दिया। उन्होने देश में लगे लॉकडाउन से प्रभावित परिवारों की मदद कर रही जोमैटो फीडिंग इंडिया को पांच लाख रुपए और सड़क पर आवारा कुत्तों की देखभाल के लिए एक संस्था को पांच लाख का योगदान किया।

लंकाशर क्लब चेयरमैन डेविड हॉजकिस की मौत

लंदन। लंकाशर काउंटी क्रिकेट क्लब के चेयरमैन डेविड हॉजकिस की खतरनाक कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद मौत हो गई। वह 71 वर्ष के थे। हालांकि लंकाशर ने अपने अधिकारिक बयान में उनके निधन का कारण नही दिया है लेकिन क्लब के प्रवक्ता ने प्रेस एसोसिएशन को बताया कि उनकी मौत कोरोना वायरस से संबंधित थी। क्लब ने बयान में कहा, परिवार की घोषणा के बाद बड़े दुख के साथ बताना पड़ रहा है कि इसके चेयरमैन डेविड हॉजकिस का निधन हो गया है।

ऑगस्टा गोल्फ क्लब ने 20 लाख डालर का दान

वाशिंगटन। ऑगस्टा नेशनल गोल्फ क्लब ने सोमवार को घोषणा की कि वह अपने क्षेत्र मे कोरोना वायरस महामारी से लड़ने मे मदद के लिए 20 लाख डालर का दान देगा। क्लब को इस साल मास्टर्स गोल्फ का आयोजन करना था।

नीरज चोपड़ा ने तीन लाख का दान दिया

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदकधारी भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने कोविड-19 महामारी के खिलाफ देश की लड़ाई के लिए केंद्र और हरियाणा राज्य राहत कोष में कुल तीन लाख रुपए का दान दिया। चोपड़ा इस समय पटियाला मे राष्ट्रीय खेल संस्था मे अलग रह रहे है क्योंकि वह तुर्की से ट्रेनिंग के बाद लौटे थे।

टीटीएफआई ने पांच लाख दिए

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ने मंगलवार को कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ प्रधानमंत्री राहत कोष में पांच लाख रुपए देने की घोषणा की। टीटीएफआई ने एक बयान मे कहा , अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत टीटीएफआई ने प्रधानमंत्री राहत कोष में पांच लाख रुपए का योगदान देने का फैसला किया है। इसने कहा , यह चेक भारतीय ओलंपिक संघ को भेज दिया गया है जिसने सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों से कोष में योगदान देने का अनुरोध किया था। टीटीएफआई अध्यक्ष और हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भी प्रधानमंत्री राहत कोष में योगदान देने का फैसला किया है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप टली

● 2022 में होंगे मुकाबले

भाषा। पेरिस

कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक के एक साल तक टलने से 2021 में प्रस्तावित विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन 2021 की जगह अब 2022 में होगा। विश्व एथलेटिक्स ने तोक्यो ओलंपिक की नई तारीख घोषित होने के बाद यह फैसला करते हुए कहा कि अमेरिका के यूजीन में छह से 15 अगस्त 2021 तक प्रस्तावित इस चैम्पियनशिप का आयोजन 2022 में होगा।

विश्व एथलेटिक्स ने कहा, हम जापान के आयोजकों और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा घोषित ओलंपिक की नई तारीखों का समर्थन करते हैं। इसमें कहा गया इससे हमारे एथलीटों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिता में जाने के लिए जरूरी समय मिलेगा। उन्होंने कहा, हर किसी को इसे लेकर लचीला होना होगा और हम ओरेगोन में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए स्थानीय आयोजकों से चर्चा कर नई तारीख की घोषणा करेंगे। विश्व एथलेटक्स ने कहा कि वह इसके लिए राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अलावा यूरोपीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के आयोजकों से भी चर्चा कर रहे हैं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 27 जुलाई से सात अगस्त तक होगा जबकि यूरोपीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन म्यूनिख में 11 से 21 अगस्त तक होना है।

आईओसी एथलीट आयोग ने कहा, नई तारीखें निश्चितता प्रदान करेंगी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के एथलीट आयोग ने मंगलवार को तोक्यो ओलंपिक की नई तारीखो की घोषणा का स्वागत किया। आईओसी एथलीट आयोग में भारत के एकमात्र व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदकधारी निशानेबाज अभिनव बिंद्रा भी शामिल हैं। उसने एक बयान मे नई तारीखो - 23 जुलाई से आठ अगस्त 2021 - की घोषणा की प्रशंसा की जिन्हे कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित होने के कुछ ही दिन मे घोषित कर दिया गया। आयोग अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री (दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता) ने आयोग के बयान मे कहा, हमें विश्वास है कि नई तारीखो की पुष्टि से आपको बहुत जरूरी निश्चितता मिलेगी जिससे आप अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ-साथ समुदाय के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित कर पाओगे। उन्होने साथ ही कहा, गर्मियों में खेलों के आयोजन से सभी खिलाड़ियों को तैयारियो के लिए काफी मौका मिलेगा। आयोग ने आईओसी की उस घोषणा का भी स्वागत किया कि जिन्होंने क्वालीफाइंग टूर्नामेंट मे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया था, वे ऐसे ही बने रहेंगे।

स्वीडन ने भारतीय अंडर-17 महिला टीम के कोच के लिए फ्लाइट का इंतजाम किया

नई दिल्ली। भारतीय महिला अंडर-17 विश्व कप फुटबाल टीम के स्वीडिश कोच थामस डेनेरबी बुधवार को स्वदेश रवाना होंगे क्योंकि कोविड-19 महामारी के चलते देश में 21 दिन के लॉकडाउन से खिलाड़ियों की ट्रेनिंग रूक गई है। स्वीडिश सरकार ने भारत में अपने नागरिकों को ले जाने का इंतजाम किया है, डेनेरबी और हमवतन फिटनेस कोच पर कार्लसन इसी फ्लाइट से रवाना होंगे। भारतीय फुटबाल महासचिव कुसल दास ने मंगलवार को पीटीआई से कहा, हां, मुख्य कोच डेनेरबी कल अपने घर स्वीडन के लिए रवाना हो रहे हैं। अभी कोई ट्रेनिंग नहीं चल रही और खिलाड़ी भी अपने घर जा चुके हैं। फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप भारत में पांच स्थलों पर दो से 21 नवंबर तक खेला जाएगा। साठ साल के अनुभवी डेनेरबी को पिछले साल नवंबर में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उन्होंने स्वीडन की महिला राष्ट्रीय टीम को 2011 में जर्मनी में फीफा महिला विश्व कप में तीसरे स्थान तक पहुंचाया था और टीम 2012 लंदन ओलंपिक में क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थी।

दक्षिण अफ्रीका में जन्में कॉनवे को आईसीसी ने न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने की छूट दी

भाषा। दुबई

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे भारत ए या बांग्लादेश के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए क्रिकेट करियर का आगाज कर सकते है क्योंकि आईसीसी ने उन्हें एडोप्टेड देश से खेलने की मंजूरी दे दी। अठाइस साल के इस खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड में करियर बनाने के लिए सितंबर 2017 में जोहानिसबर्ग छोड़ दिया था। आईसीसी ने उन्हें असाधारण परिस्थितियों के तहत यह अनुमति दी। इससे उन्हें 28 अगस्त की पात्रता समय सीमा से पहले खेलने की अनुमति मिल गई। आईसीसी ने अपने बयान में कहा, दक्षिण अफ्रीका में जन्मे कॉनवे को आईसीसी द्वारा एक असाधारण परिस्थिति में छूट दी गई है। इसका मतलब यह है कि अगर न्यजीलैंड ए के भारत दौरे (15 अगस्त से शुरू) या राष्ट्रीय टीम के बांग्लादेश दौरे (12 अगस्त से शुरू) के लिए उन्हें चुना जाता है तो उन्हें 28 अगस्त की समयसीमा से पहले टूर मैचों में खेलने की अनुमति होगी।

रूट को वेतन कटौती पर बातचीत की उम्मीद

लंदन। इंग्लैड के टेस्ट कप्तान जो रूट से उम्मीद है कि कोविड-19 महामारी के कारण वित्तीय चुनौती का आकलन कर रहा इंग्लैड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) आने वाले सप्ताह मे वेतन कटौती को लेकर खिलाड़ियो से चर्चा करेगा। जब इस महामारी का असर खत्म होगा तब तक खिलाड़ियो का कार्यभार काफी बढ़ जाएगा। कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण इंग्लैड मे 28 मई तक किसी भी क्रिकेट पर रोक लगी है और जानकारो का मानना है कि इसे और आगे बढ़ाया जाएगा। अटकलें लगाई जा रही है कि ईसीबी रूट और जोस बटलर जैसे अपने अनुबंधित खिलाड़ियो के वेतन मे कटौती का विचार कर रहा है। रूट हालांकि इस बारे मे नही सोच रहे। रूट ने आईसीसी के वेबसाइट से कहा, मुझे यकीन है कि आने वाले कुछ हफ्तो मे इस पर चर्चा होगी लेकिन वह बातचीत पीसीए (पेशेवर क्रिकेट संघ) और ईसीबी के बीच होगी। जब तक ऐसा नही होता यह मेरी विशेषज्ञता का क्षेत्र नही है। हमे फिलहाल अपनी फिटनेस पर ध्यान देना है जिससे हमे क्रिकेट के लिए वापसी करने मे परेशानी ना हो और हमें समुदाय का ध्यान रखना सुनिश्चित करना होगा। कोरोना वायरस महामारी अभी तक दुनिया भर मे सात लाख से ज्यादा लोगो को संक्रमित कर चुकी है जबकि 35,000 ज्यादा लोगो की मौत हो गई है।

लॉकडाउन के कारण हास्टल में फंसी हिमा ने आउटडोर अभ्यास के लिए रीजीजू से दखल देने की मांग की

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के कारण देश भर मे लगे लॉकडाउन मे पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनआईएस) के शिविर मे शामिल धाविका हिमा दास सहित दूसरे कई एथलीटों ने खेल मंत्री से मांग की है कि उन्हे परिसर के अंदर आउटडोर प्रशिक्षण की अनुमति दी है। एनआईएस पटियाला मे बाहरी लोगो के आने की अनुमति नही है। इस कदम का समर्थन कर रहे सहायक राष्ट्रीय एथलेटिक्स कोच राधाकृष्णन नायर ने पीटीआई भाषा को बताया कि एनआईएस में हिमा के नेतृत्व मे शिविर मे शामिल खिलाड़ियो को एक-दो दिनो मे मंत्रालय से जवाब मिलने की उम्मीद है। नायर ने पटियाला से फोन पर पीटीआई से कहा, हिमा और कुछ अन्य एथलीटों ने खेल मंत्री को लिखा है कि उन्हे दिन मे एक या दो घंटे अलग-अलग समय मे छोटे समूहो मे अभ्यास करने की अनुमति दी जाए ताकि वे सामाजिक दूरी का पालन करते हुए अभ्यास कर सकें। उन्होने रीजीजू को लिखा है कि अगर प्रशिक्षण की अनुमति नही है तो उन्हे घर भेज दिया जाएगा। (लेकिन) घर जाना संभव नही है क्योंकि देश मे लॉकडाउन है और प्रधानमंत्री ने कहा है कि हर किसी को वही रहना चाहिए जहां वे है। इसलिए, मंत्रालय उन्हे घर वापस जाने की अनुमति नही देगा लेकिन आउटडोर प्रशिक्षण के विकल्प पर विचार संभव है। हमें एक-दो दिन मे इसके बारे में पता चल जाएगा। नायर ने कहा कि उन्होंने और दूसरे कोचों ने इस विचार का समर्थन किया है क्योंकि इससे शिविर मे शामिल किसी भी खिलाड़ी के कोरोना वायरस की चपेट मे आने का खतरा नही है। एक शीर्ष कोच ने कहा, एनआईएस मे हमारे साथ 41 एथलीट है और खिलाड़ियों का हॉस्टल से ट्रैक एवं फील्ड क्षेत्र से सिर्फ 50 मीटर की दूरी पर है। हम छोटे समूहो (आठ एथलीट) मे एक या दो घंटे का अभ्यास कर सकते है।

कुंबले ने दान दिया

बेंगलुरू। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले ने कोविड-19 के खिलाफ देश की लड़ाई के लिए मंगलवार को केंद्र और कर्नाटक राज्य राहत कोष में दान दिया। कुंबले ने ट्वीट किया, कोविड-19 को भगाने के लिए हम सभी को एकजुट होकर इससे लड़ना होगा। मैने पीएम राहत कोष और मुख्यमंत्री (कर्नाटक) राहत कोष में योगदान किया है। कृपया घर पर रहिए, सुरक्षित रहिए। हालांकि इस महान लेग स्पिनर ने दान की हुई राशि का खुलासा नही किया। देश में इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है जबकि सोमवार रात तक इससे संक्रमित 1251 से ज्यादा मामले थे।

स्मिथ और वार्नर की मौजूदगी से भारत के खिलाफ मजबूत होगी आस्ट्रेलियाई टीम : टिम पेन

होबार्ट। आस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पेन का मानना है कि स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर के अपार अनुभव से भारत के खिलाफ साल के आखिर में होने वाली चार मैचो की टेस्ट श्रृंखला मे आस्ट्रेलियाई टीम मजबूत रहेगी। पेन की कप्तानी मे आस्ट्रेलियाई टीम 71 वर्ष मे पहली बार 2018 -19 मे अपनी सरजमी पर भारत से टेस्ट श्रृंखला हार गईथी। उस समय स्मिथ और वार्नर गेंद से छेड़खानी प्रकरण के कारण टीम से बाहर थे। पेन ने क्रिकबज से कहा , यह अलग टीम है और उनकी टीम भी अलग होगी लेकिन दोनों टीमें आला दर्जे की है। इस श्रृंखला मे बेहतरीन क्रिकेट खेली जाएगी। हमें इसका इंतजार है।

विम्बलडन के रद्द होने की संभावना: जैमी मर्रे

लंदन। एंडी मर्रे के भाई और दो बार के चैम्पियन पुरुष युगल खिलाड़ी जैमी मर्रे ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामले को देखते हुए विम्बलडन के आयोजकों के पास सिर्फ इस रद्द करने के अलावा दूसरा विकल्प शायद नही है। सात जून तक टेनिस के सभी टूर्नामेंटो को रद्द या स्थगित कर दिया गया है। इससे यूरोपीय क्ले कोर्ट का पूरे सत्र रद्द हो गया। घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले एकमात्र ग्रैंडस्लैम (विम्बलडन) के भी बुधवार को रद्द होने की संभावना है।विम्बलडन के आयोजकों ने इस बात से इन्कार कर दिया कि वे दो बिना दर्शकों के दो सप्ताह के (29 जून से 12 जुलाई) टूर्नामेंट का आयोजन करेंगे। फ्रेंच ओपन पहले ही स्थगित कर दिया गया है जिसका आयोजन सितंबर के आखिर में होने की संभावना है ,ऐसे में विबलडन को किसी दूसरे तारीखों पर कराना मुश्किल होगा।

एआईएफएफ को उम्मीद, तय समय पर होगा अंडर-17 महिला विश्वकप

भाषा। नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर के खेल आयोजनों के रद्द या स्थगित होने के बीच उम्मीद जताई है कि फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप का आयोजन इस साल नवंबर में अपने तय समय पर होगा। टूर्नामेंट के शुरू होने में अभी सात महीने का समय है और ऐसे में आयोजन समिति को उम्मीद है कि आयुवर्ग के इस टूर्नामेंट को आयोजित करने के लिए इतना समय काफी है। एआईएफएफ के महासचिव कुशल दास ने हालांकि कहा कि अब सब कुछ फुटबाल की वैश्विक संस्था फीफा पर निर्भर करता है। दास ने कहा, फीफा इस पर फैसला लेगा। वे सभी घटनाक्रमों पर नजर रख रहे हैं और हम देखेंगे कि यह कैसे होता है। टूर्नामेंट में काफी समय बचा है और वह अभी इंतजार करना चाहेंगे। अभी बहुत समय बाकी है और हम इंतजार करेंगे और आगे की घटनाक्रम देखेंगे।

जागरूकता अभियान से जुड़ी बाला देवी

नई दिल्ली। बाईचुंग भूटिया और सुनील छेत्री के बाद भारतीय महिला फुटबाल टीम की कप्तान बाला देवी मंगलवार को कोरेना वायरस महामारी के खिलाफ एएफसी के जागरूकता अभियान से जुड़ गई जिन्होंने लोगों से घरों के भीतर रहने और सामाजिक दूरी बनाए रखने का आग्रह किया है। एएफसी के हैशटैग ब्रेक द चेन अभियान से जुडने वाली वह अगली शीर्ष खिलाड़ी है। उनसे पहले पूर्व कप्तान भूटिया और मौजूदा कप्तान छेत्री इससे जुड़ चुके है। देवी ने एएफसी की एक विज्ञाप्ति में कहा , विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने हाथ बार बार धोने और लोगों से दूरी बनाए रखने पर जोर दिया है। हमें भी यह चेन तोड़नी होगी और यह टीम प्रयास से ही होगा। हमें मिलकर इस वायरस को हराना है। एक सप्ताह पहले शुरू हुए इस अभियान से दुनिया भर मे लाखो प्रशंसक जुड़ चुके है।

कोई आईपीएल नहीं तो फ्रेंचाइजी को वेतन की कोई चिंता नहीं

● घरेलू खिलाड़ी भी होंगे प्रभावित

भाषा। नई दिल्ली

कोई खेल नहीं तो कोई वेतन नहीं। इस साल आईपीएल में करार करने वाले खिलाड़ियों के साथ भी ऐसा हो सकता है क्योंकि अभी इसे स्थगित कर दिया गया है और तब तक इसके आगे आयोजित होने की संभावना नहीं है, जब तक बीसीसीआई साल के अंत में इसकी वैकल्पिक विंडो तैयार नहीं कर लेता। आईपीलए फ्रेंचाइजी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई से कहा, आईपीएल भुगतान का तरीका ऐसा है कि टूर्नामेंट शुरू होने से एक हफ्ते पहले 15 प्रतिशत राशि दे दी जाती है। टूर्नामेंट के दौरान 65 प्रतिशत दी जाती है। बची हुई 20 प्रतिशित टूर्नामेंट खत्म होने के बाद निर्धारित समय के अंदर दी जाती है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई के विशेष दिशानिर्देश हैं। निश्चित रूप से किसी भी खिलाड़ी को अभी कुछ नहीं दिया गया है। बीसीसीआई खिलाड़ी संस्था – भारतीय क्रिकेटर्स संघ – के अध्यक्ष अशोक मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि आईपीएल के एक सत्र के नहीं होने का आर्थिक प्रभाव काफी बड़ा होगा। उन्हें लगता है कि कोविड-19

महामारी से निपटने के लिए चल रहे लॉकडाउन के चलते अगर नुकसान हजारों करोड़ों में होता है तो घरेलू खिलाड़ियों तक को भी कटौती सहनी पड़ेगी। इस समय बीसीसीआई एक वैकल्पिक विंडो तलाश रहा है क्योंकि मई में आईपीएल कराने का मौका बहुत कम है लेकिन अभी तक कुछ तय नहीं हुआ है। देश में इस समय 21 दिन का लॉकडाउन है जो 14 अप्रैल को खत्म होगा जबकि आईपीएल को 15 अप्रैल तक स्थगित किया गया है। कोरोना वायरस महामारी से अभी तक दुनिया भर में 37,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इससे काफी आर्थिक उथल पुथल हुई है जिससे इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने स्वीकार किया कि उनके वेतन में कटौती हो सकती है। एक अन्य फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने स्पष्ट किया कि महामारी के लिए खिलाड़ियों के वेतन का बीमा नहीं किया जाता। उन्होंने पूछा, हमें बीमा कंपनी से कोई राशि नहीं मिलेगी क्योंकि महामारी बीमा की शर्तों में शामिल नहीं है। प्रत्एक फ्रेंचाइजी की वेतन देने की राशि 75 से 85 करोड़ रूपए है। अगर खेल ही नहीं होता तो हम भुगतान कैसे कर सकते हैं। आईपीएल के 10वें चरण तक फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे इस अधिकारी ने कहा, इंग्लिश प्रीमियर लीग, ला लिगा से लेकर बुंदेसलीगा तक खिलाड़ी कटौती सह रहे हैं। साथ ही यह भी पता नहीं कि चीजें कब सामान्य होंगी। दोनों ने कहा कि बीसीसीआई को देखने की जरूरत है कि क्या किया जा सकता है, हालांकि वे समझते हैं कि उसे करीब 3000 करोड़ रूपए के करीब का नुकसान होगा। ऐसा नहीं है कि धोनी और कोहली ही प्रभावित होंगे। निश्चित रूप से उन्हें भी नुकसान होगा लेकिन पहली बार खेलने वालों के लिए 20, 40 या 60 लाख रूपए जिंदगी बदलने वाली राशि है।

तेल, गैस ब्लाक की बोली की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने कोरेना वायरस महामारी के चलते देशव्यापी लॉकडाउन के बीच 11 तेल और गैस ब्लॉक के लिए बोली लगाने की अंतिम तारीख को आगे बढ़ा दिया है। ए पांचवे दौर की बोली थी। इसके साथ ही सरकार ने फैसला किया है कि अगले दो दौर की बोली को एक साथ मिला दिया जाए। ओपन एक्रेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी) के तहत पांचवे दौर की बोली को जनवरी में खोला गया था और पहले इसे 18 मार्च को बंद होना था, हालांकि बोली की समयसीमा को इस महीने की शुरुआत में 16 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया था। अब इसे और बढ़ा दिया गया है। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) ने एक ट्वीट में कहा, "कोविड-19 महामारी के कारण किए गए बंद के मद्देनजर ओएएलपी के पांचवे दौर की बोली लगाने की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया गया है। संशोधित तिथि जल्द ही अधिसूचित की जाएगी। सरकार अब तक पिछले दो-ढाई वर्षों मे चार दौर की बोलियो के दौरान 94 ब्लॉकों को आवंटित कर चुकी है।

ओएनजीसी, आईओसी, अन्य तेल कंपनियों ने पीएम केयर्स फंड में 1,031 करोड़ से अधिक राशि दी

नई दिल्ली। तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी), इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य तेल कंपनियो ने कोरेना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सरकार को सहयोग देते हुए प्रधानमंत्री के पीएम केयर्स फंड मे1,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान दिया है। कोविड- 19 के खिलाफ लड़ाई मे सरकार को सहारा देते हुए सबसे ज्यादा राशि 300 करोड़ रुपए का योगदान ओएनजीसी ने किया। इसके बाद 225 करोड़ रुपए आईओसी ने, निजीकरण के लिए पेश की गई कंपनी बीपीसीएल ने 175 करोड़ रुपए और ओएनजीसी के सुपुर्द की जा चुकी एचपीसीएल ने 120 करोड़ रुपए का योगदान किया।

कच्चेतेल की कम कीमत इस समय भारत के लिए अधिक मायने नहीं रखता: विशेषज्ञ

बेंगलूरू कच्चेतेल की मौजूदा कम वैश्विक कीमत, भारत के लिए बहुत ज्यादा मायने नही रखती है क्योकि देश को कोरेना वायरस की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाऊन के कारण गंभीर आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व भारतीय राजनयिक ने यह कहा है। सऊदी अरब, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय राजदूत के रूप मे काम कर चुके तलमीज अहमद ने कहा कि जाहिर तौर पर कच्चेतेल की कम कीमते भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। लेकिन उन्होंने कहा कि भारत सहित विश्व की अर्थव्यवस्थाएं बहुत गंभीर आर्थिक मंदी की ओर बढ़ रही है।

बैंक ने शाखाओं से मासिक किस्त भुगतान पर रोक, आरबीआई के अन्य राहत उपायों को अमल में लाने को कहा

नई दिल्ली। बैंको ने कोरेना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिए लॉकडाउन से लोगो को राहत देने के लिए आवास, वाहन और फसल समेत सभी प्रकार के मियादी कर्जो की किस्त लौटाने पर तीन महीने की रोक को लेकर अपनी शाखाओ को इसे अमल मे लाने को लेकर कदम उठाने को कहा है। रिजर्व बैंक ने कोरेना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिए लॉकडाउन से लोगो को राहत देने के लिए कर्ज की किस्त लौटाने पर तीन महीने की मोहलत देने की घोषणा की है।

आईटीसी ने परफ्यूम कारखाने में शुरू किया सैवलॉन हैंड सैनेटाइजर का विनिर्माण

नई दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनी आईटीसी ने अपने परफ्यूम बनाने के कारखाने मे सैवलॉन हैंड सैनेटाइजर का विनिर्माण शुरू कर दिया। कंपनी का यह कारखाना हिमाचल प्रदेश के मानुपरा मे स्थित है। कोरेना वायरस संकट के बीच हैंड सैनेटाइजर की बढ़ी मांग को देखते हुए कंपनी ने इस संयंत्र मे यह काम शुरू किया है। जबकि कंपनी का यह संयंत्र प्रीमियम श्रेणी के परफ्यूम (एल्कोहल आधारित कृत्रिम इत्र) बनाने के हिसाब से विकसित किया गया है।

प्राकृतिक गैस के दाम में 26 प्रतिशत की बड़ी कटौती

● ओएनजीसी के राजस्व में आ सकती है कमी

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने देश में उत्पादित प्राकृतिक गैस के बिक्री मूल्य में मंगलवार को 26 प्रतिशत की बड़ी कटौती की और इस तरह 2014 में घरेलू गैस का मूल्य निर्धारण फार्मूला आधारित बनाए जाने के बाद दाम सबसे निम्न स्तर पर आ गए हैं। प्राकृतिक गैस के दाम घटने से सीएनजी, पाइप के जरिए घरों तक पहुंचाई जाने वाली गैस के दाम भी कम होंगे लेकिन इससे ओएनजीसी जैसी गैस उत्पादक कंपनियों के राजस्व में भारी कमी आने की आशंका है। पेट्रोलियम मंत्रालय के योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ट (पीपीएसी) ने कहा है कि भारत में पैदा होने वाले मौजूदा गैस उत्पादन के बड़े हिस्से का दाम एक अप्रैल से अगले छह माह के लिए अब 2.39 डालर प्रति दस लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) होगा। इससे पहले यह दाम 3.23 डालर प्रति दस लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट पर था। वर्ष 2014 के बाद से यह छह माह में यह दूसरी बड़ी गिरावट आई है। वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने प्राकृतिक गैस के दाम तय करने के लिए एक नया फार्मूले को मंजूरी दी थी। इसके साथ ही गहरे समूद्री क्षेत्रों से निकलने वाली गैस का दाम भी 8.43 एमबीटीयू से घटकर 5.61 डालर पर आ गया है। प्राकृतिक गैस के दाम हर साल एक अप्रैल और एक अक्टूबर को तय किए जाते हैं। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल उर्वरक और बिजली उत्पादन में किया जाता है। इसका सीएनजी बनाने में भी इस्तेमाल होता है जिसे वाहन ईंधन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। घरों में खाना पकाने के लिए भी पाइप के जरिए सीएनजी पहुंचाई जाती है। प्राकृतिक गैस के दाम घटने का असर इनकी उत्पादक कंपनियों के राजस्व पर भी पड़ता है। देश में ओएनजीसी प्राकृतिक गैस की सबसे बड़ी उत्पादक कंपनी है। इससे पहले एक अक्टूबर को प्राकृतिक गैस के दाम 12.5 प्रतिशत घटाकर 3.23 प्रतिशत प्रति एमएमबीटीयू कर दिए गए थे। मुश्किल क्षेत्रों से निकाली जाने वाली प्राकृतिक गैस के दाम भी 9.32 डालर के सर्वकालिक उच्च सतर से घटाकर 8.43 डालर प्रति बैरल पर आ गए थे। सूत्रों के मुताबिक गैस के दाम घटने से ओएनजीसी की कमाई में 3,000 करोड़ रुपए तक की कमी आ सकती है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसकी भागीदारबीपी पीएलसी की कमाई भी कम हो सकती है।

राजकोषीय घाटा फरवरी अंत में बजट अनुमान का 135.2 प्रतिशत पहुंचा

नई दिल्ली। सरकार का राजकोषीय घाटा फरवरी के अंत में पूरे वर्ष के लक्ष्य का 135.2 प्रतिशत पहुंच गया है। मुख्य रूप से राजस्व संग्रह धीमी होने से राजकोषीय घाटा बढ़ा है। मंगलवार को जारी लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के आंकड़े के अनुसार निरपेक्ष रूप से व्यय और राजस्व का अंतर राजकोषीय घाटा 10,36,485 करोड़ रुपए रहा। फरवरी के दौरान कोरोना वायरस महामारी का कोई प्रभाव नही था। हालांकि जब सीजीए पूरे वित्त वर्ष का आंकड़ा जारी करेगा, इसका प्रभाव साफ दिखाई देगा। सरकार ने 2019-20 में राजकोषीय घाटा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का 3.8 प्रतिशत या 7.1 लाख करोड़ रुपए रहने का लक्ष्य रखा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में राजकोषीय घाटा बजटीय अनुमान का 134.2 प्रतिशत था। सीजीए के अनुसार सरकार की राजस्व प्राप्ति 2019-20 में 13.77 लाख करोड़ रुपए रही जो संशोधित अनुमान का 74.5 प्रतिशत है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि मे यह 73.2 प्रतिशत थी। आंकड़े के अनुसार कुल व्यय संशोधित अनुमान का 91.4 प्रतिशत या 24.65 लाख करोड़ रुपए रहा। इससे पूर्व वित्त वर्ष की इसी अवधि मे व्यय संशोधित अनुमान का 89.1 प्रतिशत था। कुल खर्च मे पूंजी व्यय संशोधित अनुमान 87.5 प्रतिशत रहा जो इससे पूर्व 2018-19 की इसी अवधि मे 86.6 प्रतिशत था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी मे 2020-21 का बजट पेश करते हुए 2019-20 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य पूर्व के 3.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 3.8 प्रतिशत कर दिया। राजस्व मे कमी को देखते हुए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य बढ़ाया गया।

रिलायंस जियो ने वैधता 17 अप्रैल तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने अपने जियो फोन उपभाक्ताओ की वैधता 17 अप्रैल तक बढ़ा दी है। इसके साथ कंपनी इन ग्राहको को बात करने के लिए 100 मिनट की कॉलिंग और 100 मुफ्त एसएमएस भी देगी। कंपनी ने एक बयान मे कहा कि ऐसे ग्राहको की वैधता खत्म होने के बावजूद उन्हें इनकमिंग कॉल की सुविधा मिलती रहेगी।

कोविड– 19 के बढ़ते मामले चिंता की बात नहीं: किरण मजूमदार शॉ

बेंगलूरू । जैव प्रौद्योगिकी उद्यमी किरण मजूमदार शॉ ने मंगलवार को विश्वास जताते हुए कहा कि जब तक भारत गंभीर रूप से बीमार कोविड- 19 के मरीजो की संख्या कम रखने मे सफल रहता है तब तक चिंता करने की कोई जरूरत नही है और भारत स्थिति को नियंत्रित कर लेगा।

स्पाइसजेट मार्च में सभी कर्मचारियों के वेतन में 10–30प्रतिशत की कटौती करेगी

मुंबई। विमानन कंपनी स्पाइसजेट मार्च मे अपने सभी कर्मचारियो के वेतन मे 10-30 प्रतिशत तक कटौती करेगी, जबकि कंपनी के चेयरमैन अजय सिंह को मिलने वाली धनराशि मे सबसे अधिक 30 प्रतिशत कटौती होगी। एयरलाइन ने मंगलवार को कर्मचारियो को भेजे एक ईमेल मे यह बात कही। ईमेल मे कहा गया है, स्पाइसजेट प्रबंधन ने मार्च मे सभी कर्मचारियो के वेतन मे 10-30 प्रतिशत के बीच कटौती करने का फैसला किया है।

पूर्वी एशिया, प्रशांत क्षेत्र में एक करोड़ से अधिक लोग गरीबी की जाल में फंस सकते हैं : विश्वबैंक

वाशिंगटन। विश्वबैंक ने चेतावनी दी है कि कोरोना वायरस महामारी के चलते पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र मे लगभग 1.1 करोड़ लोग गरीबी के जाल मे फंस सकते है। इस बीमारी से दुनिया भर में 7.80 लाख लोग संक्रमित है और 37,000 से अधिक की मौत हो चुकी है।

सेंसेक्स 1,028 अंक उछला

● 2019-20 में 23.80 प्रतिशत टूटा
● मार्च में रिकार्डतोड़ गिरावट

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में वित्त वर्ष 2019-20 के अंतिम दिन मंगलवार को जोरदार तेजी आई और सेंसेक्स 1,028 अंक से अधिक मजबूत हुआ। हालांकि अगर पूरे वित्त वर्ष को देखा जाए तो इसमें अच्छी-खासी गिरावट आई है। कोरोना वायरस महामारी के कारण मार्च महीने में ही इसमें रिकार्ड गिरावट दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,028.17 अंक यानी 3.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 29,468.49 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 316.65 अंक यानी 3.82 प्रतिशत मजबूत होकर 8,597.75 अंक पर बंद हुआ। मार्च माह में कोराना वायर के संक्रमण के चलते भारत और अन्य देशों में सार्वजनिक पाबंदियों से कारोबार पर प्रभाव तथा वैश्वक मंदी के दस्तक देने के बीच बाजारों में अभूतपूर्व गिरावट दिखी। इसके असर से वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान सेंसेक्स कुल मिला कर 9,204.42 अंक यानी 23.80 प्रतिशत लुढ़का जबकि एनएसई निफ्टी 3,026.15 अंक यानी 26.03 प्रतिशत नीचे आया। कोरोना वायरस संकट के बीच वैश्विक बाजारों के अनुरूप दोनों सूचकांकों में मार्च महीने में एक दिन में अबतक की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। निवेशक संकट के दौरान जोखिमपूर्ण संपत्ति से बाहर निकलकर सुरक्षित उत्पादों में निवेश को तरजीह दे रहे हैं। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में आईटीसी रही। कंपनी का शेयर 7.84 प्रतिशत मजबूत हुआ। उसके बाद क्रमश: रिलायंस इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और एसबीआई का स्थान रहा। सूचकांक में शामिल केवल चार कंपनियों के शेयर नीचे आए। ए हैं... इंडसइंड बैंक (14.68 प्रतिशत), मारुति (1.23 प्रतिशत), बजाज फाइनेंस (1.17 प्रतिशत) और टाइटन (1.13 प्रतिशत)। कारोबारियों के अनुसार दुनिया के अन्य बाजारों में तेजी के साथ निवेशकों की धारणा घरेलू बाजार को लेकर सकारात्मक रही। एशिया के ज्यादातर प्रमुख बाजारों में तेजी रही।

मंदी में चली जाएगी विश्व अर्थव्यवस्था

● भारत, चीन हो सकते हैं अपवाद - संयुक्तराष्ट्र

भाषा। संयुक्तराष्ट्र

संयुक्तराष्ट्र की ताजा व्यापार रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी के चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था इस साल मंदी मे चली जाएगी, जबकि भारत और चीन इसके अपवाद हो सकते है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान खरबो डॉलर का नुकसान होगा और विकासशील देशो के लिए एक बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। रिपोर्ट मे हालांकि इस बात की विस्तार से व्याख्या नही की गई है कि भारत और चीन अपवाद क्यो और कैसे होंगे। संयुक्तराष्ट्र ने कहा है कि कोविड-19 संकट के चलते विकासशील देशों मे रह रहे दुनिया के करीब दो-तिहाई लोग अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहे है और साथ ही इन देशों की मदद के लिए 2500 अरब डॉलर के राहत पैकेज की सिफारिश भी की गई है। संयुक्तराष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (अंक्टाड) के एक ताजा विश्लेषण मे कहा गया है कि दुनिया की दो-तिहाई आबादी प्रभावित होगी और अगले दो वर्षों के दौरान विकासशील देशो मे करीब 2,000 अरब डॉलर से 3,000 अरब डॉलर के बीच विदेशो से आने वाला निवेश प्रभावित हो सकता है।

भारत के साथ समन्वय कर रहा अमेरिका

अपने फंसे हुए नागरिकों को वापस लाने की कवायद में जुटी ट्रंप सरकार

व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में कोरोना वायरस को लेकर संबोधन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व स्वास्थ्य अधिकारी सीमा वर्मा

भाषा। वाशिंगटन

ट्रंप प्रशासन भारत में फंसे हुए उन सभी अमेरिकी नागरिकों को निकालने के लिए भारत सरकार के साथ समन्वय कर रहा है जिन्होंने अमेरिका लौटने की इच्छा व्यक्त की है। यहां के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी है।कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के तेजी से फैलने के बीच देश के फंसे हुए नागरिकों ने देश लौटने की इच्छा जताई है। दूतावास संबंधी मामलों के लिए प्रधान उपसहायक विदेश मंत्री ईयान ब्राउनली ने सोमवार को टेलीकॉन्फ्रेंस के दौरान संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका 50 देशों से अपने करीब 25,000 नागरिकों को वापस लाया है और भारत समेत अन्य देशों में फंसे करीब 9,000 अन्य ने घातक कोरोना वायरस की वैश्विक महामारी के मद्देनजर अमेरिका लौटने की इच्छा जाहिर की है। ब्राउनली ने कहा, हम देख रहे हैं कि बहुत से अमेरिकी नागरिक एशिया में भारत, बांग्लादेश और इंडोनेशिया से लौटना चाहते हैं। हमने उन्हें वापस लाने के लिए पहला विमान आज बांग्लादेश भेजा है और भारत में उड़ान सेवा शुरू करने के लिए हम वहां की सरकार के साथ समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते जिन नागरिकों ने देश लौटने की इच्छा जताई है, अमेरिका उन्हें वापस लाने की व्यवस्था कर रहा है।ब्राउनली ने कहा, हम अगले हफ्ते 100 अतिरिक्त विमान भेजने पर विचार कर रहे हैं और हमने 9,000 अमेरिकी नागरिकों की पहचान की है जिन्होंने उन विमानों में सवार होने की इच्छा प्रकट की है।

अधिकारी ने अमेरिकी नागरिकों से वापस आने के विकल्प चुनने के लिए अभी से योजना बनाने की अपील की है और कहा कि अब वे देख रहे हैं कि ज्यादातर अमेरिकी नागरिकों ने बाहर ही रहने का फैसला किया है और वहीं से संकट से उबरना तय किया है। उन्होंने कहा, अगर लोग अब इन विमानों से लौटने का लाभ नहीं लेते हैं तो उन्हें वहीं रहना होगा जहां वे फिलहाल हैं। भारत में अमेरिकी दूतावास ने सोमवार को कहा कि वह इस हफ्ते नई दिल्ली और मुंबई से कई उड़ानों के अमेरिका जाने की आशा कर रहे हैं।भारत अपने सभी नागरिकों को मुफ्त में देश वापस लाया था लेकिन अमेरिका इसके उलट ज्यादातर वक्त निजी एयरलाइन्स की सेवा लेता है और उसके नागरिकों को इसका भुगतान करना होता है जो नियमित किराए से बहुत ज्यादा होता है।

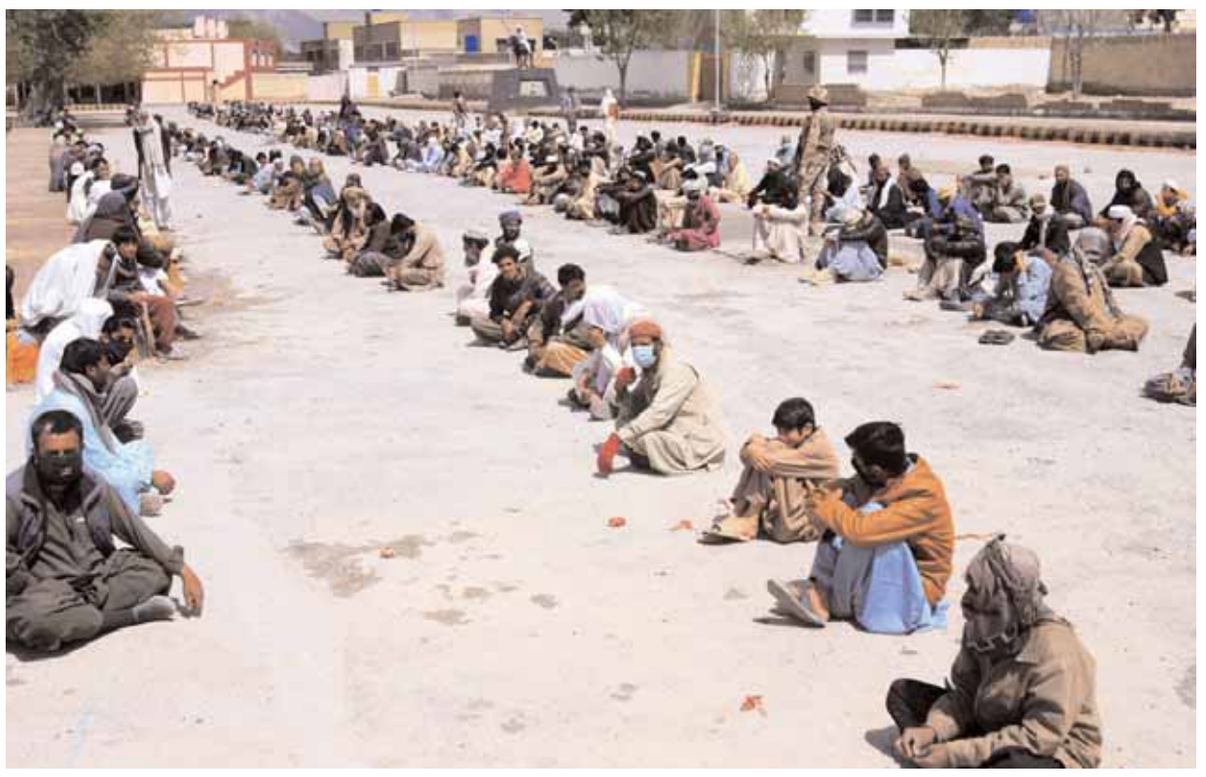

पाकिस्तान के क्वेटा में लाकडाउन के बीच लोगों को उचित दूरी पर बैठाकर निशुल्क भोजन उपलब्ध कराती एक संस्था

वायरसः अमेरिकी विवि ने स्वचालित व सस्ते वेंटिलेटर बनाए

भाषा। ह्यूस्टन

दुनियाभर में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण वेंटिलेटर की मांग में इजाफा के बीच टेक्सास के एक विश्वविद्यालय ने स्वचालित, हाथ में लेकर उपयोग किए जा सकने वाले तथा सस्ते श्वसन उपकरण बनाए हैं जिनका जल्द ही इस्तेमाल भी किया जा सकेगा।

जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर के 175 से अधिक देशों और क्षेत्रों में कोविड-19 से 7,82,365 लोग संक्रमित हुए हैं। अब तक इस संक्रमण के कारण 37,582 लोगों की मौत हो चुकी है। पूरे अमेरिका के अस्पतालों में वेंटिलेटरों की कमी है। बहरहाल, कुछ चिकित्सा उपकरण निर्माता आपूर्ति तेज करने को तैयार हुए हैं।कोविड-19 के मरीजों या संदिग्धों को अकसर श्वसन सहायता की जरूरत होती है लेकिन जितने उपकरणों की जरूरत होगी उतने इतनी तेजी से बन नहीं पाएंगे और न ही इतनी तेजी से उनकी आपूर्ति संभव होगी। टेक्सास के राइस विश्वविद्यालय और कनाडा की कंपनी मैट्रिक टेक्नोलॉजीज ने ऑटोमेटेड बैग वॉल्व मास्क वेंटिलेशन यूनिट विकसित की हैं जो 300 डॉलर से भी कम लागत में बन सकती हैं। इसे तैयार करने वाले डिजाइन किचन टीम के सदस्य वेटरग्रीन ने बताया, यह ऐसे मामलों के लिए नहीं हैं जिनमें मरीज की हालत नाजुक है, बल्कि ऐसे लोगों के लिए है जिन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

बदतर हालात के लिए तैयार हैं न्यूयॉर्क के अस्पताल के डॉक्टर

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में अस्पतालों में कोरोना वायरस के मरीजों की बढ़ती भीड़ के बीच डॉक्टर शमित पटेल अगले कुछ दिन में पैदा होने वाले खराब हालात का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि उन्हें उम्मीद हैं कि ऐसी स्थिति ना आन पड़े कि उन्हें चुनना पड़े कि किस कोरोना वायरस रोगी का इलाज पहले किया जाना चाहिए। महज 10 दिन पहले मैनहट्टन के प्रमुख अस्पताल बेथ इस्राइल में 46 वर्षीय पटेल के केवल 50 प्रतिशत रोगी कोविड-19 से ग्रस्त थे। उन्होंने कहा, अभी तक तो हम क्षमता से अधिक बोझ का सामना नहीं कर रहे, लेकिन हम इस स्थिति की भी तैयारी कर रहे हैं। पटेल को लगता है कि अस्पताल ने इसके लिए भलीभांति तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा, जिस रफ्तार से मैं कोरोना वायरस के रोगियों को बढ़ते देख रहा हूं, उससे लगता है कि इस सप्ताह के अंत से लेकर अगले सप्ताह तक किसी वक्त तक रोगियों की संख्या चरम पर पहुंच सकती है।

पिछले दो सप्ताह से अत्यंत दबाव में काम कर रहे पटेल बदतर से बदतर हालात के लिए तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति वह बिल्कुल नहीं देखना चाहते लेकिन वह तैयार हैं।

चीन में कोरोना वायरस से एक की मौत, विदेश से लौटे 48 लोगों में संक्रमण की पुष्टि

भाषा। बीजिंग

चीन में 48 लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है जबकि इस जानलेवा विषाणु से सर्वाधिक प्रभावित हुबेई प्रांत में एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सभी संक्रमित व्यक्ति विदेशों से यह संक्रमण लेकर लौटे हैं। देश में वायरस से मृतकों की संख्या 3,305 हो गई है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने मंगलवार को कहा कि चीनी भूभाग पर सोमवार को कोविड-19 का कोई ऐसा मामला सामने नहीं आया है जो घरेलू स्तर पर फैला हो। लेकिन विदेशों से संक्रमित होकर आए 48 नए मामले सामने आने के बाद ऐसे मामलों की संख्या कुल 771 हो गई है जबकि हुबेई प्रांत में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

आयोग ने बताया कि सोमवार तक मुख्यभूमि में संक्रमण के कुल 81,518 मामले थे जिनमें बीमारी से मरने वाले 3,305 लोग, अब भी इलाज करा रहे 2,161 मरीज और ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी पाने वाले 76,052 लोग शामिल हैं।

सोमवार को 282 लोगों को स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई जबकि गंभीर मामलों की संख्या 105 घट कर 528 हो गई।एनएचसी ने कहा कि 183 लोगों के अब भी संक्रमित होने का संदेह है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने खबर दी कि सोमवार तक हांग कांग में चार मौत समेत 682 मामले, मकाऊ में 39 और ताइवान में पांच मौत समेत 306 मामले थे।इस बीच, देश में कोरोना वायरस का प्रकोप कुछ कम हुआ है। कोविड-19 के चलते देश की रफ्तार करीब दो महीने तक थमी रही। चीन ने सोमवार को अधिक कर्ज देने को आसान बनाने के लिए रिवर्स रेपो दर में 20 बेसिस प्वाइंट की कटौती की।

क्विक न्यूज

चीन में जंगल में आग, 19 की मौत

बीजिंग। दक्षिण पश्चिमी चीन के सिचुआन प्रांत में जंगल में आग लगने की वजह से दमकल के 18 कर्मचारियो समेत कुल 19 लोगो की मौत हो गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंगलवार को कहा कि एक स्थानीय खेत मे सोमवार को अपराह्न करीब चार बजे आग लगी जो तेज हवाओ के कारण नजदीकी पर्वतो पर तेजी से फैल गई। मारे गए लोगो मे दमकल के 18 कर्मियो के अलावा एक स्थानीय खेतिहार श्रमिक था जो दमकलकर्मियो की मदद कर रहा था। हवा की दिशा मे अचानक आए बदलाव से वे आग के बीच फंस गए।लोगो को वहां से निकालने का काम जारी है और 300 से अधिक दमकल कर्मियो तथा 700 सैनिको को मदद के लिए भेजा गया है। इस बीच चीन के युन्नान प्रांत मे रविवार को लगी आग पर काबू पा लिया गया है। नानजिंग की काउंटी सरकार के अनुसार आग पर सोमवार की रात 11 बजकर 34 मिनट पर काबू पाया गया। रविवार को लगी आग 90 हेक्टेयर से अधिक भाग मे फैल गई थी। इस घटना मे किसी के हताहत होने की सूचना नही है। आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

बेल्जियम में कोरोना वायरस से संक्रमित एक लड़की की मौत

ब्रसेल्स। बेल्जियम मे कोरोना वायरस से संक्रमित 12 वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई। एक सरकारी प्रवक्ता डा. इमैनुएल आंद्रे ने बताया, कम उम्र मे मौत होना एक असामान्य घटना है। उन्होने कहा कि लड़की की मौत ने हमे चकित कर दिया है। इस बीमारी से जूझ रहे बेल्जियम मे कोरोना वायरस से एक बच्चे की मौत होने का यह पहला मामला है। ताजा आधिकारिक आंकड़ो के अनुसार देश मे कोरोना वायरस से 705 लोगो की मौत हो चुकी है।

तंजानिया में कोरोना वायरस के संक्रमण से पहली मौत

दार-ए-सलाम (तंजानिया)। तंजानिया मे कोरोना वायरस से संक्रमित 49 वर्षीय व्यक्ति की मंगलवार को मौत हो गई। इस पूर्वी अफ्रीकी देश मे कोरोना वायरस के संक्रमण से यह पहली मौत है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। तंजानिया मे 16 मार्च से कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले सामने आ रहे है। इस दौरान विदेशी यात्री और उनके संपर्क मे आए लोग वायरस से संक्रमित पाए गए है। अब तक एक व्यक्ति इलाज के बाद ठीक हुआ है। तंजानिया की स्वास्थ्य मंत्री उम्मी एमवलीमू ने बिना विस्तृत जानकारी दिए कहा, बहुत दुख के साथ बताना पड़ रहा है कि कोरोना वायरस के एक रोगी ने आज सुबह दम तोड़ दिया। उस 49 वर्षीय व्यक्ति को अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी थी।

ईरान में 141 और लोगों की मौत, मृतक संख्या 2,898 पहुंची

तेहरान। ईरान ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस से 141 और लोगो की मौत हो गई जिससे देश मे इस महामारी से मृतको की संख्या बढ़कर 2,898 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता किन्यौस जहांपुर ने बताया कि पिछले 24 घंटे मे 3,111 नए मामले सामने आए है जिससे इससे संक्रमित लोगो की संख्या 44,606 हो गई है। उन्होने बताया कि 3,703 लोगो की हालत गंभीर बनी हुई है और 14,656 लोग स्वस्थ हो गए है।

स्पेन में पिछले 24 घंटे में 849 लोगों की मौत

मैड्रिड। स्पेन मे पिछले 24 घंटे मे कोरोना वायरस के संक्रमण से रिकार्ड 849 लोगो की मौत हो गई जिससे देश मे इस महामारी से मृतको की संख्या बढ़कर 8,189 हो गई है।सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी।स्पेन मे मृतको के आंकड़े मे कल कुछ कमी आई थी। पिछले 24 घंटे मे 9,222 लोग इस वायरस से संक्रमित पाए गए है जिससे पुष्ट मामलो की कुल संख्या बढ़कर 94,417 हो गई है।

इटली में 12 अप्रैल तक बढ़ा लॉकडाउन

रोम। इटली ने कोरोना वायरस संक्रमण को जड़ से खत्म करने की खातिर लॉकडाउन की अवधि अप्रैल माह के मध्य तक बढ़ा दी है। यहां इस संक्रमण के कारण दुनिया मे सर्वाधिक 11,591 लोगो की मौत हुई है। प्रधानमंत्री ग्यूसेप कोते ने सोमवार को कहा कि बंद मे किसी भी तरह की ढील धीरे-धीरे करके ही दी जाएगी ताकि इटली ने अब तक इस संक्रमण के खिलाफ जो कुछ भी सफलता हासिल की है, उस पर पानी न फिर जाए। कोते ने स्पेन के अल पाइस अखबार से कहा कि लगभग तीन हफ्ते के बंद ने आर्थिक हालात खराब कर दिए है। इसे लंबे समय तक जारी नही रखा जा सकता है, बंद को खत्म करने के उपायो को हम देख सकते है लेकिन यह धीरे-धीरे ही करना होगा। स्वास्थ्य मंत्री रोबर्टो स्पेरंजा ने बाद मे घोषणा की, बंद संबंधी सभी कदम कम से कम 12 अप्रैल तक, यानि ईस्टर तक जारी रहने वाले है। पहले बंद की अवधि शुक्रवार को खत्म होने वाली थी।इस वैश्विक महामारी को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन करने की पहल करने वाला इटली पहला पश्चिमी देश था। यहां इस संक्रमण के मामले 1,00,000 से अधिक हो चुके है। अब यहां संक्रमण फैलने की रफ्तार भी कम होती दिख रही है।

कोरोना वायरस : स्पेन में अंतिम संस्कार के लिए अब तीन ही लोग एकत्र हो पाएंगे

मैड्रिड। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच स्पेन ने अंतिम संस्कार में अधिक लोगों के एकत्रित होने और घरों पर जाकर शोक व्यक्त करने पर रोक लगा दी है। नए आदेशानुसार, अंतिम संस्कार के लिए अब तीन से अधिक लोग एकत्रित नहीं हो पाएंगे।

मैड्रिड ने सोमवार को घोषणा की अलर्ट खत्म होने तक धार्मिक समारोह और लोगों के अंतिम संस्कार के बाद किए जाने वाले अनुष्ठानों पर रोक रहेगी। लोगों को नियंत्रित रखने के लिए देशभर में 11 अप्रैल तक लॉकडाउन घोषित किया गया है। नए आदेशानुसार अब केवल तीन लोग ही अंतिम संस्कार के लिए एकत्र हो पाएंगे और लोगों को एक दूसरे से एक-दो मीटर की दूरी बनाए रखनी होगी। स्पेन में कोरोना वायरस की चपेट में आने से अभी तक 7,340 लोगों की जान जा चुकी है। सरकार ने लोगों के घर पर जाकर शोक व्यक्त करने पर भी रोक लगा दी है।

बैंकाक में मास्क लगाए बौद्ध भिक्षुओं को खाद्य सामग्री देते लोग। कोरोना वायरस के चलते यहां भी पूरी सतर्कता बरती जा रही है

जॉनसन एंड जॉनसन के कोरोना वायरस टीके का मनुष्य पर परीक्षण इस साल सितंबर में

एएफपी। वाशिंगटन

जॉनसन एंड जॉनसन ने कहा है कि उसने कोरोना वायरस के इलाज के लिए संभावित टीके की पहचान की है जिसका सितंबर माह में मनुष्यों पर परीक्षण किया जाएगा और यह अगले साल के शुरुआती महीनों में आपात इस्तेमाल के लिए उपलब्ध भी हो सकता है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया कि फार्मास्यूटिकल कंपनी ने अमेरिकी सरकार के बायोमेडिकल एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है जो इस प्रयास में एक अरब डॉलर का निवेश करेगा। जॉनसन एंड जॉनसन ने जनवरी में एडी26 सार्स-सीओवी-2 पर जनवरी में काम करना शुरू किया था जिसपर अब भी जांच चल रही है। इस टीके के लिए ईबोला के संभावित टीके को विकसित करने वाली प्रौद्योगिकी का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। कंपनी के मुख्य विज्ञानी अधिकारी पॉल स्टोफेल्स नेकहा, हमारे पास कई संभावित टीके थे जिनका परीक्षण हमने जानवरों पर किया था और उनमें से हमें सर्वश्रेष्ठ को चुनना था, इसमें 12 हफ्ते लग गए 15 जनवरी से लेकर आज तक का वक्त। उन्होंने कहा हमें यह भी आंकना था कि कौन से संभावित टीके में सुधार किया जा सकता है ताकि एक तरफ यह सुनिश्चित हो सके कि यह काम करे और दूसरी तरफ इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ लिया जा सके।

हालांकि आज तक कोरोना वायरस परिवार से संबंधित किसी भी वायरस के लिए सफल मानवीय टीका नहीं बन सका है लेकिन स्टोफेल्स को भरोसा है कि वे इस उपलब्धि को हासिल कर लेंगे।

रूस में लॉकडाउन का दायरा बढ़ाया गया

मॉस्को। रूस में एक ही दिन में कोरोना वायरस के सवार्धिक 500 मामले सामने आने के बाद इस महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए मंगलवार को लॉकडाउन का दायरा बढ़ा दिया गया और साथ ही तीन महत्वपूर्ण कानूनों को मंजूरी दे दी गई।क्षेत्रफल के लिहाज से दुनिया के सबसे बड़े देश रूस के कुल 85 में से अब 40 से अधिक क्षेत्रों में लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। इनमें पूर्व में चीन की सीमा से लगा प्रिमोर्स्की क्राई और पश्चिम में कालिनिनग्राद क्षेत्र भी शामिल हैं।वहीं दूसरी ओर संसद के निचले सदन स्टेट ड्यूमा ने मंगलवार को तीन मसौदा विधेयकों को मंजूरी दे दी, जिनमें कोरोना वायरस पृथकता नियमों का उल्लंघन करने वालों और झूठी खबरें फैलाने वालों को सात साल जेल की सजा का प्रावधान है। इससे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को कड़े कदमों को सही ठहराते हुए कहा था कि अगर पूरे देश में मनोरंजन स्थलों को बंद नहीं किया गया तो स्थानीय अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक लापरवाही का मामला दर्ज किया जा सकता है। लगभग 14 करोड़ 40 लाख की आबादी वाले रूस में मंगलवार तक कोरोना वायरस से 17 लोगों की मौत हो चुकी है और 2,337 लोग इससे संक्रमित हैं। बीते 24 घंटे में देश में 500 नए मामले सामने आए हैं जो कि एक दिन में सामने आए मामलों की सबसे अधिक संख्या है।

नेपाल में फंसे सैकड़ों अमेरिकी अपने वतन लौटे

काठमांडू। नेपाल मे कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन (बंद) की वजह से फंसे सैकड़े अमेरिकी मंगलवार को एक उड़ान के जरिए अपने देश वापस लौट गए। अमेरिकी सरकार ने कतर एयरवेज की एक उड़ान का इंतजाम किया था जो 302 अमेरिकियो को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाशिंगटन लेकर गई। नेपाल मे स्थित अमेरिकी दूतावास ने बताया कि एक अनुमान के मुताबिक देश मे तीन से चार हजार अमेरिकी है और सभी अमेरिका वापस नही जाना चाहते है।नेपाल मे अमेरिकी राजदूत रैंडी बैरी ने कहा कि विभिन्न स्थानो से अमेरिकियो को इकट्ठा कर राजधानी काठमांडू लाने मे कई दिन लग गए। इसके बाद उनके लिए एक उड़ान का इंतजाम किया गया।

फेसबुक और इंस्टाग्राम ने पृथक करने पर सवाल उठाने वाले वाले बोलसोनारो के वीडियो हटाए

एएफपी। ब्रासीलिया

फेसबुक और इंस्टाग्राम ने सोमवार को ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के वीडियो यह कहते हुए हटा दिए कि ये कोरोना वायरस के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाने वाले हैं। एक दिन पहले ट्विटर ने भी उनके वीडियो हटाए थे।फेसबुक ने एक बयान में कहा, हमने उपयोग के नियम शर्तों का उल्लंघन करने वाली सामग्री फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटा दी है। ए नियम ऐसी गलत जानकारी की इजाजत नहीं देते हैं जिससे लोगों को शारीरिक नुकसान पहुंच सकता हो। ट्विटर ने रविवार को बोलसोनारो के वीडियो हटाने पर वक्तव्य में कहा था कि उसने ऐसी विषयवस्तु संबंधी अपने वैश्विक नियमों का विस्तार किया है जो आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त लोक स्वास्थ्य सूचना की विरोधाभासी हैं और लोगों को कोविड-19 के जोखिम में डालती है।ट्विटर ने कहा था कि इन वीडियो को सोशल नेटवर्क के नियमों का उल्लंघन करने के आधार पर हटाया गया है।वीडियो में धुर दक्षिणपंथी नेता ब्राजीलिया की सड़कों पर समर्थकों के बीच आए और इस तरह उन्होंने अपनी सरकार की सामाजिक मेल मिलाप सामाजिक दूरी के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया। उन्होंने समर्थकों का आह्वान किया और कहा कि वे अर्थव्यवस्था को सुचारू रखें। इसके कई वीडियो भी उन्होंने पोस्ट किए। स्वास्थ्य मंत्री लुईज हेनरिक मेनदेत्ता ने वायरस से निपटने के लिए सामाजिक दूरी के महत्व पर जोर दिया। बोलसोनारो के विरोधियों ने कोरोना वायरस महामारी से गलत तरह से निपटने के मुद्दे पर उनके इस्तीफे की मांग की है। दरअसल बोलसोनारो ने कोविड-19 को महज फ्लू बताया था जिसके चलते उनकी सभी ओर आलोचना हो रही है।

वायरसः एशिया और प्रशांत क्षेत्र में लंबी लड़ाई की चेतावनी दी डब्ल्यूएचओ ने

जकार्ता। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी है कि कोविड-19 को लेकर पूरा ध्यान जहां पश्चिमी यूरोप और उत्तर अमेरिका के सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों की ओर चला गया है वहीं एशिया और प्रशांत क्षेत्र में यह महामारी अभी समाप्त होने से बहुत दूर है।एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सभी स्तर पर सरकारों से वायरस से लड़ने के प्रयासों में लगे रहने का अनुरोध करते हुए डब्ल्यूएचओ के पश्चिम प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ ताकेशी कासाई ने कहा, यह लड़ाई बहुत लंबी चलने वाली है और हम अपनी चौकसी में ढिलाई नहीं ला सकते। प्रत्एक नागरिक को उनके स्थानीय हालात के हिसाब से निपटना होगा। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचओ को लगता है कि इससे निपटने के लिए सभी के लिए एक समान तरीका नहीं है लेकिन कुछ समान उपाय जरूर हैं।

'दादू ने अपनी जड़ों, परिवार को विस्मृत न करने को कहा था'

नवोदित अभिनेता वर्धान पुरी अमरीश पुरी के पौत्र हैं और उन्होंने हाल ही में आई फिल्म ये साली आशिकी, से अपने अभिनय कॅरियर प्रारंभ किया है। **पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना** के साथ एक विशेष बातचीत में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा, जिसमें उन्होंने एक सहायक निर्देशक, पटकथा लेखक और अब अभिनय भी किया है, के बारे में विस्तार से बताया-

■ पहले सहायक निर्देशक और अब अभिनेता, ये अभिनय कब से प्रारंभ हुआ?

मैं पांच साल की आयु से ही थियेटर करता आ रहा हूं। मैं पहले अभिनेताओं की सहायता और बैक स्टेज प्रबंधन किया करता था और तब जाकर मुझे आठ साल की आयु में पहला और 14 साल की आयु में प्रमुख रोल मिला। मैंने थियेटर भी काफी किया है। बाद में यशराज फिल्म्स के लिए सहायक निर्देशक का काम किया। बाद में सहायक लेखक और 3 फिल्मों में मैं प्रारंभ से लेकर अंत तक रहा हूं। मुझे लगा कि थियेटर के अनुभव के होते हुए भी मुझे अभिनय के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी। फिर मैंने इसका अध्ययन किया और अंतत: मुझे मेरी पहली फिल्म 'ये साली आशिकी' मिली।

■ पांच साल की आयु में थियेटर में जाने के पीछे क्या आकर्षण था?

मैं फिल्मों के पीछे इतना पड़ा रहता था कि टीवी के सामने 18 घंटे तक जमा रहता था। मेरे माता-पिता को लगता था कि इससे मुझे हानि पहुंच सकती थी। क्योंकि मेरे बाबा पहले से ही अभिनेता थे। उनके गुरू सत्यदेव दुबे ने उन्हें थियेटर में भेजने के लिए कहा ताकि फिल्मी बच्चा बना रहने की बजाय मैं अभिनय कला की बारीकियां सीख सकूं।

■ ये साली आशिकी वाला रोल आपको कैसे मिला?

इसकी एक कहानी है। मैं इस प्रोजेक्ट का लेखक भी हूं। इसके निर्देशक चिराग रूपारेल बराबर कहा करते थे कि हम नए लीड कलाकार की तलाश कर ही क्यों रहे हैं जब हमारे पास बॉलिवुड में आने को आतुर कलाकार उपलब्ध है। मुझे लगा कि चरित्र की कई परतें होने के कारण मैं संभवत: इसे न निभा सकूं। लेकिन जब निर्माताओं ने एक ऑडिशन करने का प्रस्ताव दिया तो मैं इसके लिए सहमत हो गया। मैंने एक सप्ताह तक ऑडिशन दिया और फिर उसके परिणाम को देखकर मैं संतुष्ट हो गया कि मैं इस रोल को कर सकता हूं।

■ क्या आप कठिन दृश्यों को कर सके जिन्हें आपने ही लिखा था?

ये अत्यंत व्यक्तिगत धारणा है लेकिन हां इससे मुझे मदद अवश्य मिली क्योंकि मैं चरित्र के बारे में पूरी जानकारी रखता था।

■ फिल्मों में आपके पदार्पण के लिए क्या ये फिल्म सही थी?

मैं तो इसी प्रकार की फिल्म की प्रतीक्षा कर रही रहा था। लेकिन मुझे जरा भी विश्वास नहीं था कि मुझे ऐसा चरित्र करने को कहा जाएगा जिसमें जटिलता थी और कई परतें भी थीं।

■ बॉलिवुड में तो लोग टाइप्ड अनुभव करने लगते हैं। क्या आपको भी ये रोल करते समय ऐसा कोई डर था?

जी हां लगा था। लेकिन मुझे विविध प्रकार की फिल्में ऑफर की जा रही थीं। मैंने उनमें से कॉमेडी, रोमांस और ऐक्शन ड्रामा वाली फिल्मों को चुना। अब हमारी इंडस्ट्री काफी विकसित हो चुकी है और आज तो कास्टिंग पर ही काफी ध्यान दिया जाता है।

■ क्या आपको इसलिये जज किया जाता है क्योंकि अमरीश पुरी आपके दादाजी थे?

लोग आपको आपकी क्षमता, सामर्थ्य और प्रतिभा देखकर ही रोल देते हैं। यदि ऐसा न होता तो मुझे सहायक निर्देशक के तौर पर कॅरियर प्रारंभ न करना पड़ता और न ही 10 साल पहले पदार्पण करने को मिलता। मुझे प्रषिक्षण प्राप्त करना था और अपनी योग्यता को साबित करना था। आपको आपके व्यक्तित्व के आधार पर ही जज किया जा सकता है।

■ आपके बड़े होने के दौरान घर पर कैसा वातावरण रहा करता था?

मेरी मां डॉक्टर हैं और बहन भी डॉक्टर हैं मेरे पिता बिजनेसमैन हैं और प्रशिक्षित नेविगेटर हैं और मर्चेन्ट नेवी में काम कर चुके हैं। मेरे नाना नानी अधिवक्ता हैं। मेरी दादी सरकारी कर्मचारी थीं। मेरे दादाजी अभिनेता थे। मैं अपने परिवार में स्नातक होने के बावजूद सबसे कम शिक्षित हूं। हम फिटनेस और वर्तमान घटनचक्र के बारे में बात करते थे। फिल्मों के बारे में भी बात होती थी लेकिन अधिकांशत: फिल्मों तथा थियेटर का विश्लेषण ही हुआ करता था।

■ आपको अपने दादाजी के बारे में सबसे अच्छी स्मृति क्या है?

मैं 11 साल का था। उस दिन मेरा जन्मदिन था। मैं हमेशा से ही अपने दादा-दादी के साथ ही इसे मनाया करता था। लेकिन प्राय: वे बाहर हुआ करते थे। दादू उस दिन लंदन में शूटिंग में व्यस्त थे और उन्होंने बता दिया था कि वो इस बार जन्मदिन पर नहीं आ सकेंगे। लेकिन वो आए फिर चाहे एक दिन के लिए ही सही। उन्होंने मुझे अच्छी गिफ्ट भी दी। उस दिन हमनें मित्रों के साथ खूब मौजमस्ती की थी। मेरे लिये ये दिन बहुत स्मरणीय बन गया।

■ क्या उन्होंने आपको किसी प्रकार की सलाह दी थी?

जी हां, उन्होंने कहा था कि अभिनय केवल प्रतिक्रिया भर होता है। उन्होंने मुझे अपनी जड़ों अर्थात थियेटर, को न भूलने को भी कहा था। तैयारी करना अपरिहार्य है। अनुशासन और परिवार को हमेशा महत्व देने को कहा। उनके अनुसार निर्देशक को ईश्वर मानने तथा काम को सच्चाई के साथ करने की सलाह भी दी थी।

■ आपकी फिल्म पिछले साल रिलीज़ हुई थी और अब छ: महीने के भीतर 'एंड टीवी' पर आ रही है। क्या आपको इसका लाभ मिलेगा?

आजकल समय बदल रहा है। आजकल कोई भी फिल्म 4-5 सप्ताह ही चलती है। कई ऐसे भी लोग हैं जो फिल्म नहीं देख पाते हैं। ये उनके लिए टेलीकास्ट की जा रही है। सेटलाइट प्लेटफॉर्म पर ये जितनी जल्दी आए उतना अच्छा।

अनिल कपूर ने किया 'किशन कन्हैया' को याद

बॉलिवुड अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि 1990 में रिलीज़ हुई फिल्म किशन कन्हैया आज भी उनके लिए विशेष स्थान रखती है। राकेश रोशन निर्देशिक इस फिल्म ने आज 30 साल पूरे कर लिये हैं और इस अवसर पर अनिल फिल्म को याद कर रहे थे। अनिल ने कहा कि इस फिल्म के लिए लोगों के दिलों में जो प्यार और सम्मान है, उसे देखकर प्रसन्नता होती है।

अनिल ने बताया, 'माधुरी और मैंने मिलकर कई फिल्मों में काम किया है और वे सभी किसी न किसी बात को लेकर विषेष हैं और उन्हें विस्मृत नहीं किया जा सकता। फिल्म किषन कन्हैया आज भी उनकी प्रिय फिल्म है। इसमें मेरे डबल रोल के कारण मुझे दो भिन्न स्वभाव वाले व्यक्तियों का अभिनय करने का अवसर मिला जिनमें से एक सषक्त और दूसरा दुर्बल था।

शिल्पा शेट्टी की बेटी समिशा 40 दिन की

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंडरा का कहना है कि उनकी बेटी समिशा शेट्टी 40 दिन की हो गई है। हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार ये मां और बच्चे के संबंधों के लिए पहला मील का पत्थर होता है। इससे मुझे बस ये बात स्मरण हो आती है कि हमें जीवन में कई चीजों के लिए कृतज्ञ अनुभव करना चाहिये चाहे कुछ बातें आपकी योजना के अनुसार न भी होती हों। अगले 20 दिनों तक मैं एक ही बात दोहराती रहूंगी कि मैं हर दिन के लिए ईश्वर की आभारी हूं।

ऋतिक ने बीएमसी कर्मियों को दिये मास्क

अभिनेता ऋतिक रोशन ने इस बात पर बल दिया है कि नगर और समाज के सबसे महत्वपूर्ण केयरटेकर्स की सुरक्षा को गंभीरता से लिया ही जाना चाहिये। अभिनेता ने हाल ही में बीएमसी बृहन म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन 'बीएमसी' के लिए मास्क क्रय किये हैं। ऋतिक ने ट्वीट में बताया, 'ऐसे समय में हमें नगर के सच्चे सेवक बीएमसी कर्मियों के लिए हमें वो सब करना चाहिये जो हम अपने महत्वपूर्ण समाजसेवकों के लिए कर सकते हैं। मैंने बीएमसी तथा अन्य कर्मियों के लिए एन95 और एफएफपी3 मास्क क्रय किये हैं।' उन्होंने महाराष्ट्र सरकार का समर्थन का अवसर देने के लिए मंत्री आदित्य ठाकरे के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

मिली सायरस स्वयं को मानती हैं सौभाग्यशाली

हॉलिवुड गायिका मिली साइरस ने कहा है कि कोविड 19 के चलते जब उन्होंने स्वयं एकांतवास किया तो एक बार तो उन्हें थोड़ा डर भी लगा था। 27 साल की सिंगर ने बताया कि घर में बंद रहकर समय गुजारने के दौरान कई समस्याएं भी सामने आईं।

वो बता रही थीं, 'एक रात मैं अपने घर के बाहर बैठी थी और तारों की ओर देख रही थी। मुझे यही स्थान सर्वाधिक सुरक्षित लगता है। मैं सोच रही थी कि मैं कितनी सौभाग्यशाली हूं कि मैं ऐसे स्थान पर रहती हूं कि मैं बाहर निकल कर टहल भी सकती हूं। लेकिन सभी के पास इतनी जगह भी तो नहीं होती।

उन्होंने आगे बताया, 'बस इसी बात से मुझे चिंता, डर, आतंक की भावनाएं आने लगीं और मैं लगभग संज्ञाषून्य सी होती जा रही थी।'

लता मंगेशकर, प्रियंका चोपड़ा, विक्की कौशल ने पीएम-केयर्स, मुख्यमंत्री राहत कोष में दान दिया

भाषा। मुंबई

स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट, विक्की कौशल समेत अनेक कलाकारों ने देश में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने का प्रयास कर रहे विभिन्न राहत कोषों में चंदा देने की मंगलवार को जानकारी दी। चाहे नकद हो या नेक काम के जरिए भारतीय उद्योग जगत से अधिक से अधिक हस्तियां अपना समर्थन देने के लिए आगे आ रही हैं। मंगेशकर ने ट्विटर पर घोषणा की कि वे मुख्यमंत्री सहायता कोष में 25 लाख रुपए दान कर रही हैं जो इस मुश्किल समय में सरकार की मदद करने की उनकी ड्यूटी का हिस्सा है। प्रियंका ने पति पॉप गायक निक जोनास के साथ पीएम-केयर्स, यूनिसेफ, गूंज, डॉक्टर्स विदाउट बार्डर्स, नो किड हंगरी और एसएजी-एएफटीआरए समेत 10 परोपकारी संस्थाओं में अघोषित राशि दान की। प्रियंका ने ट्विटर पर कहा कि ये संगठन कोविड-19 प्रकोप से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए शानदार काम कर रहा है। प्रियंका ने लोगों से आगे आने और अपने-अपने हिस्से का योगदान करने की अपील की। निक ने कहा कि इन संगठनों का उल्लेख करने का मकसद जागरुकता पैदा करना है। वहीं इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कैटरीना ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राहत कोष और पीएम-केयर्स दोनों में धनराशि दान की है। उन्होंने लिखा, इस वैश्विक महामारी ने विश्व में जिस तरह की मुश्किलें खड़ी की हैं उसे देखना बहुत दुखद है। आलिया भट्ट ने पीएम-केयर्स कोष और मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया। अभिनेता विक्की कौशल ने कहा कि वह पीएम-केयर्स और महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष में एक करोड़ रुपए का दान कर रहे हैं। सारा अली खान ने भी राहत कार्यों के लिए अघोषित राशि दान करने की जानकारी दी। अभिनेता अली फजल ने जरूरतमंदों को खाने के पैकेट बांटे। प्रसिद्ध मराठी अभिनेता साई तमहांकर ने भी मुख्यमंत्री राहत कोष में डेढ़ लाख रुपए का चंदा दिया है। अभिनेता प्रकाश राज ने कहा कि वह केरल के कोवलम शहर में हर दिन 250 बेघर दिहाड़ी मजदूरों को खाना खिला रहे हैं। प्रकाश राज ने ट्वीट किया, अपने आस-पास केवल एक परिवार की मदद करें। अक्षय कुमार, अनुष्का शर्मा, वरुण धवन, सोनम कपूर, राजकुमार राव, कार्तिक आर्यन, करण जौहर, भूषण कुमार समेत फिल्म उद्योग की कई हस्तियों ने विभिन्न राहत कोषों में दान किया है।

सलमान खान के भतीजे अब्दुल्ला का निधन

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के भतीजे एवं बॉडी बिल्डर अब्दुल्ला खान का यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 38 वर्ष के थे। परिवार से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि उनका निधन शहर के लीलावती अस्पताल में सोमवार को हुआ। खबरों के अनुसार उनके फेफड़ों में संक्रमण था। सूत्रों ने बताया, ऐसा प्रतीत होता है, लेकिन अभी तक अंतिम रिपोर्ट नहीं आई है। सलमान ने सोशल मीडिया पर अब्दुल्ला के साथ के तस्वीर साझा करते हुए लिखा, तुम्हारी याद आएगी।

अक्षरा सिंह का गाना एक लाख का लहंगा ने मचाया धमाल

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार अभिनेत्री अक्षरा सिंह के नये गाने 'एक लाख का लहंगा' ने धमाल मचा दिया है। अक्षरा सिंह के नये गाने एक लाख का लहंगा है को सोनी म्यूजिक रीजनल ने अपने यू.ट्यूब चैनल से रिलीज किया है। इस गाने को महज कुछ ही घंटों में एक लाख व्यूज मिल चुका है। गाने का लिरिक्स आर आर पंकज और म्यूजिक विनय विनायक का है। अक्षरा का कहना है कि एक लाख का लहंगा चार्ट बस्टर होने वाला है। इस गाने की मेकिंग बेहद अलग और ताजातरीन है। इसलिए मुझे इस गाने से काफी उम्मीदें हैं।

कैटरीना कैफ बनेंगी सुपरहीरो

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड की बार्बी गर्ल कैटरीना कैफ सिल्वर स्क्रीन पर सुपरहीरो का किरदार निभाती नजर आ सकती हैं। कैटरीना निर्देशक अली अब्बास जफर की फिल्म में काम करने जा रही हैं। इस फिल्म की थीम सुपर हीरो पर आधारित होगी। जिसमें कैटरीना लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में कैटरीना को दर्शक सुपरहीरो बनते हुए देखेंगे। इस फिल्म में कैटरीना कई स्टंट करते हुए नजर आएंगी। जैसे ही कोरोना वायरस का कहर थमेगा इसके बाद कैटरीना स्टंट की ट्रेनिंग लेना शुरू कर देंगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म मैं कैटरीना का अलग ही लुक नजर आएगा।

प्रिंस हैरी, मेगन मर्केल शाही परिवार की अग्रिम भूमिकाओं से औपचारिक रूप से अलग हुए

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने मंगलवार को शाही परिवार की भूमिकाओं से स्वयं को औपचारिक रूप से अलग कर लिया। यह दंपत्ति अमेरिका में बस गया है और आर्थिक रूप से स्वतंत्र है। हैरी और उनकी पत्नी ने इस साल की शुरुआत में शाही परिवार से अलग होने की घोषणा की थी। बर्मिंघम पैलेस के साथ हुए समझौते के तहत उनके पास 12 महीने का संक्रमण काल होगा। इस दौरान वे शाही परिवार की अग्रणी भूमिका में लौट सकते हैं। ड्यूक और डचेज ऑफ ससेक्स की ए पदवी कायम रहेगी लेकिन वे इनका सक्रिय रूप से इस्तेमाल नहीं करेंगे और एक अप्रैल से महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का औपचारिक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे।

मधुबाला का किरदार निभाना चाहती हैं कंगना

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत सिल्वर स्क्रीन पर बेपनाह हुस्न की मल्लिका मधुबाला का किरदार निभाना चाहती हैं। कंगना रनौत ने अपने ड्रीम रोल पर बात की है। उन्होंने कहा कि वह अपने समय की मशहूर एक्ट्रेस मधुबाला और एक्टर दिलीप कुमार की लव स्टोरी पर फिल्म बनाना चाहेंगी। कंगना ने कहा कि वह मधुबाला का किरदार निभाना चाहती हैं और उनकी इच्छा है कि दिलीप कुमार का किरदार आमिर खान निभाएं। कंगना ने बताया कि अनुराग बसु चाहते थे कि किशोर कुमार की बॉयोपिक में वह मधुबाला का रोल अदा करें जिसमें रणबीर कपूर भी अहम किरदार में थे। हालांकिए उन्होंने हमेशा उन फिल्मों से किनारा कर लिया जिसमें उन्हें पर्याप्त या मेल कैरक्टर जितना स्पेस न मिले। कंगना ने बताया कि रणबीर कपूर ने उन्हें 'संजू' ऑफर की थी लेकिन उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह छोटे रोल नहीं करना चाहती थीं। उन्होंने कहा ए शैं रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के साथ सिर्फ तब काम करूंगी जब उनके ऑपोजिट मेरा भी बराबर रोल हो। कंगना ने कहाए श् मैं रणबीर कपूर के साथ 'अभिमान' जैसा कुछ करना चाहूंगी जो शादीशुदा जोड़े की कहानी थी।